@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 12 सितंबर 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 309 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

'दुनिया में व्यापारिक बाधाएं बढ़ रही हैं, तब भारत आर्थिक सेतु बना रहा'

'दुनिया के 50 प्रतिशत रियल-टाइम डिजिटल भुगतान यूपीआई से हो रहे हैं', ब्रिक्स बिजनेस फोरम में बोले पीएम मोदी

'40 प्रतिशत जीडीपी और 25 फीसदी से अधिक ग्लोबल ट्रेड का प्रतिनिधित्व'

एजेंसी

नई दिल्ली। BRICS बिजनेस फोरम का शुक्रवार को आगाज हो गया है, पहले दिन रूस के राष्ट्रपति पुतिन, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान समेत कई दक्षिण एशियाई नेता पहुंचे। BRICS बिज़नेस फोरम के लीडर्स सेशन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी नेताओं को स्वागत किया अपने संबोधन में सभी देशों को परिवार कहा। संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'इस साल हम BRICS के 20 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। जब साल 2006 में यह समूह बना, तब इसमें केवल चार देश थे। आज, ब्रिक्स के सदस्यों और पार्टनर देशों को मिलाकर हमारा परिवार 21 देशों तक बढ़ गया है। ' प्रधानमंत्री ने आगे कहा, 'आज, ब्रिक्स देश दुनिया की 50 प्रतिशत आबादी, 40 प्रतिशत GDP और 25 फीसदी से अधिक ग्लोबल ट्रेड का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसके अलावा, जहाँ इन सालों में ग्लोबल GDP लगभग ढाई गुना बढ़ी है, जबकि ब्रिक्स देशों की कुल GDP लगभग साढ़े चार गुना बढ़ी है। दूसरे शब्दों में, ब्रिक्स की आर्थिक ताकत बाकी दुनिया की तुलना में लगभग दोगुनी तेजी से बढ़ी है।

ब्रिक्स देश ग्लोबल इनोवेशन और समाधानों के लिए भी अहम केंद्र के तौर पर उभर रहे हैं। हमारे देशों में इनोवेशन के लिए नई संभावनाएँ आकार ले रही हैं, जिनमें जमीनी स्तर की पहल से लेकर अत्याधुनिक तकनीकें तक शामिल हैं। ब्रिक्स का बढ़ता दायरा,

रफ्तार और उम्मीदें हम सबके बीच साफ तौर पर दिख रही हैं। भारत में आयोजित यह फोरम अब तक का सबसे बड़ा ब्रिक्स बिज़नेस फोरम है। '

भारत आर्थिक सेतु बना रहा'

प्रधानमंत्री ने कहा, 'आज जब दुनिया भर में व्यापारिक बाधाएं बढ़ रही हैं, भारत आर्थिक सेतु बना रहा है। 2014 से हमने लगभग 40 देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं। ' आगे उन्होंने कहा, 'हमारा ध्यान व्यवसायों के लिए रुकावटें कम करने और उनके लिए नए अवसर बढ़ाने पर केंद्रित है। इसीलिए, अपनी BRICS अध्यक्षता के दौरान हमने कृषि, स्वास्थ्य, कौशल और स्मार्ट ग्रिड जैसे क्षेत्रों में सहयोग के नए नेटवर्क बनाए हैं।

प्रतिबंध लगाने वाले देश खुद औद्योगिक गिरावट से जूझ रहे, ब्रिक्स बिजनेस फोरम में पुतिन का पश्चिम पर निशाना

एजेंसी

नई दिल्ली। आज दुनिया बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है, जहां पुरानी आर्थिक ताकतों की जगह नए ग्रोथ इंजन ले रहे हैं। बिजनेस-टू-बिजनेस रिलेशन और आर्थिक साझेदारी ही वैश्विक अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और मौजूदा हालात में ब्रिक्स ने इन संबंधों को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यह बात शुक्रवार को आयोजित ब्रिक्स बिजनेस फोरम में कही। पुतिन ने अपने संबोधन की शुरुआत में कहा, 'आज यहां पर सबकी मौजूदगी व्यवसायिक संपर्क और संबंधों को मजबूत करने को लेकर बढ़ती दिलचस्पी को दिखाता है। यह जाहिर है कि एक विश्वनीय बिजनेस-टू-बिजनेस रिलेशन और आर्थिक साझेदारी अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संबंधों की रीढ़ है। बिक्स ने इन संबंधों को और मजबूत करने में मदद की है। इसके साथ ही दुनिया में जो मौजूदा हालात बने हुए हैं, उसमें भी ब्रिक्स ने काफी मदद की है।' रूस के राष्ट्रपति ने कहा, 'दुनिया में बड़े संरचनात्मक और गहरे बदलाव हो रहे हैं। इसकी वजह यह है कि तथाकथित पुराने लीडर, जो 20वीं सदी के दूसरे हिस्से में आर्थिक वृद्धि के अगुवा थे, उनकी जगह अब विकास के नए इंजन ले रहे हैं। जब मैं 'पुराना' कहता हूं तो यह सिर्फ औपचारिकता है, हम सब समझते हैं कि हम किस बारे में बात कर रहे हैं।

वैश्विक चुनौतियों के बीच ब्रिक्स की भूमिका अहम, यह सहयोग को आर्थिक ताकत में बदलने का समयः मसूद पेजेश्कियन

एजेंसी

नई दिल्ली। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ब्रिक्स बिजनेस फोरम 2026 में शामिल होने पहुंचे हुए हैं। 12 सितंबर को ब्रिक्स समिट की शुरुआत से पहले राष्ट्रपति पेजेश्कियन ने शुक्रवार को अपना संबोधन दिया और फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक की। दोनों नेताओं के बीच हुई इस बैठक से जो तस्वीरें सामने आई हैं, उसमें प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति पेजेश्कियन के साथ भारत पहुंचे ईरानी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात करते नजर आए। ईरानी विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने पीएम मोदी से हाथ मिलाया। वहीं भारत की तरफ से इस बैठक में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और विदेश सचिव विक्रम मिस्री भी नजर आए। ब्रिक्स बिजनेस फोरम में ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने कहा, 'मैं इस मीटिंग को अच्छे से होस्ट करने के लिए भारत की सरकार और लोगों को दिल से धन्यवाद देना चाहता हूं। साथ ही ब्रिक्स सहयोग को मजबूत करने की उनकी कीमती कोशिशों के लिए भारत के प्रधानमंत्री को भी धन्यवाद देना चाहता हूं। आज प्राइवेट सेक्टर, बिजनेस कंपनियों और एंटरप्रेन्योर्स के प्रतिनिधियों के बीच मौजूद होना मेरे लिए बहुत खुशी की बात है, जो ब्रिक्स के अंदर सहयोग के विचार को असल आर्थिक हकीकत में बदल सकते हैं। '

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले पीएम मोदी और रूसी राष्ट्रपति पुतिन की अहम बैठक

द्विपक्षीय सहयोग और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को नई दिल्ली में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले अहम द्विपक्षीय बैठक की। दोनों नेताओं ने रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष, व्यापार और लोगों के बीच संपर्क सहित कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के साथ-साथ पश्चिम एशिया और ब्लैक सी क्षेत्र में जारी संघर्षों पर भी चर्चा की।

बैठक की शुरुआत दोनों नेताओं के गर्मजोशी से गले मिलने के साथ हुई। यह इस वर्ष उनकी दूसरी मुलाकात है। इससे पहले दोनों नेता 31 अगस्त को बिश्केक में आयोजित 26वें एससीओ शिखर सम्मेलन

के इतर मिले थे। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन को महान तमिल कवि और दार्शनिक तिरुवल्लुवर द्वारा रचित तिरुक्कुरल का रूसी भाषा में अनूदित संस्करण भेंट किया। इस ग्रंथ में कृषि और किसानों से जुड़े विषयों पर भी विस्तृत विचार प्रस्तुत किए गए हैं। सूत्रों के अनुसार, दोनों नेताओं ने राजनीतिक, आर्थिक, रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष, गतिशीलता और जन-से-जन संबंधों सहित विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में रेल क्षेत्र और सुरंग निर्माण में औद्योगिक सहयोग बढ़ाने, इस्पात मूल्य श्रृंखला विकसित करने, बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) अवसरों का विस्तार करने और रूसी बाजार तक भारतीय कंपनियों की पहुंच बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। इसके अलावा असैन्य परमाणु ऊर्जा सहयोग, ईंधन चक्र और लाइफ-साइकिल समर्थन, रूस में भारतीय कुशल श्रमिकों की संख्या बढ़ाने, महत्वपूर्ण खनिजों में सहयोग और उर्वरक क्षेत्र में रणनीतिक संयुक्त उपक्रमों के जरिए साझेदारी मजबूत करने जैसे मुद्दे भी वार्ता का हिस्सा रहे। इससे पहले दिसंबर 2025 में दोनों नेताओं ने नई दिल्ली में 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में मुलाकात की थी।

शशि थरूर ने चिदंबरम के ब्रिक्स वाले बयान से असहमति जताई

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के नेताओं ने शुक्रवार को कहा कि ब्रिक्स समिट को लेकर कांग्रेस सांसद शशि थरूर का सीनियर नेता पी. चिदंबरम के पहले के बयानों से अलग राय रखना, पार्टी के अंदर चल रही आपसी कलह को उजागर करता है। पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने ब्रिक्स पर सवाल उठाकर विवाद खड़ा कर दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें इस समूह की हालिया बैठकों से कोई खास नतीजा निकलता नहीं दिखा। हालांकि, कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने ब्रिक्स समिट की अहमियत का बचाव करते हुए कहा कि यह समूह 'ग्लोबल साउथ' के लिए जरूरी मंच देता है और भारत की कूटनीतिक क्षमता को दिखाता है।

केदारनाथ पैदल मार्ग पर बादल फटा

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तराखंड के केदारनाथ में शुक्रवार को बादल फटा। इसके बाद लैंडस्लाइड हुई। बड़े-बड़े बोल्डर गिरने से केदारनाथ पैदल मार्ग बंद हो गया है। मध्य प्रदेश में तीन दिन के ब्रेक के बाद मानसूनी सिस्टम फिर एक्टिव हो गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, शुक्रवार को राज्य के 12 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है। गुरुवार रात भोपाल, नर्मदापुरम और विदिशा में बारिश हुई। दमोह में बाढ़ के हालात हैं, कई कॉलोनियों में पानी भर गया है। उधर, बिहार में 8 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। 14 जिलों में बाढ़ की स्थिति है, जिससे 2,360 गांवों में करीब 44 लाख लोग प्रभावित हैं। 27,954 लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं।

ओडिशा के छह जिलों में भारी बारिश

भुवनेश्वर में शुक्रवार को बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के क्षेत्र के कारण दक्षिणी और पश्चिमी ओडिशा में भारी बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक, राज्य के छह जिलों पर बहुत भारी बारिश दर्ज की गई। 23 अन्य जगहों पर भी भारी बारिश हुई। कालाहांडी जिले के गोलामुंडा में सबसे ज्यादा 16 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई। मदनपुर रामपुर, भवानीपटना और जूनागढ़ में 14-14 सेंटीमीटर बारिश हुई।

यूपीः बाढ़ का कहर, गंगा और रामगंगा का जलस्तर बढ़ने से कई गांव जलमग्न

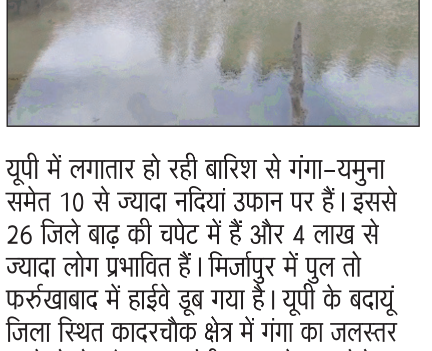

यूपी में लगातार हो रही बारिश से गंगा-यमुना समेत 10 से ज्यादा नदियां उफान पर हैं। इससे 26 जिले बाढ़ की चपेट में हैं और 4 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। मिर्जापुर में पुल तो फर्रुखाबाद में हाईवे डूब गया है। यूपी के बदायूं जिला स्थित कादरचौक क्षेत्र में गंगा का जलस्तर बढ़ने से क्षेत्र के गांव पचौरी नगला में बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। गांव के करीब 20 घरों में पानी भर गया है, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। ग्रामीण पशुओं सहित पानी में रहने को मजबूर हैं। कई परिवारों ने घर खाली कर पुरानी सड़क के उस पार बने मकानों में शरण ली है। लोगों के आवागमन के लिए नाव की व्यवस्था की गई है।

मुख्य सचिव के.ए.पी. सिन्हा ने राज्य स्तरीय जनगणना समन्वय कमेटी की बैठक में तैयारियों की समीक्षा की

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़, 11 सितंबर। पंजाब के मुख्य सचिव श्री के.ए.पी. सिन्हा की अध्यक्षता में आज यहां जनगणना-2027 के लिए राज्य स्तरीय जनगणना समन्वय कमेटी (एस.एल.सी.सी.सी.) की चौथी बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य के नोडल अधिकारी श्री घनश्याम थोरी तथा एस.एल.सी.सी.सी. के सभी सदस्य शामिल हुए। इसके अलावा सभी उपायुक्त/नगर निगमों के आयुक्त-सह-प्रधान जनगणना अधिकारी (पी.सी.ओ ?.) वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। श्री के.ए.पी. सिन्हा ने निर्धारित कार्यों को पूरी लगन और निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करने के लिए पी.सी.ओ ? की सराहना की। उन्होंने निर्देश दिए कि फील्ड ट्रेनरों की सूची को अंतिम रूप देने का कार्य 15 सितंबर, 2026 तक तथा इन्यूमरेशन ब्लॉकों और सुपरवाइजरों/इन्यूमरेटरों की सूची को अंतिम रूप देने का कार्य 30 सितंबर, 2026 तक पूरा किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि दूसरे चरण से संबंधित सभी तैयारियां 10 नवंबर, 2026 से पहले पूरी कर ली जाएं। कमेटी द्वारा इन्यूमरेशन ब्लॉकों के गठन, बेघर लोगों,

संस्थागत परिवारों की गणना तथा सभी दूर-दराज के क्षेत्रों को कवर करने संबंधी दिशा-निर्देशों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। प्रत्येक स्तर पर पी.सी.ओ ?, एस.डी.एम ? और चार्ज अधिकारियों की भूमिकाओं को स्पष्ट जवाबदेही के साथ दोहराया गया। चेयरमैन ने निर्देश दिया कि जनगणना ड्यूटी से छूट एस.डी.एम. स्तर से नीचे किसी भी अधिकारी द्वारा मंजूर नहीं की जाएगी। पी.सी.ओ ? को सभी क्षेत्रों की पूर्ण कवरेज सुनिश्चित करने तथा बिना किसी कमी के पूरी शुद्धता के साथ जनगणना करवाने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा बेघर आबादी की गणना के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने, सभी संस्थागत घरों, झुग्गी-झोपड़ियों, दूर-दराज के क्षेत्रों और नए विकसित क्षेत्रों की कवरेज सुनिश्चित करने, नियमित निरीक्षण और साप्ताहिक समीक्षा करने तथा जनगणना कार्य को मिशन मोड में पूरा करने के निर्देश दिए गए। मुख्य सचिव ने प्रशासनिक सचिव-सह-नोडल अधिकारी, स्थानीय निकाय विभाग को निर्देश दिया कि पहले चरण में कार्य करने वाले सभी जनगणना कर्मचारियों को मानदेय का भुगतान प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए।

शेष पृष्ठ 3 पर

खड़गे की सभा के बाद कथित 'शुद्धिकरण' पर झारखंड कांग्रेस ने एफआईआर के लिए दी लिखित शिकायत

रांची। उत्तराखंड के हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की जनसभा के बाद कथित तौर पर सभा स्थल का 'शुद्धिकरण' किए जाने के विरोध में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अनुसूचित जाति विभाग ने रांची के कोतवाली थाने में लिखित शिकायत दी है। विभाग के अध्यक्ष प्रशांत किशोर ने पुलिस से प्राथमिकी दर्ज कर मामले में कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। प्रशांत किशोर ने अपनी शिकायत में कहा कि 8 अगस्त को हल्द्वानी के रामलीला मैदान में मल्लिकार्जुन खड़गे की जनसभा हुई थी।

राम मंदिर के खिलाफ रैली करने वाली को भगवान राम ने बंगाल से मिटा दियाः शुभेंदु अधिकारी

सीएम ने 'अपने-अपने राम' कार्यक्रम में ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार शाम कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम में आयोजित 'अपने-अपने राम' कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला। कवि डॉ. कुमार विश्वास के कार्यक्रम में शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि 2024 में अयोध्या में राम मंदिर के खिलाफ कोलकाता में रैली करने वाली ममता बनर्जी को भगवान राम ने बंगाल से मिटा दिया

। मुख्यमंत्री ने कहा कि बंगाल की धरती स्वतंत्रता सेनानियों, महापुरुषों और ऋषियों की भूमि है और यहां राष्ट्रवाद तथा हिंदू परंपराओं के साथ किसी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि लोगों को यह नहीं भूलना चाहिए कि 2024 में राम मंदिर के खिलाफ कोलकाता में रैली किसने निकाली थी। उन्होंने कहा कि उस समय राम मंदिर के विरोध में खड़े होने

वाली ताकतों को जनता ने जवाब दिया और भगवान राम ने उन्हें बंगाल से मिटा दिया। मुख्यमंत्री का यह बयान स्पष्ट रूप से तत्कालीन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ओर संकेत था।

नागपुर में मारबत-बड़गे महोत्सव का भव्य नजारा

काली-पीली मारबत के मिलन का साक्षी बना जनसैलाब

एजेंसी

नागपुर। ढोल-नगाडो की गूंज... 'ले जा रे गे मारबत' के गगनभेदी जयघोष... गुलाल की बौछार और सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब... ऐसे उत्साहपूर्ण माहौल में नागपुर की करीब 150 वर्षों पुरानी ऐतिहासिक परंपरा मारबत और बड़गे महोत्सव इस वर्ष अभूतपूर्व अंतरराष्ट्रीय रंग में नजर आया। नागपुर के इतवारी इलाके में स्थित नेहरू पुतला चौक पर काली मारबत और पीली मारबत का पारंपरिक मिलन हुआ। इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनने के लिए लाखों नागपुरवासी उमड़ पड़े और पूरा क्षेत्र जनसैलाब में तब्दील हो गया। नेहरू चौक के आसपास की इमारतों की छतों, गैलरियों और बालकनियों में बड़ी संख्या में नागरिक खड़े होकर मारबत के ऐतिहासिक मिलन का नजारा देखते रहे। ढोल-ताशों की गूंज और जोरदार जयघोष से पूरा परिसर गूंज उठा। नागपुर की इस अनूठी लोक-सांस्कृतिक परंपरा का रोमांच देखते हुए लोगों का उत्साह चरम पर पहुंच गया।

सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े तीन उग्रवादी को किया गिरफ्तार

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने कई प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि इन तीनों उग्रवादियों को गुरुवार को गिरफ्तार किया गया था। तेंगनौपाल जिले के खारो खुल्लेन में एक तलाशी अभियान के दौरान यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया। उसकी पहचान थौबल जिले के हेइरोक निवासी एन सुरेश सिंह (26) के रूप में हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक असम राइफल्स की सूचना के आधार पर इंफाल पूर्वी जिले के खाबेसोई से पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के एक सक्रिय सदस्य को पकड़ा गया। उसकी पहचान एम सनथोई मेइतेई के रूप में हुई है और वह संगठन के नए सदस्यों की भर्ती करने में शामिल था। इसके अलावा, बिष्णुपुर जिले के कुंबी थाना क्षेत्र के इथाई कुंबी से कांगलेई यावोल कन्ना लुप (केवाईकेएल) के 43 साल के उग्रवादी को गिरफ्तार किया गया है। उसकी पहचान की नाम जानकारी नहीं मिल सकी।

निर्माणाधीन चर्च की छत गिरने से तीन मजदूरों की मौत, 11 घायल

वेल्लोर (एजेंसी)। तमिलनाडु के वेल्लोर जिले में निर्माणाधीन चर्च की छत गिरने से तीन मजदूरों की मौत हो गई और 11 घायल हुए। एक अधिकारी ने बताया कि 11 घायल मजदूरों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि कटपाडी के निकट मंडी कृष्णापुरम में 'चर्च ऑफ साउथ इंडिया' के निर्माणाधीन भवन की छत का हिस्सा गुरुवार को उस समय ढह गया, जब मजदूर छत पर कंक्रीट डालने का काम कर रहे थे। अधिकारी ने तीन मजदूरों की मौत की पुष्टि की है। एनडीआरएफ की अरक्कोणम टीम ने जिला प्रशासन, पुलिस और दमकल कर्मियों के साथ मिलकर निर्माण स्थल पर फंसे मजदूरों को बचाने का अभियान चलाया। वेल्लोर की जिलाधिकारी पी एस लीला एलेक्स ने कहा कि कम से कम आठ मजदूरों की हालत स्थिर है।

पंजाब के स्कूलों की कमियां दिखाने पर केजरीवाल ने सीजेपी को सराहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के सरकारी स्कूलों में छात्रों को आ रही समस्याओं को सामने लाने के लिए कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का धन्यवाद किया है। उन्होंने इन मुद्दों को उठाने के लिए सीजेपी की सराहना कर आश्वासन दिया कि पार्टी राज्य सरकार के साथ मिलकर इन चिंताओं का तुरंत समाधान करने की दिशा में कदम उठाएगी। सीजेपी के सौरव दास के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने पंजाब का दौरा किया, जहाँ उन्होंने अपने स्कूल ठीक करो अभियान के तहत सरकारी स्कूलों की स्थिति का जायजा लिया। दौरे के बाद दास ने बताया कि लुधियाना में स्कूल ऑफ एमिनेंस का रखरखाव अच्छा था, लेकिन कुछ समस्याएं भी देखी गईं। इन समस्याओं से शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस को अवगत कराया गया, जिन्होंने तुरंत मिलने और जल्द कार्रवाई का भरोसा दिया। दास ने स्कूल ऑफ एमिनेंस में स्विमिंग पूल, रैंप, एआई लैब और कंप्यूटर लैब जैसी सुविधाओं की तारीफ की, और कहा कि कई मामलों में ये निजी स्कूलों से भी बेहतर हैं। पंजाब में लगभग 19,000 सरकारी स्कूलों में से, सरकार ने 118 स्कूल ऑफ एमिनेंस बनाने की घोषणा की है, जिसमें से कुछ ही का उद्घाटन हो पाया है। हालांकि, सीजेपी की टीम ने 1936 में बने सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जंडियाली का भी दौरा किया, जहाँ मरम्मत के बावजूद पुराना ढांचा अभी भी बना हुआ है। दास ने उम्मीद जाहिर की कि इन बच्चों को भी बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और पंजाब सरकार इस पर ध्यान देगी।

पीएम मोदी के नेतृत्व में ब्रिक्स में भारत की धमक : सुधांशु त्रिवेदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 सालों में भारत ब्रिक्स समूह का अहम और प्रभावशाली सदस्य बनकर उभरा है। राज्यसभा सांसद त्रिवेदी ने बदलते वैश्विक परिदृश्य में इस समूह के महत्व पर जोर दिया, खासकर इसतरह के समय में जब दुनिया के कई हिस्सों में संघर्ष जारी हैं। राज्यसभा सांसद त्रिवेदी ने इस पर गर्व व्यक्त किया कि भारत इस महत्वपूर्ण शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है, और संगठन में देश की स्थिति में आए उल्लेखनीय बदलाव को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले, भारत को ब्रिक्स के भीतर एक कमजोर और कम महत्वपूर्ण सदस्य के रूप में देखा जाता था, जिसकी निरंतर भागीदारी पर भी सवाल उठते थे। हालांकि, प्रधानमंत्री मोदी के सशक्त नेतृत्व में, भारत ने अब खुद को एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया है, जो अन्य ब्रिक्स देशों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग कर रहा है। उन्होंने बताया कि ब्रिक्स समूह दुनिया की करीब आधी आबादी और वैश्विक जीडीपी के करीब 40 प्रतिशत हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है, जिससे मौजूदा चुनौतियों के बीच इसकी भूमिका और भी अहम होती है। भारत 12 और 13 सितंबर को नई दिल्ली के भारत मंडपम में 18वें ब्रिक्स लीडर्स समिट की मेजबानी कर रहा है।

ब्रिक्स पर कांग्रेस में मतभेद- चिदंबरम के सवाल, थरूर की जमकर तारीफ

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत में हो रहे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले, कांग्रेस के भीतर मुद्दे पर दो सीनियर नेताओं के अलग-अलग बयान सामने आए हैं, इन बयानों ने राजनीतिक गलियारों में नई बहस छेड़ दी है। पूर्व केंद्रीय मंत्री पी.चिदंबरम ने पूछा है कि इस समूह से भारत को क्या ठोस फायदा हुआ है, जबकि कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने ब्रिक्स आयोजन को भारत की कूटनीतिक ताकत और वैश्विक पहुंच का प्रमाण बताया है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री चिदंबरम ने अपनी टिप्पणी में कहा कि भारत ब्रिक्स के अलावा जी-20, क्वाड और शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) जैसे कई बहुपक्षीय संगठनों का हिस्सा है, लेकिन इन सभी मंचों से देश को वास्तव में क्या ठोस लाभ मिला है, इस पर विचार होना चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि 2012, 2016 और 2021 में भी ब्रिक्स समिट भारत में आयोजित किए जा चुके हैं। इसके विपरीत, कांग्रेस नेता शशि थरूर ने ब्रिक्स को ग्लोबल साउथ (विकासशील देशों का समूह) के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण मंच बताया। उन्होंने कहा कि 11 सदस्य देशों के प्रमुख नेताओं को एक मंच पर लाना भारत की वैश्विक कूटनीति और दूसरे देशों को साथ लाने की क्षमता को दिखाता है। कांग्रेस नेता थरूर ने बताया कि ब्रिक्स में भारत, रूस, चीन, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका के मूल सदस्य देशों के अलावा अब मिस्र, ईरान, इथियोपिया, यूएई, सऊदी अरब और इंडोनेशिया भी शामिल हैं, जो दुनिया की बड़ी आबादी और लगभग 41 प्रतिशत वैश्विक जीडीपी का प्रतिनिधित्व करते हैं, इसलिए इस समूह को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हालांकि, थरूर ने ब्रिक्स के सामने कुछ चुनौतियां भी गिनाईं, जैसे सदस्य देशों के हितों में मतभेद और ईरान-इजराइल व रूस-यूक्रेन जैसे मुद्दों पर आम सहमति का अभाव, जिसके कारण मई में हुई विदेश मंत्रियों की बैठक में साझा बयान जारी नहीं हो सका था। उन्होंने भारत के ब्रिक्स देशों के साथ बढ़ते व्यापार घाटे को भी चिंता का विषय बताया।

आगामी 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आयोजन 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में होना है। इसमें सभी 11 सदस्य देशों के शीर्ष नेता, जिसमें रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के शी जिनपिंग शामिल हैं। सम्मेलन में वैश्विक अर्थव्यवस्था, व्यापार, टेक्नोलॉजी और ऊर्जा जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। इस साल ब्रिक्स की अध्यक्षता भारत कर रहा है और उसका फोकस ग्लोबल साउथ की आवाज मजबूत करने, आर्थिक सहयोग और ऊर्जा सुरक्षा जैसे क्षेत्रों पर है, जिसका उद्देश्य ब्रिक्स को एक व्यापक व्यापार, निवेश और विकास मंच के रूप में बढ़ावा देना है।

कांग्रेस पार्टी के इन विरोधाभासी बयानों पर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने तुरंत निशाना साधा। बीजेपी प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि थरूर का ब्रिक्स समिट को भारत के लिए बड़ी प्रतिष्ठा बताना कांग्रेस के भीतर की अलग-अलग राय को उजागर करता है, जिससे पार्टी में अंदरूनी मतभेद साफ दिखाते हैं।

पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार में भूकंप के झटके, सुबह-सुबह कांपी धरती

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में शुक्रवार सुबह-सुबह धरती कांपी। अलीपुरद्वार में सुबह 6 बजकर 56 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे लोगों की नींद उड़ गई। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी (एनएससी) के मुताबिक, रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 3.0 मापी गई। इसकी गहराई जमीन के अंदर करीब 9 किलोमीटर थी। भूकंप के झटके महसूस होने के बाद लोगों में हलचल मच गई, हालांकि अभी तक किसी तरह के जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है।

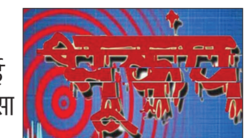

अलीपुरद्वार में आया भूकंप शुक्रवार को भारत में दर्ज हुई भूकंपीय गतिविधियों का हिस्सा था। इससे पहले भी देश के अलग-अलग हिस्सों में धरती हिली। एनएससी के आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार रात 12 बजकर 27 मिनट पर लेह-लद्दाख में 3.7 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसकी गहराई करीब 12 किलोमीटर थी। इसके बाद असम में भी भूकंप दर्ज किया गया, शुक्रवार रात 1 बजकर 20 मिनट के आसपास दिमा हसाओ इलाके में 3.1 तीव्रता का भूकंप आया, जिसकी गहराई करीब 39 किलोमीटर थी। यानी शुक्रवार की सुबह तक भारत में कम तीव्रता वाले कई भूकंप दर्ज किए जा चुके थे, जिनमें सबसे ज्यादा तीव्रता 3.7 की लेह-लद्दाख में थी। भारत के बाहर के इलाकों में भी शुक्रवार को भूकंप दर्ज हुए। एनएससी के अनुसार, सुबह 4 बजकर 2 मिनट के आसपास तिब्बत में 3.7 तीव्रता का भूकंप आया, जिसकी गहराई करीब 30 किलोमीटर थी। इसके कुछ समय बाद सुबह 4 बजकर 20 मिनट पर अफगानिस्तान में 3.5 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया, जिसकी गहराई 163 किलोमीटर थी।

सायोनी ने भाजपा छोड़ी, टीएमसी के बागी सांसदों को झटका

-बंगाल निकाय चुनाव भाजपा अकेले लड़ेगी

कोलकाता, एजेंसी।
पश्चिम बंगाल में नगर निकाय चुनाव होने वाले हैं और भारतीय जनता पार्टी ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के बागी सांसदों को बड़ा झटका दिया है। भाजपा ने इन चुनावों में बगैर किसी गठबंधन के अकेले उतरने का फैसला किया है, जिससे टीएमसी से अलग होकर नेशनल सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में विलय कर चुके बागियों की उम्मीदों पर पानी फिर गया है। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि आने वाले दिनों में कोलकाता नगर निगम (केएमसी) और हावड़ा नगर निगम के चुनाव हो सकते हैं। तृणमूल कांग्रेस से अलग होकर एनसीपीआई में शामिल होने वाले बागी सांसदों में सायोनी घोष, काकोली घोष दस्तीदार, यूसुफ पठान और सुदीप बंदोपाध्याय समेत कई बड़े नाम शामिल थे। इन नेताओं को उम्मीद थी कि वे आगामी स्थानीय चुनावों में भाजपा के साथ गठबंधन कर मैदान में उतरेंगे। हालांकि, भाजपा के बंगाल अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने इस उम्मीद को तोड़ते हुए कहा, पश्चिम बंगाल में भाजपा का कोई भी गठबंधन साथी नहीं है। हम कोलकाता और हावड़ा नगर निकाय चुनाव अपनी दम पर लड़ेंगे और जीतेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि दिल्ली में एनसीपीआई के साथ भले ही कोई व्यवस्था हो, लेकिन बंगाल और दिल्ली की राजनीतिक स्थिति अलग है। एक भाजपा नेता ने कहा कि पार्टी पहले अपने ही संगठन, नेताओं और कार्यकर्ताओं पर निर्भर

रहना चाहती है, क्योंकि राज्य में सत्ता में आने के बाद यह उनका पहला चुनाव है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि राष्ट्रीय और स्थानीय राजनीति में अंतर होता है, एनसीपीआई के नेता भले ही एनडीए का साथी हों, लेकिन वे पूर्व टीएमसी नेता हैं जिनके खिलाफ भाजपा कार्यकर्ताओं ने संघर्ष किया है, ऐसे में गठबंधन से गलत संदेश जाएगा। इसके बावजूद, बागी सांसद दस्तीदार अभी भी उम्मीद लगाए बैठे हैं। उनका कहना है कि वे भाजपा की अगुवाई वाले एनडीए में सबसे बड़े गठबंधन साथी हैं और निकाय चुनाव गठबंधन के साथी के तौर पर ही लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि गठबंधन होने के पूरे आसार हैं। दस्तीदार समेत अधिकांश एनसीपीआई सांसद हाल ही में राजधानी दिल्ली में हुई नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस की बैठक में पहुंचे थे।

सीजेपी का प्लान: अभिजीत दीपके बोले- हमें चुनावों से आगे जाना है

नई दिल्ली, एजेंसी।
कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के लीडर अभिजीत दीपके ने ऐलान किया है कि उनकी पार्टी का मकसद केवल चुनाव लड़ना नहीं, बल्कि उससे आगे बढ़कर समाज में एक बड़ा बदलाव लाना है। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने अमेरिका से भारत लौटने, कॉकरोच आंदोलन और सीजेपी के भविष्य को लेकर अपनी योजनाएं साझा कीं। दीपके ने कहा कि अब जब वे मैदान में उतर गए हैं, तो आंदोलन को जिंदा रखने की हरसंभव कोशिश कर रहे हैं। गौरतलब है कि बीते मई महीने में देश के मुख्य न्यायाधीश की एक टिप्पणी के बाद 30 वर्षीय अभिजीत दीपके ने सोशल मीडिया पर कॉकरोच जनता पार्टी की स्थापना की थी। उन्होंने सोशल मीडिया पर तंज के रूप में यह मुहिम शुरू की थी, लेकिन देखते ही देखते इस आंदोलन से लाखों लोग जुड़ गए और दीपके काफी प्रसिद्ध भी हो गए। बाद में अमेरिका से भारत लौटकर अभिजीत दीपके और उनकी पार्टी ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक के खिलाफ हुए प्रदर्शनों की अगुवाई की थी।

अभिजीत दीपके ने बताया कि उन्हें सरकार की एक बात बहुत खटक गई थी। उन्होंने हालिया इंटरव्यू में कहा कि सरकार की तरफ से देश के लिए खतरा और एंटी नेशनल जैसे टैग मिलने से वे बेहद दुखी थे। हालांकि उनके परिवार और वकील ने उन्हें भारत न जाने की सलाह दी थी, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने अमेरिका से भारत लौटने का फैसला किया। दीपके ने कहा, जब मेरी अपनी ही सरकार ने मुझे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया, तभी मैंने भारत लौटने का फैसला किया। इस बात ने मुझे बहुत दुख पहुंचाया। मैंने तय किया कि मुझे अपने देश वापस जाना चाहिए ताकि मैं यह साबित कर सकूं कि मैं देश की सुरक्षा के लिए कोई खतरा नहीं हूं। मैं अपने देश से प्यार करता हूं, बस उस तरीके से नहीं, जिस तरीके से सरकार चाहती है। कॉकरोच जनता पार्टी ने पेपर लीक आंदोलन की सफलता के बाद अब स्कूल ठीक करो अभियान शुरू किया है। इस अभियान के तहत सीजेपी के नेता भारत के सरकारी स्कूलों की बदहाली के मुद्दों को प्रमुखता से उठा रहे हैं। अपनी आगे की योजना पूछे जाने पर अभिजीत दीपके ने स्पष्ट किया कि वे इस आंदोलन को किसी पार्टी या चुनावी राजनीति तक सीमित नहीं रखना चाहते। अभिजीत दीपके ने कहा, ÷लोगों ने राजनीति को

सिर्फ चुनाव और राजनीतिक दलों तक सीमित कर दिया है। हम उससे आगे बढ़ना चाहते हैं।÷ उन्होंने आगे कहा कि उनका मकसद एक बड़ा बदलाव लाना है, जहां लोग अपने अधिकार और अपने कर्तव्य समझें, और यह भी जानें कि सत्ता में कोई भी पार्टी आए, उससे जवाबदेही कैसे तय कराई जाए।

तेलंगाना में शुद्धीकरण विवाद : दलित प्रदर्शन के बाद छिड़का हल्दी-दूध

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना की सियासत में एक नया और गंभीर विवाद खड़ा हो गया है, जिसने राज्य में दलितों के कथित अपमान को लेकर पहले से गरमाए राजनीतिक माहौल को और तूल दे दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) के एर्रावेली स्थित फार्महाउस के पास कांग्रेस के दलित कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन के बाद, कथित तौर पर हल्दी वाला पानी और दूध छिड़ककर शुद्धीकरण करने का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद, पुलिस ने तेलंगाना राष्ट्र समिति (बीआरएस) के समर्थकों के खिलाफ सिद्दिपेट जिले के एर्रावेली और वरदराजपुर गांवों में तीन अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। मामले की शुरुआत तेलंगाना विधानसभा स्पीकर जी प्रसाद कुमार को लेकर बीआरएस के दो एमएलसी द्वारा की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी से हुई थी। इसके विरोध में कांग्रेस के दलित नेताओं और कार्यकर्ताओं ने केसीआर के फार्महाउस की ओर मार्च किया और डप्पू बजाकर अपना विरोध दर्ज कराया। पुलिस के मुताबिक, प्रदर्शनकारियों के चले जाने के बाद कुछ बीआरएस समर्थकों ने सड़कों पर कथित तौर पर हल्दी वाले पानी और दूध का छिड़काव किया। इस कथित शुद्धीकरण को लेकर दायर तीन प्राथमिकी में स्थानीय बीआरएस नेताओं और समर्थकों को आरोपी बनाया गया है। एर्रावेली में बीआरएस नेता बालराजू समेत 10 अन्य लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज हुई, जबकि वरदराजपुर में बीआरएस समर्थक बालामणि, अप्पाला प्रवीण और राजू समेत छह अन्य पर मामला दर्ज किया गया। एक अन्य शिकायत में पावनी गौड़ और आठ अन्य को आरोपी बनाया गया है। इन मामलों में एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम-1989, सिविल राइट्स प्रोटेक्शन एक्ट और भारतीय न्याय संहिता की धारा 196 (समूहों के बीच दुश्मनी बढ़ाना) और 352 (जानबूझकर अपमान कर शांति भंग कराने का इरादा) के तहत कार्रवाई की गई है। बीआरएस ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए पलटवार किया है। पार्टी ने पुलिस में जवाबी शिकायत दर्ज कराई है और दावा किया है कि कांग्रेस द्वारा शुद्धीकरण का आरोप लगाने के लिए इस्तेमाल की गई तस्वीरें भ्रामक हैं और कथित तौर पर एआइ-जेनरेटेड हैं।

जनगणना 2027 का रोडमैप तैयार: 16 नवंबर से ऑनलाइन स्व-गणना

1 दिसंबर से घर-घर पहुंचेगी टीम

नई दिल्ली, एजेंसी।
जनगणना-2027 की तैयारियां तेजी से चल रही हैं, जिसमें इस बार नागरिकों को अपना ब्योरा स्व-गणना के माध्यम से ऑनलाइन दर्ज करने की सुविधा मिलेगी। यह सुविधा 16 से 30 नवंबर तक उपलब्ध रहेगी। जो परिवार स्व-गणना करेंगे, उन्हें एक पहचान संख्या मिलेगी, जिसे प्रगणक को बताना होगा। 1 दिसंबर 2026 से 4 जनवरी 2027 तक प्रगणक घर-घर जाकर जानकारी दर्ज करेंगे। जनगणना के दौरान जाति और राष्ट्रीयता से जुड़ी जानकारी व्यक्ति की ओर से दी गई सूचना के आधार पर दर्ज की जाएगी। इसके लिए किसी नागरिक से प्रमाणपत्र या अन्य दस्तावेज नहीं मांगा जाएगा। जनगणना के दूसरे चरण में प्रत्येक परिवार से निर्धारित 40 सवाल पूछकर जानकारी दर्ज की जाएगी। घर-घर जनगणना प्रक्रिया के बाद, 5 से 9 जनवरी 2027 तक पुनरीक्षण कार्य होगा। जनगणना की संदर्भ तिथि 5 जनवरी 2027 की मध्यरात्रि निर्धारित की गई है। औरैया में जिलाधिकारी बृजेश कुमार की अध्यक्षता में हुई जिला स्तरीय जनगणना समन्वय समिति की बैठक में तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक में संबंधित विभागों को समय से सभी व्यवस्थाएं पूरी करने के निर्देश दिए गए। जिले में जनगणना के लिए 50 फील्ड ट्रेनर चिन्हित किए गए हैं, जिन्हें अक्टूबर में मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षित करेंगे। ये फील्ड ट्रेनर 20 नवंबर से पहले प्रगणकों और सुपरवाइजरों को जनगणना प्रक्रिया समझाएंगे। लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए स्कूलों, कॉलेजों और ग्रामीण-शहरी इलाकों में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इसमें पेंटिंग, रंगोली, भाषण, निबंध, प्रश्नोत्तरी और प्रभात फेरी जैसी गतिविधियां शामिल होंगी। ग्रामीण और शहरी इलाकों में वॉल पेंटिंग, बैनर-पोस्टर, होर्डिंग, कूड़ा संग्रहण वाहनों और सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली के जरिए भी लोगों को जागरूक किया जाएगा। जिलाधिकारी ने छोटे जागरूकता वीडियो और डिजिटल प्रचार सामग्री तैयार कर सोशल मीडिया के जरिए लोगों तक पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने जोर दिया कि जनगणना से जुटाए जाने वाले आंकड़े भविष्य की विकास योजनाओं, संसाधनों के वितरण और नीति निर्माण का आधार बनते हैं। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ तैयारियां समय से पूरी करने को कहा।

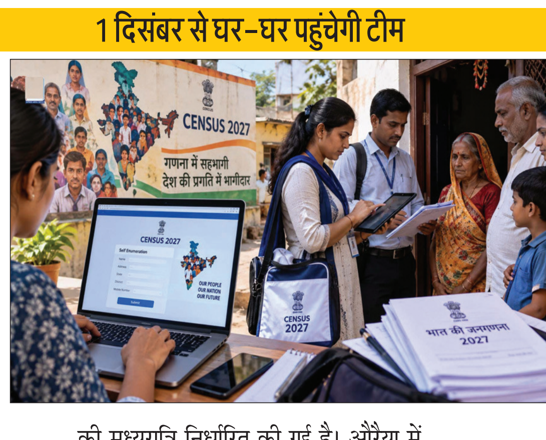

राघव चड्ढा ने आप को बताया दिलजला आशिक वोटर लिस्ट विवाद पर तीखी बयानबाजी

चंडीगढ़, एजेंसी।
पंजाब में वोटर लिस्ट में नाम कटने और दिल्ली की वोटर लिस्ट में जुड़ने के बाद भाजपा सांसद राघव चड्ढा और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। आप की ओर से बेशर्मी का आरोप लगाने के बाद राघव चड्ढा ने पलटवार करते हुए आप को दिलजला आशिक करार दिया है। चड्ढा ने कहा कि जहां तक उनके वोट का सवाल है, आम आदमी पार्टी की ऐसी हालत हो गई है कि उन्हें रात को सपने में मैं भूत बनकर आता हूं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि आप की हालत उस एक्स गर्लफ्रेंड जैसी है जिसे उसका बॉयफ्रेंड छोड़कर आगे निकल गया हो और अपनी जिंदगी में मूव ऑन कर गया हो। चड्ढा ने आगे कहा, मुझे ऐसा लगता है कि किसी दिन दिल जले आशिक की तरह मेरी याद में अपनी नसें ना काट लें। मुझे उनकी बड़ी चिंता रहती है।

इससे पहले, राघव चड्ढा ने पंजाब की आप सरकार पर राजनीतिक विद्वेष के कारण वोटर लिस्ट में उनका नाम शिफ्टेड कैटेगरी में डालने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि उनके पार्टी छोड़ने के बाद से आप उन्हें लगातार निशाना बना रही है और ऐसा लगता है कि वह अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी को परेशान कर रहे हैं। इस पर आम आदमी पार्टी ने राघव चड्ढा का नाम दिल्ली की वोटर लिस्ट में असामान्य तरीके से जुड़ने पर चुनाव आयोग की प्रक्रिया पर सवाल उठाए। आप की दिल्ली इकाई के प्रमुख सौरभ भारद्वाज ने दावा किया कि 31 अगस्त को जारी ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में राजिंदर नगर के संबंधित पोलिंग पार्ट में 746 मतदाता थे, लेकिन बाद में राघव चड्ढा का नाम 747वें मतदाता के तौर पर जुड़ गया। भारद्वाज ने सवाल उठाया कि जब ड्राफ्ट सूची में 746 नाम थे तो उसके बाद 747वां नाम किस प्रक्रिया के तहत जोड़ा गया, और चुनाव आयोग से इस पूरी प्रक्रिया को स्पष्ट करने की मांग की।

आप के प्रवक्ता अनुराग ढांडा ने भी चड्ढा पर हमला बोलते हुए कहा कि चुनाव आयोग के रिकॉर्ड के मुताबिक 26 अगस्त को राघव चड्ढा ने दिल्ली में वोट बनवाने के लिए फॉर्म 6 दाखिल किया और 2 सितंबर को उनका वोट अप्रूव होकर जुड़ गया। ढांडा ने कहा कि 26 अगस्त को दिल्ली में वोट के लिए आवेदन करने और 3 सितंबर को पंजाब सरकार पर वोट कटवाने का आरोप लगाने से राघव चड्ढा और बीजेपी का बेशर्म चेहरा बेनकाब हो गया है।

पीके का पलटवार: बिहार को सम्राट जैसे नेताओं के हाथ में नहीं छोड़ सकता

पटना, एजेंसी।
जन सुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के उन्हें बेचारा कहने वाले बयान पर तीखा पलटवार किया है। प्रशांत किशोर ने कहा है कि वह सम्राट चौधरी जैसे नेताओं के हाथ में बिहार को नहीं छोड़ सकते, इसलिए बिहार को बदलने के उनके संकल्प के सामने कोई चारा नहीं है और बेचारा कहलाने में उन्हें कोई दिक्कत नहीं है। मुख्यमंत्री ने कुछ समय पहले एक साक्षात्कार में प्रशांत किशोर को बेचारा कहा था।

एमएलसी चुनाव की तैयारी के लिए जन सुराज की बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा, हम तो बेचारे हैं ही, क्योंकि बिहार को छोड़कर जाने का कोई चारा हमारे पास नहीं है। मुख्यमंत्री ने ठीक ही कहा है। उन्हें किसी ने बेचारा शब्द का शाब्दिक अर्थ नहीं समझाया है। जिसके पास कोई चारा नहीं होता, वही बेचारा कहलाता है। बिहार को सुधारने के संकल्प के अलावा कोई चारा नहीं है। हम सम्राट चौधरी जैसे लोगों के हाथ में बिहार को छोड़कर जा नहीं सकते। इस नजरिए से हम तो बेचारे है हीं। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अपने साक्षात्कार में प्रशांत किशोर पर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा था, वह जो बोल रहे हैं, बोलने दीजिए। बेचारा है, जो करना है करने दीजिए। हम बिहार के लिए काम करने आए हैं। मेरे खिलाफ कुछ है तो कोर्ट में जाएं, कोर्ट तय कर देगा। मेरे खिलाफ लोग सुप्रीम कोर्ट तक लड़ते रहते हैं। मैं व्यक्तिगत राजनीति में विश्वास नहीं रखता। प्रशांत किशोर ने बिहार में बाढ़ की भीषण समस्या के लिए भी राज्य की सरकारों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि पिछले बीस सालों से एनडीए की सरकार होने के बावजूद हर साल बाढ़ से लाखों लोग तबाह होते हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि सत्ता में बैठे नेताओं और पदाधिकारियों के लिए बाढ़ कमाई का जरिया बनकर रह गई है। यहां बाढ़ से राहत दिलाने की हर योजना में गड़बड़ी की जाती है, चाहे वह बांध बनाने में चोरी हो, बांध टूटने पर उसकी मरम्मत में चोरी हो या बाढ़ फैलने पर राहत कार्य में चोरी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार में बैठे लोग नहीं चाहते कि राज्य में बाढ़ की समस्या खत्म हो। इसका उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि जल संसाधन विभाग को जनता दल (यूनाइटेड) ने कभी नहीं छोड़ा और यह

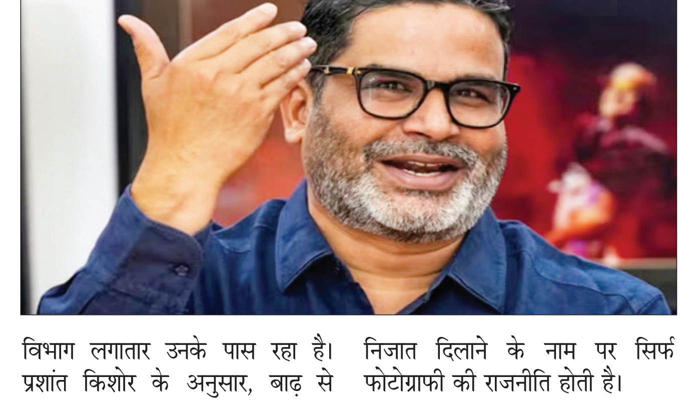

विभाग लगातार उनके पास रहा है। प्रशांत किशोर के अनुसार, बाढ़ से निजात दिलाने के नाम पर सिर्फ फोटोग्राफी की राजनीति होती है।

दिल्ली में 13-20 सितंबर तक 30वां विश्व आध्यात्मिक सम्मेलन संत राजिन्दर सिंह जी महाराज का 80वां जन्मदिन मनाया जाएगा

नई दिल्ली, 11 सितंबर, 2026 सावन कृपाल रूहानी मिशन के प्रमुख संत राजिन्दर सिंह जी महाराज के मार्गदर्शन और उनकी दिव्य उपस्थिति में दिल्ली में 13 से 20 सितंबर, 2026 तक 30वां विश्व आध्यात्मिक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस साल यह सम्मेलन खास महत्व रखता है क्योंकि इस अवसर पर संत राजिन्दर सिंह जी महाराज का 80वां जन्मोत्सव भी मनाया जाएगा, जो उनके दिव्य-प्रेम, करुणा, आध्यात्मिकता और मानव एकता के संदेश के आठ दशकों का प्रतीक है। यह वार्षिक सम्मेलन दुनिया भर के आध्यात्मिक नेताओं, गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिनिधियों को एक साथ बैठने का मौका देता है - जिनमें अमेरिका, जर्मनी, स्विट्जरलैंड, कनाडा और पूरे भारत के लोग शामिल हैं - ताकि वे इस बात पर आपस में अपने विचार साझा कर सकें कि आध्यात्मिकता और ध्यान-अभ्यास समाज में आंतरिक शांति, करुणा और सद्भाव की भावना जगाने में कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह सम्मेलन विभिन्न आध्यात्मिक नेताओं को मानव एकता पर विचार करने और प्रेम और करुणा का संदेश साझा करने के लिए एक साझा मंच प्रदान करती है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता अन्य विशिष्ट अतिथियों के साथ इस अवसर की शोभा ब?एंगी। आठ दिनों के इस कार्यक्रम में कृपाल बाग (13-18 सितंबर) और दिल्ली के बुरा?ी में स्थित संत दर्शन सिंह जी धाम (19-20 सितंबर) में आध्यात्मिक प्रवचन, ध्यान-अभ्यास की कार्यशालाएं और अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किये जाएंगे। 30वें विश्व आध्यात्मिक सम्मेलन की शुरुआत संत राजिन्दर सिंह जी महाराज के सत्संग प्रवचन से होगी, जिसके बाद एक आध्यात्मिक मुशायरा आयोजित किया जाएगा। 14 सितंबर को, संत दर्शन सिंह जी महाराज के 105वें जन्मोत्सव के अवसर पर, महान सू?-संत शायर के सम्मान में 'दर्शन-अनंत प्रेम और करुणा के सागर' विषय पर एक सेमिनार आयोजित की जाएगी। सम्मेलन में कई समाज-कल्याण के कार्यक्रम भी आयोजित किये जाएंगे। स्वास्थ्य की देखभाल और निष्काम सेवा कार्यों के जरिए समाज की सेवा करने की परंपरा को आगे ब?ाते हुए, 12 सितंबर को 68वां रक्तदान शिविर और उसके बाद 13 सितंबर को 43वां मुफ्त नेत्र जांच और मोतियाबिंद सर्जरी शिविर आयोजित किया जाएगा। संत राजिन्दर सिंह जी महाराज के 80वें जन्मदिन के खास समारोह के अवसर पर, 19 सितंबर को एक रूहानी कव्वाली का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। 20 सितंबर को सम्मेलन के समापन सत्र वाले दिन 23वां वस्त्र वितरण शिविर का आयोजन किया जाएगा और उसके बाद 30वें विश्व आध्यात्मिक सम्मेलन का समापन सत्र होगा, जिसमें इस खास मौके पर आध्यात्मिक और मानव-कल्याण के कार्यक्रमों को एक साथ अमल में लाया जाएगा। इस सम्मेलन ने पिछले कुछ सालों में भारत और दुनिया भर के लोगों को एक साथ आने और आध्यात्मिकता, ध्यान-अभ्यास और आंतरिक शांति की खोज पर विचार करने के लिए एक मंच प्रदान किया है। 30वां विश्व आध्यात्मिक सम्मेलन, संत राजिन्दर सिंह जी महाराज के 80वें जन्मदिवस के साथ, आध्यात्मिक जागृति, सेवा, करुणा और मानव एकता पर ध्यान केंद्रित करते हुए इस परंपरा को जारी रखेगा।

एक साथ उठीं छह अर्थियां, चीख-पुकार से गूंज उठा अल्लापुर चमारी गांव, बागपत हादसे में गई थी जान

बदायूं। बदायूं के उझानी क्षेत्र में मंगलवार सुबह अल्लापुर चमारी गांव का माहौल बेहद गमगीन रहा। बागपत हादसे में जान गंवाने वाले गांव के सात में से छह लोगों की अर्थियां एक साथ उठीं तो चीख-पुकार मच गई। अपनों को खोने के गम में परिजन बिलख पड़े। महिलाओं के करुण क्रंदन से माहौल और भी मार्मिक हो गया। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए और नम आंखों से अपनों को विदाई दी। जनप्रतिनिधियों और डीएम-एसएसपी ने गांव में पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की। राजस्थान के गोगामेड़ी बागड़ धाम से वापस बदायूं आ रहे श्रद्धालुओं से भरी पिकअप ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर बड़ागांव के पास रविवार रात कैंटर की साइड लगने से अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर पलट गई थी। हादसे में एक बच्ची, किशोर समेत 13 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी, जबकि 23 घायल हुए। मृतकों में साधु यादव उर्फ जय सिंह, मुन्नी यादव, मूर्ति देवी, प्रेम सिंह यादव, भगवती यादव, रामेश्वर यादव और अवनेश उझानी क्षेत्र के अल्लापुर चमारी गांव के रहने वाले थे। इनमें छह लोगों के शव सोमवार को गांव पहुंच गए थे। जबकि गांव के अवनेश का शव मंगलवार शाम तक गांव पहुंचने की उम्मीद जताई गई। छह लोगों के शव पहुंचते ही अल्लापुर चमारी गांव में मातम पसर गया। मंगलवार सुबह अंतिम संस्कार की तैयारी शुरू हुई तो बड़ी संख्या में ग्रामीण पीड़ित परिवारों के घर पहुंच गए। एक साथ छह अर्थियां उठने का दृश्य देखकर हर किसी की आंखें नम हो गईं। परिजन और ग्रामीण छहों शवों को अंतिम संस्कार के लिए कछला गंगा घाट ले गए। वहां सभी का अंतिम संस्कार किया गया। एक साथ छह चिताएं जलीं तो हर कोई रो पड़ा। मृतकों के परिजनों के आंसू नहीं थम रहे थे। अंतिम संस्कार के बाद अल्लापुर चमारी गांव में मातम पसरा रहा। मंगलवार को जनप्रतिनिधि, प्रशासन के अधिकारी भी पीड़ित परिवारों का हाल जानने गांव पहुंचे। डीएम और एसएसपी ने परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढाढ़स बंधाया। अधिकारियों ने परिवारों को हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। गांव में मौजूद लोगों से भी बातचीत की और स्थिति की जानकारी ली।

मुख्य सचिव के.ए.पी. सिन्हा ने राज्य स्तरीय जनगणना समन्वय कमेटी की बैठक में तैयारियों की समीक्षा की

प्रथम पृष्ठ का शेष

साथ ही पहले चरण के कार्य के उपयोगिता प्रमाण-पत्र जल्द से जल्द भारत के रजिस्ट्रार जनरल एवं जनगणना आयुक्त को प्रस्तुत किए जाएं। उन्होंने आगे निर्देश दिया कि जनसंख्या गणना के दूसरे चरण के लिए बजट की आवश्यकता का आकलन कर समय पर धनराशि जारी करने के लिए भारत के रजिस्ट्रार जनरल एवं जनगणना आयुक्त को भेजा जाए। इसके साथ ही स्व-गणना और जनगणना कार्य के संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए। चेयरमैन ने जोर देकर कहा कि एस.एल.सी.सी.सी. के सभी सदस्यों के बीच निकट अंतर-विभागीय समन्वय ही दूसरे चरण की सफलता की कुंजी है। उन्होंने सभी विभागों को जनगणना कार्य में पूर्ण सहयोग देने के निर्देश दिए। इससे पहले निदेशक, जनगणना संचालन, पंजाब-सह-कन्वीनर, एस.एल.सी.सी.सी. डॉ. नवजोत खोसा ने कमेटी को बताया कि राज्य में पहला चरण अर्थात मकानों का सूचीकरण एवं आवासीय जनगणना (एच.एल.ओ.) सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है। कन्वीनर ने आगे जानकारी दी कि भारत सरकार द्वारा अधिसूचना संख्या एस.ओ. 4919(ई), दिनांक 5 सितंबर, 2026 के माध्यम से दूसरे चरण के लिए समय-सारणी जारी कर दी गई है। अधिसूचना के अनुसार स्व-गणना 16 से 30 नवंबर, 2026 तक, जनसंख्या की गणना 1 दिसंबर, 2026 से 4 जनवरी, 2027 तक तथा संशोधन दौर (रिवीजन राउंड) 5 से 9 जनवरी, 2027 तक आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में संदर्भ तिथि 5 जनवरी, 2027 को रात्रि 12 बजे अर्थात 00:00 बजे होगी। चेयरमैन ने निर्देश दिया कि इस अधिसूचना को जल्द से जल्द राज्य के राजपत्र में पुन: प्रकाशित किया जाए। दूसरे चरण के लिए प्रशिक्षण योजना को भी मंजूरी दी गई। मास्टर ट्रेनरों का प्रशिक्षण 9 से 12 सितंबर, 2026 तक एन.आई.टी.टी.टी.आर., चंडीगढ़ में आयोजित किया जा रहा है। चार्ज अधिकारियों का प्रशिक्षण 15 से 18 सितंबर, 2026 तक निर्धारित किया गया है। जिला मुख्यालयों पर मास्टर ट्रेनरों द्वारा फील्ड ट्रेनरों का प्रशिक्षण 21 से 30 सितंबर, 2026 तक पूरा किया जाएगा, जबकि चार्ज स्तर पर इन्यूमरेटरों और सुपरवाइजरों का प्रशिक्षण 5 अक्टूबर से 10 नवंबर, 2026 तक आयोजित किया जाएगा। बैठक में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि जनगणना-2027 देश की पहली डिजिटल जनगणना होगी। यह बी.वाई.ओ.डी. मॉडल पर मोबाइल ऐप के माध्यम से तथा 16 भाषाओं में उपलब्ध स्व-गणना पोर्टल और सी.एम.एम.एस. पोर्टल के माध्यम से संचालित की जाएगी। पी.सी.ओज को जिला-वार स्व-गणना संबंधी योजनाएं तैयार करने के निर्देश दिए गए, ताकि अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। स्थानीय निकाय विभाग के सचिव-सह-नोडल अधिकारी श्री घनश्याम थोरी को यह भी निर्देश दिया गया कि वे सभी पी.सी.ओ ? को निर्देश दें कि चार्ज अधिकारियों के माध्यम से अक्टूबर 2026 के पहले सप्ताह तक डिस्ट्रिक्ट सेंसस हैंडबुक (डी.सी.एच.बी.), विलेज डायरेक्टरी और टाउन डायरेक्टरी से संबंधित आंकड़ों को समय पर पूरा करने तथा उनकी सही तरीके से पुष्टि सुनिश्चित करें। इस संबंध में अनुपालन रिपोर्ट भी प्रस्तुत की जाए। इस संबंध में पंजाब के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में 21 सितंबर, 2026 को मुख्य गणना अधिकारियों के साथ एक सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

आठ साल का रिश्ता एक रात में खत्म, पति ने पत्नी का गला काटकर की हत्या, इन वजहों से होता था आए दिन विवाद

आगरा। आगरा के खंदौली थाना क्षेत्र के पीलिपोखर गांव में सोमवार देर रात दहेज को लेकर एक महिला की हत्या का मामला सामने आया है। आरोप है कि पति ने पत्नी के सिर पर भारी वस्तु से प्रहार करने के बाद चाकू से उसका गला काट दिया। वारदात के बाद आरोपी पति फरार हो गया। मंगलवार सुबह पड़ोसियों को घटना की जानकारी हुई, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पीलिपोखर निवासी राजकुमार सिकरवार के बेटे विवेक अग्रवाल की शादी करीब आठ साल पहले एत्मादपुर के गांव चली निवासी विजेंद्र सिंह की बेटी किरण से हुई थी। परिजनों के अनुसार, शादी के बाद से ही दोनों के बीच दहेज को लेकर विवाद होता रहता था। आरोप है कि विवेक अक्सर शराब के नशे में किरण के साथ मारपीट करता था। मृतका के मायके वालों का कहना है कि किरण के पिता विजेंद्र सिंह ने कई बार विवेक के परिजनों और पुलिस से इसकी शिकायत की थी। दोनों परिवारों के बीच कई बार पंचायत भी हुई, लेकिन विवाद का समाधान नहीं हो सका। परिजनों के मुताबिक, विवेक करीब एक महीने से घर से बाहर था। सोमवार शाम को ही वह वापस घर लौटा था। आरोप है कि देर रात घर पहुंचने के बाद उसने किरण के सिर पर भारी वस्तु से प्रहार किया और चाकू से गला काटकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद वह रात में ही घर से फरार हो गया। सुबह किरण के घर से बाहर नहीं निकलने पर पड़ोसियों को शक हुआ। उन्होंने मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। फोरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड ने भी मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। सूचना पर एसीपी एत्मादपुर देवेश सिंह सर्किल फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास के लोगों से जानकारी जुटाई। मृतका के भाई ललित ने आरोप लगाया कि विवेक और उसके परिवार के लोग अक्सर किरण को दहेज के लिए परेशान करते थे। दहेज की मांग को लेकर कई बार पंचायत हुई, लेकिन विवेक मारपीट करता रहा। किरण के दो बेटे हैं। इनमें पांच वर्षीय लक्ष्य और तीन वर्षीय चुन्नू हैं। मां की हत्या के बाद दोनों मासूम बच्चों के सिर से मां का साया उठ गया। एसीपी एत्मादपुर देवेश सिंह ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी की तलाश की जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नदी किनारे मिले पर्चे पर लिखे थे ऐसे शब्द, रो पड़ा मजबूर पिता; तलाश में जुटे गोताखोर

एटा। एटा के थाना अलीगंज क्षेत्र के मोहल्ला छेदालाल गौड़ निवासी 30 वर्षीय गौरव गुप्ता उर्फ चंदन मंगलवार सुबह घर से निकला तो किसी ने नहीं सोचा था कि कुछ घंटे बाद उसके परिवार पर मुसीबत का पहाड़ टूट पड़ेगा। पिता से महज 100 रुपये लेकर घूमने की बात कहकर निकला गौरव दोबारा घर नहीं लौटा। घंटों इंतजार के बाद परिजनों ने जब उसकी तलाश शुरू की तो करीब 10 बजे मिली एक सूचना ने पूरे परिवार को हिलाकर रख दिया। ढाई घाट पुल के पास गौरव के कपड़े और एक पर्चा मिलने की जानकारी पुलिस ने परिजनों को दी। थाना अलीगंज के मोहल्ला छेदालाल गौड़ निवासी गौरव गुप्ता उर्फ चंदन पुत्र रमेश चंद्र गुप्ता मंगलवार सुबह करीब 4:30 बजे अपने पिता से 100 रुपये लेकर घर से बाहर घूमने की बात कहकर निकला था। इसके बाद वह वापस नहीं आया। पहले तो परिजनों ने सोचा कि वह किसी परिचित या मित्र के साथ गया होगा, लेकिन काफी समय बीतने के बाद भी जब उसका मोबाइल या कोई सूचना नहीं मिली तो परिवार के लोगों की चिंता बढ़ गई। परिजनों ने आसपास के लोगों, रिश्तेदारों और गौरव के मित्रों से संपर्क कर उसके बारे में जानकारी जुटाई, लेकिन कहीं से कोई सुराग नहीं मिला। इसी बीच करीब 10 बजे पुलिस की ओर से परिजनों को जानकारी दी गई कि फर्रुखाबाद के शमशाबाद क्षेत्र स्थित ढाई घाट पुल के पास युवक के कपड़े मिले हैं और उसके पुल से नदी में छलांग लगाने की आशंका है। पुलिस के मुताबिक मौके पर मिले पर्चे में लिखा था, पापा मुझे ढूंढना नहीं, मैं कूद गया हूं। पर्चे की जानकारी मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। परिजन आनन-फानन में ढाई घाट पहुंचे। वहां नदी की ओर टकटकी लगाए परिजन अपने बेटे के सुरक्षित मिलने की उम्मीद में चारों तरफ देखते रहे। पुलिस ने गोताखोरों और स्टीमर की मदद से नदी में युवक की तलाश शुरू कराई। काफी प्रयास के बावजूद समाचार लिखे जाने तक गौरव का कोई पता नहीं चल सका था। पुलिस लगातार नदी में उसकी तलाश करा रही है। इधर गौरव के लापता होने की सूचना के बाद से परिवार में मातम जैसा माहौल है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। हर गुजरते पल के साथ उनकी बेचैनी बढ़ती जा रही है

मकान में चल रहे जुए के अड्डे पर मारा छापा, पांच जआरी रंगे हाथ गिरफ्तार

हाथरस। सहपऊ कोतवाली पुलिस ने क्षेत्र के गांव बुढ़ाइच में बुधवार रात में एक मकान पर छापा मारकर पांच जुआरियों को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया जबकि मकान मालिक वहां से भागने में सफल हो गया । सीओ सादाबाद जेएन अस्थाना ने बताया कि बुधवार रात को सहपऊ पुलिस को मुखबिर के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम बुढ़ाइच में करुआ के मकान के अंदर कुछ व्यक्तियों द्वारा बड़ी धनराशि की हार-जीत की बाजी लगाकर जुआ खेला जा रहा है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए थाना पुलिस द्वारा तत्काल योजनाबद्ध तरीके से उक्त स्थान पर छापेमारी की । पुलिस टीम को देखकर मौके पर मौजूद जुआरियों द्वारा भागने का प्रयास किया गया, परंतु पुलिस टीम द्वारा आवश्यक घेराबंदी करते हुए 05 अभियुक्तों को जुआ खेलते समय गिरफ्तार कर लिया गया। इनमें घर का मालिक भागने में सफल हो गया । तलाशी एवं मौके की जांच के दौरान अभियुक्तों के कब्जे तथा जुए के फड़ से कुल 5,50,100 रु0 नकद, 05 मोबाइल फोन, 52 ताश के पत्ते एवं 02 हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद हुई हैं। गिरफ्तार आरोपी आगरा एवं एटा जनपद के रहने वाले हैं । पूछताछ ने उन्होंने अपने नाम लोकेन्द्र सिंह निवासी आंवलखेड़ा, जन्मभूमि के पास,राजू ठाकुर निवासी ग्राम चौकड़ा, थाना बरहन, सन्तोष कुमार बघेल निवासी नाई की सराय, टेढ़ी बगिया, थाना खन्दौली, जनपद आगरा,अभयपाल निवासी ग्राम करथनी, एवं लोकेन्द्र कुमार निवासी ग्राम वीरहार, थाना सकरौली, जनपद एटा बताया जबकि मकान मालिक करुआ भागने में सफल हो गया । इनमें से राजू , लोकेन्द्र के थाना बहरन में तथा अभयपाल थाना सकरौली जुआ खेलने के मुकदमें दर्ज हैं । इसके साथ ही कोतवाली पुलिस ने बुधवार देर शाम अजय, शिशुपाल , मुनेश एवं हरिओम निवासी मकनपुर को जुआ खेलते गिरफ्तार किया था ।

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री रविंदर टोकस एवं श्रीमती आस्था टोकस फ्लैट संख्या A-306, तृतीय तल, जो शक्ति को-ऑपरेटिव ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड के ले-आउट प्लान में स्थित है, प्लॉट संख्या 18, सेक्टर-5, द्वारका, नई दिल्ली-110075 के स्वामी हैं, प्रारंभ में, उक्त संपत्ति श्री V.J. सिंह द्वारा दिनांक 13.03.2001 के आवंटन/कब्जा प्रमाण-पत्र के माध्यम से अधिग्रहित की गई थी। तत्पश्चात, श्री V.J. सिंह द्वारा दिनांक 16.07.2001 को पंजीकृत सामान्य मुख्तारनामा (General Power of Attorney), विक्रय अनुबंध (Agreement to Sell) एवं वसीयतनामा (Will) श्रीमती सुनीति तलवार के पक्ष में निष्पादित किए गए, इसके पश्चात, भारत के राष्ट्रपति द्वारा दिल्ली विकास प्राधिकरण के माध्यम से दिनांक 22.04.2003 को श्रीमती सुनीति तलवार के पक्ष में हस्तांतरण विलेख (Conveyance Deed) निष्पादित किया गया, जो दस्तावेज संख्या 397, बही संख्या I, जिल्द संख्या 919, पृष्ठ संख्या 100-101 पर दिनांक 22.04.2003 को पंजीकृत हुआ, दुर्भाग्यवश, श्रीमती सुनीति तलवार का दिनांक 09.09.2012 को बिना वसीयत (Intestate) के निधन हो गया तथा उनके पीछे उनके वैधानिक उत्तराधिकारी के रूप में श्री रोहित तलवार (पुत्र), श्रीमती श्रुति तलवार खन्ना (पुत्री) एवं श्री रमेश तलवार (पति) रह गए, तत्पश्चात, दिनांक 14.01.2026 को श्री रोहित तलवार द्वारा श्रीमती श्रुति तलवार खन्ना के पक्ष में विशेष मुख्तारनामा (Special Power of Attorney) निष्पादित किया गया, इसके बाद, दिनांक 16.02.2026 को श्री रोहित तलवार, अपने विशेष मुख्तार श्रीमती श्रुति तलवार खन्ना के माध्यम से, तथा श्रीमती श्रुति तलवार खन्ना द्वारा श्री रमेश तलवार के पक्ष में त्यागपत्र विलेख (Relinquishment Deed) निष्पादित किया गया, जो दस्तावेज संख्या 2026/16/1/2592, बही संख्या I, जिल्द संख्या 16263, पृष्ठ संख्या 01-10 पर दिनांक 20.02.2026 को पंजीकृत हुआ, उक्त त्यागपत्र विलेख के परिणामस्वरूप, श्री रमेश तलवार ने उक्त संपत्ति पर वैध स्वामित्व अधिकार प्राप्त कर लिया है तथा वर्तमान में उक्त संपत्ति पर उनका शांतिपूर्ण भौतिक कब्जा है, मेरे द्वारा परीक्षण हेतु प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों तथा मुझे प्रदान की गई जानकारी के आधार पर, उक्त संपत्ति सभी प्रकार के भार, ग्रहणाधिकार, प्रभार, बंधक, कुर्की, अधिग्रहण, मुकदमेबाजी एवं तृतीय पक्ष के दावों से मुक्त प्रतीत होती है, उक्त संपत्ति की प्रस्तावित खरीद हेतु वित्तीय सहायता RBL Bank Limited, Building No. v, First Floor, Modi Mill Compound, Okhla Industrial Estate, New Delhi द्वारा प्रदान की जानी है। यदि किसी व्यक्ति/व्यक्तियों को उक्त संपत्ति के संबंध में किसी प्रकार की आपत्ति, दावा, अधिकार, हित या अन्य कोई शिकायत हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत कर सकता/सकती है। उक्त आपत्ति अधोहस्ताक्षरी को नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से तथा ई-मेल द्वारा भेजी जा सकती है, ह्यस्रह्यनिर्धारित अवधि के भीतर कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर, उक्त संपत्ति के संबंध में उपर्युक्त किसी भी दावे/आपत्ति को निरस्त एवं शून्य माना जाएगा तथा उसके पश्चात किसी भी व्यक्ति द्वारा किए गए दावे के संबंध में प्रस्तावित लेन-देन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE

I, ANNAPURNA SETHY mother of No-14857148P, Rank-NK/MT, Name-BRAMHANANDA SETHY residing at VILL-BARI, PO-BARI KALAMATIA, TEHSIL-BARI, DIST-JAJPUR, ODISHA-755003, have changed my name from ANNAPURNA SETHY to KUNI SETHI for all future purposes vide Affidavit dated 11/09/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, UPAMA SAHU mother of JC-676664Y, Rank-NB SUB/MT, Name-PRASANT SAHU residing at VPO-MAHIDHARPUR, TEHSIL & DIST-ANGUL, ODISHA-759022, have changed my name from UPAMA SAHU to UPAMA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 11/09/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, No.-17024648N Rank-HAV Name-UPADHYAY SAGARKUMAR SANJAYKUMAR legal father of UPADHYAY DHYANA SAGARKUMAR residing at- 79, MARUTI NAGAR SOCIETY, BAMROLI ROAD, GODHRA, DIST-PANCHMAHAL, GUJARAT-389001, have changed my minor daughter's name from UPADHYAY DHYANA SAGARKUMAR to DHYANA SAGARKUMAR UPADHYAY for all future purposes vide affidavit dated 08/09/2026 Before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE

I hitherto known as MARY SCHOLASTICA TOPPO W/O CHAISTANAND TOPPO R/O D-26/B, JAWAHAR PARK, DEVLI RD KHANPUR, DELHI-110062 (Passport No.M0257903) have changed my name and shall hereafter be known as MARY TOPPO W/O CHRISTANAND TOPPO (UID NO.4791 3920 4359) and That I declare that MARY SCHOLASTICA TOPPO & MARY TOPPO both are the one and same person and my husband CHAISTANAND TOPPO & CHRISTANAND TOPPO are the one and same person.

NAME CHANGE

I, AYALA APPALANARASA mother of No-17035012M, Rank-HMT, Name-AVALA MANIKANTA residing at VILL-RAMANNAPALEM, PO-BAYYAVARAM, TEHSIL-KASIMKOTA, DISTT-VISAKHAPATNAM, ANDHRA PRADESH-531031 have changed my name from AYALA APPALANARASA to AVALA APPALANARASA for all future purposes vide Affidavit Dated 11/09/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, S ARUN KUMAR S/o S SUNDARARAJ R/o P-85/13, CHEERING ENCLAVE, DELHI CANTT-110010, declare that names of mine and my wife has been wrongly written as ARUN KUMAR & MAHALAKSHMI in my minor son's (A YUGESH KUMAR) 10th Marksheet. The actual names of mine and my wife are S ARUN KUMAR & V MAHALAKSHMI.

NAME CHANGE

I, ANANTH BANDHU father of No-14829787A Rank-NK/MT Name-TAPAS RAJAK Residing at VILL-CHHOTO SARENGA, PO-SARENGA, TEHSIL-KHATRA, DIST-BANKURA, WEST BENGAL-722150 have changed my name ANANTH BANDHU to ANANTH BANDU RAJAK for all future purposes vide Affidavit Dated 11/09/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, Peeyush R K resident of QTR No 19/45, Air Force Station Naraina,Brar Square, Delhi Cantt , PIN 110010 have changed my son's name from Devaansh P to Devansh Peeyush vide affidavit dated 11/09/2026 before Notary Public.

NAME CHANGE

I, ELIZABETH JOHN wife of JC-777373A, Rank-SUB, Name-ANU J PANICKER residing at HOUSE LOVE DALE, VILL-EZHUKONE PO-IRUMPANANGADU, TEHSIL-KOTTARAKARA, DISTT-KOLLAM, KERALA-691505, have changed my name from ELIZABETH JOHN to ELIZABATH JOHN for all future purposes vide Affidavit dated 11/09/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, SHASHANK YADAV PREM CHANDRA S/O PREM CHANDRA R/O H.NO-410,SECOND FLOOR,SECTOR-47, GURGAON, HARYANA-122001, HAVE CHANGED MY NAME SHASHANK YADAV FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, ARVIND KUMAR S/O OM PARKASH R/O HOUSE NO-341/9, SUBHASH NAGAR, NEAR SHEETLA HOSPITAL, GURGAON, HARYANA-122001,HAVE CHANGED MY NAME TO ARVIND MALWAL FOR ALL FUTURE PURPOSES.

PUBLIC NOTICE

Under the instructions of my clients Sh. Rajesh Kumar S/o Sh. Mohan Lal and Smt. Poonam W/o Sh. Rajesh Kumar, both R/o A-160, Resettlement Colony, Khyala, Tilak Nagar, West Delhi, Delhi-110018, it is hereby notified that my clients have disowned and debarred their son Sh. Paras Porwal, DOB: 30.04.1999, R/o H. No. 160, JJ Colony, A-Block, Khyala, Tilak Nagar, West Delhi, Delhi-110018, from their movable and immovable properties and assets due to his bad conduct, misconduct and misbehaviour towards his parents.My clients have severed all relations with him and shall not be responsible for any act, deed, transaction, liability or representation made by him in their name. Any person dealing with the said Paras Porwal shall do so at his/her own risk and responsibility.

VINAY SINGH, ADVOCATE
DELHI HIGH COURT
Lawyers Chamber Block,
Chamber No. 541, Dwarka Courts,
Delhi-110075.
M.8447730783

NAME CHANGE

I, Bhawna Batra wife of Manoj Batra D/o Ishwar dutt khanna R/o 1530, Outram lane, Delhi 110009 have changed my name from charu khanna to bhawna batra after my marriage for all future purposes Both Bhawna Batra and Charu Khanna is same and one person

NAME CHANGE

I, RICHA KHURANA, W/O LOVENEESH KHURANA, D/O RAVINDER HANS, R/O HOUSE NO - 536, SECTOR -8, FARIDABAD - 121006, HARYANA, HEREBY DECLARE THAT I HAVE CHANGED MY NAME TO RICHA HANS KHURANA FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE

I, SANDEEPA W/O SACHIN R/O B-28 UPPER GROUND FLOOR RAM DUTT, ENCLAVE UTTAM NAGAR, DWARKA, DELHI-110059 HAVE CHANGE MY NAME TO SANDEEPA RANI FOR ALL PURPOSES.

NAME CHANGE

I, VIJAYALAKSHMI SUNDARARAJULU W/o Rajenderan Chandrasekar R/o 178, Pocket-L, DDA Flats, Near G.D Goenka School, Sarita Vihar, Delhi-110076, have changed my name to M S VIJAYALAKSHMI permanently..

NAME CHANGE

I, CHANDRASEKAR RAJENDERAN S/o Rajendiran R/o 178, Pocket-L, DDA Flats, Near G.D Goenka School, Sarita Vihar, Delhi-110076, have changed my name to R CHANDRASEKAR permanently.

NAME CHANGE

I hitherto known as KHURSHID ALAM SIDDIQUI alias KHURSEED ALAM S/O MUNIR ALAM R/O B-4/170 , B4 Block , Yamuna Vihar, Yamuna Vihar, Garhi Mendu, PO: Bhajan pura, DIST: North East Delhi, Delhi - 110053 have changed my name and shall hereafter be known as KHURSHID ALAM SIDDIQUI.

NAME CHANGE

I, RUCHI KOKCHA W/o RISHI SHARMA R/o 421-A, POCKET-II, MAYUR VIHAR PHASE 1, PO:PATPARGANJ, DIST:EAST DELHI, DELHI-110091, have changed the name of my minor daughter VAGMI PRABHAKAR aged 14 years and she shall hereafter be known as VAGMI KOKCHA PRABHAKAR for all purposes.

NAME CHANGE

I SHABNAM SANA D/O MOHAMMAD IMRAN AHMAD R/O H. No-A32, SHERA MOHALLA GARHI, AMRIT PURI, South Delhi, Delhi-110065, do hereby solemnly affirm and declare that I have embraced HINDUISM and renounced ISLAM with effect from 27-07-2026. have changed my name and shall hereafter be known as SHAGUN.

NAME CHANGE

I KHUSHBOO SANA D/O MD IMRAN AHMED R/O H. No- A-32, Shera Mohalla, Garhi, Sriniwaspuri, PO-Sriniwaspuri, DIST:-South Delhi, Delhi - 110065, do hereby solemnly affirm and declare that I have embraced HINDUISM and renounced ISLAM with effect from 27-07-2026. have changed my name and shall hereafter be known as KHUSHBOO.

NAME CHANGE

I hitherto known as Arpita Garg D/o Mukesh Kumar Garg W/o Karan Gupta R/o 3-C/67, Nehru Nagar, Near Shiv Mandir, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001 have changed my name and shall hereafter be known as Arpita Gupta.

NAME CHANGE

I hitherto known as Zigmee Eden Bhutia D/o Jit Bahadur Chettri R/o Flat No 0303 Tower A4 Sector 4, Amrapali Golf Homes, Sector-1, Greater Noida, West, Sector-1, Greater Noida Po, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201318 have changed my name and shall hereafter be known as Ganga Maya Chettri.

NAME CHANGE

I hitherto known as Ramesh Chandra S/o Shri Krishna Das R/o R-14/194, Rajnagar, Ghaziabad, Kavi Nagar, Uttar Pradesh-201002 have changed my name and shall hereafter be known as Ramesh Chandra Jaiswal.

NAME CHANGE

I hitherto known as Situ Kumari W/o Amit Singh R/o House No. Gali No-01, Saraswati Vihar, Loni Dehat, Loni, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102 have changed my name and shall hereafter be known as Sweety Singh.

सार्वजनिक सूचना

यह सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री PARVINDER SINGH एवं श्रीमती SURJIT KAUR SETHI (प्रस्तावित उधारकर्ता) संपत्ति संख्या छ-36 (नवीन) एवं पुरानी संपत्ति संख्या WZ-D37(A), क्षेत्रफल 100 वर्ग गज, खसरा संख्या 2741/616 के भाग पर निर्मित, संपूर्ण द्वितीय तल, बिना छत के अधिकार (Entire Second Floor without Roof Rights), जो ग्राम बसई दारापुर, कॉलोनी सरस्वती गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है, को श्रीमती Neelam से खरीदने का इरादा रखते हैं। श्रीमती Neelam ने उक्त संपत्ति दिनांक 05.04.2010 की बिक्री विलेख (Sale Deed) के माध्यम से श्रीमती Richa Arora से क्रय की थी, जो दस्तावेज संख्या 7438, पुस्तक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 17516, पृष्ठ संख्या 74-80, दिनांक 05.04.2010, SRO-II, दिल्ली में विधिवत पंजीकृत है, उक्त संपत्ति की श्रृंखला (Property Chain) में दिनांक 03.05.2009 की मूल बिक्री विलेख (Original Sale Deed) भी सम्मिलित है, जो श्री Sawinder Singh द्वारा निष्पादित की गई थी तथा दस्तावेज संख्या 8884, पुस्तक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 16855, पृष्ठ संख्या 01-10, दिनांक 03.06.2009 को विधिवत पंजीकृत है। उक्त मूल दस्तावेज के गुम होने के संबंध में ऑनलाइन FIR, LR No. 615673/2026, दिनांक 08.09.2026 को दर्ज की जा चुकी है, उक्त संपत्ति को सभी प्रकार के भारों, ग्रहणाधिकारों (Liens), प्रभारों (Charges), बंधकों (Mortgages), दावों तथा अन्य किसी भी तृतीय पक्ष के अधिकारों/हितों से मुक्त बताया गया है, यह भी सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति के लिए Bajaj Housing Finance Ltd., Subhash Nagar द्वारा वित्तपोषण प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के संबंध में किसी प्रकार का अधिकार, हक, हित, दावा, आपत्ति, भार, बंधक अथवा अन्य कोई तृतीय-पक्ष हित हो, तो वह इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन की तारीख से 7 दिनों के भीतर अपने दावे/आपत्ति की सूचना संबंधित दस्तावेजों सहित प्रस्तुत कर सकता है। उक्त अवधि के पश्चात प्राप्त किसी भी दावे या आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री इंदर सिंह ग्राम याकूबपुर, तहसील दादरी, जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश स्थित खसरा संख्या 98 में से 840 वर्ग गज क्षेत्रफल वाले भूखंड को श्री कपिल कुमार, श्री सुमित एवं श्री रिशिपाल से खरीदने का इरादा रखते हैं, उक्त संपत्ति के संबंध में श्री कपिल कुमार, श्री सुमित एवं श्री रिशिपाल सभी उक्त संपत्ति के स्वामी थे, जो दिनांक 28.08.2018 की विक्रय विलेख (Sale Deed) के माध्यम से M/s Anand Computech Pvt. Ltd. द्वारा निष्पादित की गई थी, जिसका दस्तावेज संख्या 4244, पुस्तक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 6675, पृष्ठ संख्या 395-434, एस.आर.-III, नोएडा में पंजीकृत है। साथ ही, दिनांक 15.06.2018 की विक्रय विलेख (Sale Deed) भी M/s Anand Computech Pvt. Ltd. द्वारा निष्पादित की गई थी, जिसका दस्तावेज संख्या 2886, पुस्तक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 6534, पृष्ठ संख्या 291-332, एस.आर.-III, गौतम बुद्ध नगर में पंजीकृत है, उक्त संपत्ति की टाइटल चेन में सम्मिलित मूल विक्रय विलेख दिनांक 15.06.2018 गुम हो गया है, जिसके संबंध में ऑनलाइन FIR/LAR संख्या 2026000017727 पहले ही दर्ज कराई जा चुकी है, उक्त संपत्ति को सभी प्रकार के भार, ग्रहणाधिकार (Liens), प्रभार (Charges), बंधक (Mortgages) एवं अन्य तृतीय-पक्ष दावों से मुक्त बताया गया है, उक्त संपत्ति का भौतिक कब्जा वर्तमान में श्री कपिल कुमार, श्री सुमित एवं श्री रिशिपाल के पास है, उपरोक्त संपत्ति की प्रस्तावित खरीद के लिए वित्तीय सहायता Aditya Birla Housing Finance Limited, शाखा- नोएडा, उत्तर प्रदेश द्वारा प्रदान की जानी है। अत: यदि किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक अथवा अन्य किसी पक्ष का उक्त संपत्ति पर किसी प्रकार का अधिकार, स्वामित्व, हित, दावा, आपत्ति, बंधक, ग्रहणाधिकार या अन्य कोई दावा हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 (सात) दिनों के भीतर अपने दावे के समर्थन में समुचित दस्तावेजों सहित अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत करें, अन्यथा यह मान लिया जाएगा कि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के संबंध में कोई दावा अथवा आपत्ति नहीं है और उसके पश्चात प्राप्त होने वाले किसी भी दावे अथवा आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NOTICE

Public at large is hereby informed that my client Akhil Aggarwal & Ritu Aggarwal is the owner of Residential House No. K.H.-39, admeasuring 457.43 sq. mtrs., Situated in Kavinagar, Block-H, Ghaziabad, Tehsil & District Ghaziabad Initially, Ghaziabad Improvement Trust allotted the Said Property to Sh. T.R. Trehan (Tilak Raj Trehan) vide Allotment Letter basis. Later, Lease Deed 13.02.1976 executed by Ghaziabad Improvement Trust in favour of Tilak Raj Trehan in respect of the Said Property, As Doc. No. 1198. Later, Transfer Deed 13.11.1987 executed by Tilak Raj Trehan in favour of Jai Prakash & Prabha Rani in respect of the Said Property Doc. No. 14149 Later, Jai Prakash died on 20.01.2004 and Premwati died on 08.02.2010 and their Son Rajendra Prasad died on 26.12.2010 leaving behind Legal heirs namely Prabha Rani, Vinod Kumar, Rachna Gupta, Mahima Gupta, Mukul Aggarwal Later, NOC executed by Rachna Gupta in favour of Prabha Rani said Property. Later, NOC executed by Mahima Gupta in favour of Prabha Rani said Property. Later, NOC executed by Mukul Aggarwal in favour of Smt. Prabha Rani said Property Later, NOC executed by Sh. Vinod Kumar in favour of Prabha Rani said Property Further, GDA mutated the property in the name of Prabha Rani Later, Sale Deed 05.01.2026 executed by Prabha Rani in favour of Akhil Aggarwal & Ritu Aggarwal in respect of Doc. No. 128 (Witness by Rachna Gupta & Mukul Aggarwal Now our above-mentioned client intends to mortgage the said immovable property for his bonafide requirements to Cholamandalam Investment and Finance Company Ltd. Whosoever is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections.

NEW DELHI
DATE: 11/9/2025

PRAGYA BHUSHAN ADVOCATE
Enrl. No. D/721/02
Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48
Mob.: 9968006418

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भा.न.स.स.देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **(1) नदीम** पुत्र हनीफ अहमद **(2) बालियान** पत्नी हनीफ़ अहमद, निवासी 1151-ए, तुलसी निकेतन, भोपुरा गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 463/2015 धारा 498-A/406/34 भा.द.स, थाना नंद नगरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **(1) नदीम (2) बालियान** मिल नहीं रहे और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है की उक्त अभियुक्त **(1) नदीम (2) बालियान** फरार हो गए है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहे है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा कि जाती है की उक्त अभियुक्त **(1) नदीम (2) बालियान, प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 463/2015 धारा 498-A/406/34 भा.द.स, थाना नंद नगरी, दिल्ली** न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **14.10.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेश से
सुश्री पूजा सुहाग
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी
महिला न्यायालय-03, न्यायालय कक्ष क्रमांक 08, द्वितीय तल
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/12436/NE/2026

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

मुख्यमंत्री किसान एवं खेतीहर मजदूर जीवन सुरक्षा योजना के तहत प्रधान की गई 1.25 लाख रुपये की सहायता

एजेंसी

पलवल। हरियाणा सरकार की मुख्यमंत्री किसान एवं खेतीहर मजदूर जीवन सुरक्षा योजना के तहत गांव मुस्तफाबाद निवासी विपिन पुत्र सुंदर को 1 लाख 25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। मार्केट कमेटी हसनपुर के चेयरमैन राजपाल ने लाभार्थी विपिन को सहायता राशि प्रदान करते हुए कहा कि संकट की घड़ी में सरकार की यह योजना पीड़ित परिवारों के लिए बड़ी राहत और आर्थिक संबल का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि किसान और खेतिहर मजदूर प्रदेश की अर्थव्यवस्था की मजबूत आधारशिला हैं तथा सरकार उनके हितों की सुरक्षा के लिए निरंतर जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है। उन्होंने पात्र किसानों एवं खेतिहर मजदूरों से आह्वान किया कि वे सरकार की योजनाओं का लाभ उठाएं।

समाधान शिविर में डीडीपीओ ने सुनी आमजन की समस्याएं

एजेंसी

झज्जर। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के दिशा-निर्देशन तथा डीसी वर्षा खांगवाल के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा जनसुनवाई की पारदर्शी व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से वीरवार को जिला स्तरीय समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में डीडीपीओ निशा तंवर ने नागरिकों की शिकायतें सुनी और संबंधित अधिकारियों को त्वरित समाधान करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। जिला स्तरीय शिविर में पहुंचे नागरिकों ने बिजली, जलापूर्ति, पेंशन, राजस्व रिकॉर्ड, सड़क मरम्मत, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं और अन्य स्थानीय समस्याओं को लेकर शिकायतें प्रस्तुत कीं। डीडीपीओ निशा तंवर ने प्रत्येक नागरिक की बात को गंभीरता से सुना। उन्होंने कहा कि समाधान शिविरों का उद्देश्य प्रशासन और आमजन के बीच सीधे संवाद की एक प्रभावी कड़ी स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविरों के माध्यम से जन समस्याओं का त्वरित समाधान होता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन शिकायतों का मौके पर समाधान संभव नहीं हो पाया, उन्हें समयबद्ध ढंग से निपटाया जाए और संबंधित विभागों को नियमित फॉलोअप करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

अंबाला शहर की महत्वपूर्ण परियोजनाओं में तय समय-सीमा का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें: उपायुक्त सचिन गुप्ता

एजेंसी

अंबाला। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने अंबाला शहर में निर्माणाधीन तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं का स्थल निरीक्षण कर प्रगति की समीक्षा की और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) तथा संबंधित क्लाइंट विभागों को निर्धारित समय-सीमा का सख्ती से पालन करते हुए कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।उपायुक्त ने पशुपालन विभाग कार्यालय के नजदीक निर्माणाधीन ईवीएम/वीवीपैट वेयरहाउस, सेक्टर-10 में वाटिका के नजदीक निर्माणाधीन राजकीय महिला महाविद्यालय तथा नागरिक अस्पताल अंबाला शहर के नजदीक निर्माणाधीन 100-200 बैड अस्पताल का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रत्येक परियोजना में अब तक हुए कार्य, शेष कार्य, आवश्यक स्वीकृतियों, एस्टीमेट, सिविल एवं इलेक्ट्रिकल कार्यों तथा अन्य संबंधित पहलुओं की जानकारी ली। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि महत्वपूर्ण सार्वजनिक परियोजनाओं में निर्धारित समय-सीमा का पालन अनिवार्य है और किसी भी स्तर पर टालने योग्य देरी स्वीकार्य नहीं होगी।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन शनिवार को

रेवाड़ी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम डा. रेनू सोलखे ने बताया कि जिला में रेवाड़ी, कोसली और बावल न्यायिक परिसर में शनिवार, 12 सितंबर 2026 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में दोनों पक्षों की सहमति से मामलों का निपटारा करवाया जाएगा। डालसा सचिव एवं सीजेएम डा. रेनू सोलखे ने बताया कि इस राष्ट्रीय लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य लंबित मामलों का आपसी समझौते के माध्यम से त्वरित निपटारा करवाना है। लोक अदालत में ट्रैफिक चालान, बैंक रिकवरी, मोटर वाहन दुर्घटना अधिनियम, पारिवारिक विवाद, दीवानी एवं फौजदारी मामले, श्रम विवाद, भूमि अधिग्रहण, बिजली-पानी के बिलों तथा राजस्व आदि का निपटारा किया जाएगा।

'काले कपड़े पहनकर सदन में आने वाले अपने दिन भूल गए'

लेकिन जनता इनके काले कारनामे नहीं भूली: मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि काले कपड़े पहनकर विधानसभा के पवित्र सदन में आने वाले कांग्रेस के नेता भले ही अपने शासनकाल में किए काले कारनामें भूल गए हों लेकिन जनता इनके शोषण और अत्याचार को नहीं भूली है। लोगों को आज भी याद है कि कांग्रेस की नीतियां जनहित की बजाय लोगों को प्रताड़ित करने वाली थीं। गरीबों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ते थे, बुजुर्ग पेंशन के लिए भटकते थे, लोगों को गैस सिलेंडर लेने के लिए चार-चार दिन तक लाइनों में लगा रहना पड़ता था और युवाओं को नौकरियों के लिए भ्रष्ट व्यवस्था से जूझना पड़ता था। लेकिन पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र व राज्य की डबल इंजन सरकारों ने उस व्यवस्था को बदलकर योजनाओं और सेवाओं को सीधे पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने का काम किया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यह बात बृहस्पतिवार को हरियाणा निवास में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों द्वारा पूछे गए एक सवाल के जवाब में कही। उन्होंने हरियाणा व पंजाब की कांग्रेस तथा आम आदमी पार्टी को घेरते हुए उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों पर सवाल उठाने से पहले अपने गिरेबान में झांकने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि हरियाणा में कांग्रेस ने राहुल गांधी के कहने पर काले कपड़े पहन लिए हैं तो अब राहुल गांधी को भी काले कपड़े पहन लेने चाहिए। कांग्रेस नेताओं, विशेषकर भूपेंद्र सिंह हुड्डा को जनता को यह बताना

चाहिए कि उनके शासनकाल में प्रदेश के गरीब, युवाओं, महिलाओं बुजुर्गों और आम आदमी के लिए क्या व्यवस्था थी। आज जिन प्रदेशों में भाजपा की सरकार है वहां की डबल इंजन सरकारें मोदीजी के सभी संकल्पों और जनता से किए वादों को समय से पहले पूरा कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस और विपक्षी दलों की सरकारों में वोट हासिल करने के लिए घोषणाएं की जाती है, उनके लिए राजनीति किसी दुकानदारी की तरह है, लोगों को घोषणाओं की टॉफियां बांटों और सत्ता हासिल करो। लेकिन ये पार्टियां जब सत्ता में आ जाती हैं तो पांच साल के लिए घोषणाओं को भूल जाती हैं। फिर चुनाव के समय लोगों को बरगलाने के लिए नई घोषणाएं करने लग जाती हैं। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस व्यवस्था को बदलने का काम हुआ है। आज सरकार विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की राशि सीधे पात्र लाभार्थियों के बैंक खातों में पहुंचा रही है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जहां-जहां डबल इंजन की सरकार हैं, वहां गरीब को मजबूत करने, महिलाओं को सशक्त बनाने, बुजुर्गों को सम्मान से जीवन जीने और युवाओं को आगे बढ़ने के अवसर मिल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में माताओं-बहनों से चुनाव पूर्व किए गए वादे के अनुरूप दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना के माध्यम से प्रतिमाह 2100 रुपये की आर्थिक सहायता सीधे उनके बैंक खातों में भेजी जा रही है। अब तक एक लाख रुपये सालाना आमदनी वाले परिवारों की माताओं-बहनों को इस योजना का लाभ मिलता था जबकि भविष्य में इसका दायरा बढ़ाकर 1.80 लाख रुपये सालाना आमदनी वाले परिवारों की माताओं-बहनों को भी इसका लाभ मिलेगा।

सेवा संकल्प अभियान में युवाओं और विश्वविद्यालयों की होगी सक्रिय सहभागिता : डॉ. अर्चना गुप्ता

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने हरियाणा व पंजाब के राज्यपालों से की भेंट

एजेंसी

चंडीगढ़। भाजपा हरियाणा की प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने चंडीगढ़ प्रवास के दौरान हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष तथा पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया से भेंट की। इस दौरान उन्होंने सेवा संकल्प अभियान, युवाओं की सक्रिय सहभागिता, विश्वविद्यालयों को सामाजिक गतिविधियों से जोड़ने तथा जनसेवा से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की और दोनों वरिष्ठ जनसेवकों का मार्गदर्शन प्राप्त किया। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष से भेंट के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले 'सेवा संकल्प अभियान' को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। विशेष रूप से प्रदेश के युवाओं

की अभियान में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने तथा विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को सेवा और सामाजिक गतिविधियों से जोड़ने के विषय पर चर्चा की गई। डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय केवल शिक्षा प्रदान करने के केंद्र नहीं हैं, बल्कि युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण, सामाजिक चेतना और राष्ट्र निर्माण की महत्वपूर्ण आधारशिला भी हैं। युवाओं में सेवा भाव, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्र के प्रति कर्तव्य की भावना को मजबूत करना समय की आवश्यकता है। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से युवाओं को जनसेवा एवं सामाजिक सरोकारों से जोड़ना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल होगी। पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया से भेंट के दौरान डॉ. अर्चना गुप्ता ने सामाजिक सरोकारों, जनसेवा तथा संगठन से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

उन्होंने श्री कटारिया के लंबे सार्वजनिक जीवन के अनुभवों को भी सुना तथा विभिन्न विषयों पर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि प्रो. असीम कुमार घोष और श्री गुलाब चंद कटारिया जैसे अनुभवी एवं वरिष्ठ जनसेवकों से संवाद सदैव नई ऊर्जा और सकारात्मक दिशा प्रदान करता है। उनका सार्वजनिक जीवन, व्यापक अनुभव तथा समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पण सभी के लिए प्रेरणादायी है।

जिला सभागार में आयोजित समाधान शिविर में सुनी गई जनता की समस्याएं

एजेंसी

हिसार। नगराधीश रोहित कुमार व एसडीएम ज्योति मित्तल ने लघु सचिवालय स्थित जिला सभागार में आयोजित समाधान शिविर में शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को सुना। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शिकायतकर्ताओं की समस्याओं का समाधान पूर्ण संवेदनशीलता और तत्परता के साथ करें, ताकि शिकायतकर्ता पूर्ण रूप से संतुष्ट हो सकें। नगराधीश रोहित कुमार ने बताया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के दिशा-निर्देशों के अनुरूप जनता की समस्याओं का तत्काल निस्तारण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी शिकायतों का स्टेटस ऑनलाइन अपडेट किया जाए। यदि शिकायतकर्ता समाधान से संतुष्ट नहीं होता, तो शिकायत को दोबारा खोलने का प्रावधान भी उपलब्ध है। समाधान शिविर में एक प्रार्थी द्वारा कृषि भूमि एवं ढाणी तक आवागमन रास्ते को अवरुद्ध करने संबंधी शिकायत पर पुलिस विभाग के अधिकारियों को प्रार्थी के समक्ष आ रही समस्या के समाधान के लिए उचित कदम उठाने को कहा गया। गांव ठसका निवासी रणवीर सिंह रेवाड़ द्वारा गांव के आंगनवाड़ी केंद्र को पंचायत भवन में स्थानांतरण के साथ-साथ एक स्टाफ सदस्य की मांग पर संबंधित विभाग के अधिकारी को उक्त मामले पर आगामी कार्यवाही करने की हिदायत दी गई। गांव धीरणवास के कुछ नागरिकों द्वारा गांव के कुछ घरों में कम वोल्टेज की समस्या पर दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के अधिकारियों को मौका जांच करें।

आमजन राष्ट्रीय लोक अदालत में आपसी समझौते के आधार पर करवाएं मामलों का निपटारा : सीजेएम एवं सचिव हरीश गोयल

पलवल, होडल और हथीन में 12 सितंबर को होगा तीसरी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

एजेंसी

पलवल। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार शनिवार 12 सितंबर को प्रातः 10 बजे से पलवल, होडल और हथीन स्थित न्यायिक परिसर में वर्ष की तीसरी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। परिवादी राष्ट्रीय लोक अदालत में आपसी सुलह व समझौते के आधार पर स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से केस का निपटारा करवा सकते हैं। सीजेएम एवं सचिव जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण पलवल हरीश गोयल ने जानकारी देते हुए बताया कि लोक अदालत की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें किसी पक्ष पर निर्णय थोपा नहीं जाता, बल्कि दोनों पक्षों की आपसी सहमति एवं राजीनामे के आधार पर विवाद का समाधान किया जाता है। इससे पक्षकारों के बीच आपसी सौहार्द बना रहता है और लंबे समय तक चलने वाली न्यायिक प्रक्रिया से भी राहत मिलती है। सीजेएम ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में दोनों पक्षों की आपसी सहमति व राजीनामे से सौहार्दपूर्ण वातावरण में पक्षकारों की रजामंदी से विवाद निपटाया जाता है। इससे लोगों को शीघ्र व सुलभ न्याय, कहीं कोई अपील नहीं, अंतिम रूप से निपटारा, समय की बचत जैसे लाभ मिलते हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत न्याय व्यवस्था को अधिक जनहितैषी, सुलभ और प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। पलवल, होडल और हथीन में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से अधिक से अधिक पक्षकार अपने विवादों का आपसी सहमति से समाधान कराकर इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। सीजेएम हरीश गोयल ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक लोन से संबंधित मामले, मोटर एक्सीडेंट, एनआई एक्ट, फौजदारी, रेवेन्यू, वैवाहिक विवाद का निपटारा किया जाएगा। न्यायालय में लंबित मामलों को परस्पर सहयोग व सौहार्दपूर्ण माध्यम से निपटाने के लिए राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाता है। यदि किसी व्यक्ति का कोई मामला न्यायालय में लंबित है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में चल रही हरियाणा सरकार बढ़ाएगी लाडो लक्ष्मी योजना का दायरा

एजेंसी

नारनौल । परिवार पहचान पत्र के स्टेट कोऑर्डिनेटर डॉ. सतीश खोला ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में चल रही हरियाणा सरकार लाडो लक्ष्मी योजना के दायरे में और अधिक लाभार्थियों को लाने जा रही है। इसके लिए सरकार ने योजना की आय सीमा को 1 लाख रुपये से बढ़ाकर 1.80 लाख रुपये सालाना करने जा रही है। इसके बाद महेंद्रगढ़ जिले में ही 46709 महिलाएं नई पात्र लाभार्थी बन जाएंगी जबकि जिले में पहले से करीब 45000 महिलाएं इस योजना का लाभ ले रही हैं। पूरे हरियाणा में यह आंकड़ा करीब 17 लाख नई लाभार्थियों तक पहुंचने का अनुमान है। नए लाभार्थी 25 सितंबर से अपने मोबाइल के माध्यम से ही ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। श्री खोला नमो कार्यालय में परिवार पहचान पत्र से संबंधित लगाए गए कैंप में नागरिकों की समस्याएं सुन रहे थे। नमो कार्यालय में आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में नागरिक पहुंचे, जिन्होंने परिवार पहचान पत्र से जुड़ी अपनी समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं। डॉ. खोला ने बताया कि पहले लाडो लक्ष्मी योजना के लिए वार्षिक आय सीमा 1 लाख रुपये तय थी, जिसे बढ़ाकर अब 1.80 लाख रुपये कर दिया गया है। इस नए निर्धारण के बाद महेंद्रगढ़ जिले में 46709 महिलाएं नई पात्र लाभार्थी के तौर पर सामने आई हैं, जिनके लिए 25 सितंबर के बाद ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि महेंद्रगढ़ जिले में पहले से ही करीब 45000 महिलाएं इस योजना का लाभ ले रही हैं, यानी नई पात्र महिलाओं को जोड़ने के बाद जिले में लाभार्थियों की संख्या में बड़ा इजाफा होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में चल रही राज्य सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, और आय सीमा में यह बढ़ोतरी इसी सोच का एक अहम हिस्सा है।

हिंदु विरोधी मुद्दा विहीन राजनीतिक पार्टियां हिंदुओं की आस्था पर चोट मारने के लिए नॉन-इश्यू को मुद्दा बना रही है - ऊर्जा मंत्री अनिल विज

राम मंदिर चंदा चोरी मामले में कार्रवाई हो रही है, नई कमेटी भी बन गई मगर कांग्रेस अपने आपको हिंदू विरोधी सिद्ध करने का सर्टिफिकेट लेना चाहती है - मंत्री अनिल विज

एजेंसी

चण्डीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने राम मंदिर चंदा चोरी मामले में कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह की अध्यक्षता में उज्जैन से अयोध्या तक स्वाभिमान यात्रा निकालने पर कड़ी प्रतिक्रिया दी और कहा कि राजनीतिक पार्टियों जिनके पास कोई मुद्दे नहीं है, मुद्दा विहीन है, जिन पर लोगों को विश्वास नहीं है, जिनको जनता नकार चुकी है, वह बार-बार नॉन इश्यूज को इश्यू बनाने की कोशिश करती है।

मीडिया कर्मियों के सवालों का जवाब देते हुए श्री विज ने कहा कि राम मंदिर चंदा चोरी की पूरी कार्रवाई भी हो रही है, नई कमेटी भी बना दी गई है लेकिन विपक्ष को तो अपने आपको हिंदू विरोधी सिद्ध करने का सर्टिफिकेट लेना है कि ये हिंदु

विरोधी है, इसलिए यह इस प्रकार की बातें करते हैं। मंत्री अनिल विज ने कटाक्ष करते हुए कहा कि और भी तो इतनी जगह पर चोरी होती हैं, वहां क्यों नहीं यात्रा निकाली, क्या वहां चोरों को अनुमति है, सिर्फ इसलिए की यह हिंदुओं की आस्था से जुड़ी बात है हिंदुओं की आस्था पर चोट मारनी है इसीलिए यह लोग इस प्रकार की कार्रवाईयां/गतिविधियां करते हैं।

'झूठ की बुनियाद पर बनी आम आदमी पार्टी के कई नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोप, ऐसे कामों को आगे बढ़ाने के लिए केजरीवाल से बेहतर कोई नहीं' - मंत्री अनिल विज आम आदमी पार्टी द्वारा अरविंद केजरीवाल को फिर से राष्ट्रीय संयोजक बनाए जाने पर भी श्री विज ने तंज कसते हुए कहा कि अरविंद केजरीवाल जी की जो सोच और समझ है, जो आम आदमी पार्टी के जन्मदाता भी है। श्री विज ने कहा कि जिन मुद्दों को लेकर ये आम आदमी पार्टी बनी थी, झूठ के आधार पर इस पार्टी का जन्म हुआ था। अन्ना हजारे ने जब भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन किया उनके आंदोलन में कहीं ये एजेंडा नहीं था कि कहीं भी राजनीति पार्टी बनाई जाएगी। उसका सारे देश से जो जनसमर्थन मिला उसको अन्ना हजारे से चुराकर इन्होंने राजनीतिक पार्टी बनाई। जिन चीजों के खिलाफ यह वहां पर बोलते थे वो ही काम इन्होंने किए। इनके ऊपर भी और उनके कई नेताओं पर आज भ्रष्टाचार के आरोप हैं तो केजरीवाल से बेहतर और कोई आदमी उनके पास हो नहीं सकता जो इन कामों को आगे बढ़ा सके।

सेवा संकल्प अभियान को प्रभावी बनाने के लिए विभाग समय रहते पूरी करें तैयारियां : उपायुक्त महेंद्र पाल

सेवा संकल्प अभियान को प्रभावी बनाने के लिए विभाग समय रहते पूरी करें तैयारियां : उपायुक्त महेंद्र पाल

एजेंसी

हिसार। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले में आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संपन्न करवाने के लिए सभी संबंधित विभाग समय रहते आवश्यक तैयारियां पूरी करें। यह निर्देश उपायुक्त महेंद्र पाल ने वीरवार को स्थानीय लघु सचिवालय परिसर स्थित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में आयोजित वीसी के बाद अधिकारियों को दिए।

मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी उपायुक्तों से 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि अभियान के प्रत्येक मॉड्यूल के लिए संबंधित

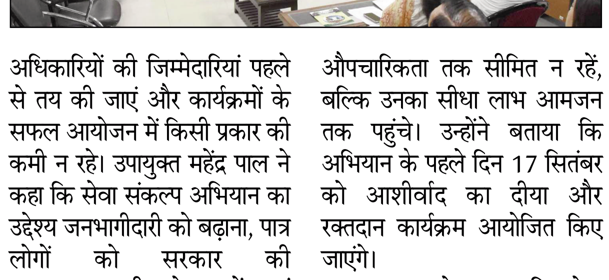

अधिकारियों की जिम्मेदारियां पहले से तय की जाएं और कार्यक्रमों के सफल आयोजन में किसी प्रकार की कमी न रहे। उपायुक्त महेंद्र पाल ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य जनभागीदारी को बढ़ाना, पात्र लोगों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ उपलब्ध करवाना तथा सरकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान के दौरान आयोजित होने वाली गतिविधियां केवल औपचारिकता तक सीमित न रहें, बल्कि उनका सीधा लाभ आमजन तक पहुंचे। उन्होंने बताया कि अभियान के पहले दिन 17 सितंबर को आशीर्वाद का दीया और रक्तदान कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

उपायुक्त ने बताया कि सेवा चित्र मॉड्यूल के तहत शिक्षा विभाग द्वारा विभिन्न स्तरों पर प्रतियोगिताएं करवाई जाएंगी। सेवा स्मरण के तहत कला एवं संस्कृति विभाग की टीमें निर्धारित थीम पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत करेंगी। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगन का मिलन मॉड्यूल के अंतर्गत पोषण एवं अन्य जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि कहानी बदलाव मॉड्यूल में सरकार की योजनाओं से लाभान्वित लोगों की सफलता की कहानियां साझा की जाएंगी। सेवा ज्योति यात्रा के तहत विकास एवं पंचायत विभाग द्वारा कार्यक्रम आयोजित होंगे। उन्होंने कहा कि सेवा मेरा योगदान मॉड्यूल के तहत शहरी स्थानीय निकाय विभाग द्वारा चिन्हित 25 सेवाओं से संबंधित गतिविधियां करवाई जाएंगी। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में दो-दो स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

ग्रामीण सफाई कर्मियों को नायब सरकार का बड़ा तोहफा, मानदेय और भत्तों में बढ़ोतरी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने प्रदेशभर के ग्रामीण सफाई कर्मियों के हित में कई महत्वपूर्ण कल्याणकारी फैसले लिए हैं। ये निर्णय 29 मई, 2026 को ग्रामीण सफाई कर्मियों के साथ हुई बैठक में उठाई गई मांगों के मद्देनजर लिए गए हैं। इस संबंध में विकास एवं पंचायत विभाग के निदेशक द्वारा आज पत्र जारी कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार तथा सामजिक न्याय व अधिकारिता, अनुसूचित जातिया एवं पिछड़े वर्ग कल्याण मंत्री कृष्ण कुमार बेदी द्वारा सफाई कर्मचारियों तथा सरकार के बीच कड़ी के रूप में लगातार मांगों को पूरा करवाने के प्रयास किए जा रहे थे। इसके साथ ही मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी सफाई कर्मचारियों की मांगों के प्रति सहानुभूतिपूर्ण रुख अपनाए हुए थे जिसके चलते सरकार ने सफाई कर्मचारियों के हित में त्वरित फैसला लिया और इस संबंध में पत्र भी जारी किया गया है। सरकार द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार ग्रामीण सफाई कर्मियों के बढ़े हुए मानदेय की जनवरी 2026 से बकाया राशि का भुगतान किया जाएगा। जनवरी 2026 से 30 जून, 2026 तक मानदेय में 2,100 रुपये की वृद्धि करते हुए इसे 16,000 रुपये से बढ़ाकर 18,100 रुपये प्रतिमाह किया गया है। इसके साथ ही अक्टूबर 2023 के हड़ताल अवधि के दौरान जिन पात्र ग्रामीण सफाई कर्मियों को मानदेय का भुगतान नहीं हुआ था, उन्हें आधिकारिक रिकॉर्ड के सत्यापन के बाद बकाया मानदेय जारी किया जाएगा। इनमें ढांड के 48, फरुखनगर के 54 तथा सिहमा के 25 और निजामपुर के 15 ग्रामीण सफाई कर्मी शामिल हैं। सरकार ने गांव से बाहर ड्यूटी पर लगाए जाने वाले ग्रामीण सफाई कर्मियों के लिए भी राहत प्रदान की है।

ब्रेंट क्रूड 1.05 डॉलर करीब 1 फीसदी चढ़कर 108.68 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा

साप्ताहिक आधार पर ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई दोनों करीब 13 फीसदी ऊपर चढ़े भाव

नई दिल्ली, ।

कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल जारी है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और तेल की सप्लाई बाधित होने की आशंका के बीच शुक्रवार को ब्रेंट और अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड दोनों में करीब एक फीसदी की तेजी दर्ज की गई। खास बात यह है कि दोनों प्रमुख कच्चे तेल के भाव मई के मध्य के बाद पहली बार किसी हफ्ते का अंत 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर करने की ओर बढ़ रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक ब्रेंट क्रूड 1.05 डॉलर यानी करीब 1 फीसदी चढ़कर 108.68 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 95 सेंट यानी करीब 1 फीसदी की तेजी के साथ 103.45 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। इससे पहले गुरुवार को दोनों में 6 फीसदी से ज्यादा की जोरदार तेजी आई थी।

रिपोर्ट के मुताबिक कच्चे तेल में तेजी सिर्फ एक-दो कारोबारी सत्र तक सीमित नहीं है। साप्ताहिक आधार पर ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई दोनों करीब 13 फीसदी ऊपर चल रहे हैं। यह 17 जुलाई को खत्म हुए हफ्ते के बाद कच्चे तेल की कीमतों में सबसे बड़ी साप्ताहिक तेजी है। तेल में इस उछाल की सबसे बड़ी वजह पश्चिम एशिया में बढ़ता संघर्ष और अहम समुद्री रास्तों पर जहाजों की आवाजाही को लेकर पैदा हुआ खतरा है। हूती लड़ाकों ने गुरुवार को यमन के मोखा बंदरगाह पर कब्जा कर लिया। इससे लाल सागर से गुजरने वाले जहाजों की सुरक्षा को लेकर चिंता और बढ़ गई है। दूसरी तरफ फारस की खाड़ी में होर्मुज से आवाजाही पहले ही सीमित बनी हुई है और हाल के दिनों में तेल टैंकरों पर हमले बढ़े हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक यमन की तरफ से सऊदी अरब की ऊर्जा सुविधाओं पर हुए हमलों ने संघर्ष का दायरा ईरान और होर्मुज से आगे बढ़ा दिया है। विश्लेषकों को डर है कि अगर तनाव लंबे समय तक चला तो पूरे इलाके से तेल की सप्लाई प्रभावित हो सकती है। ईरान ने कहा है कि उसने बुधवार को होर्मुज के पास 10 जहाजों पर हमला किया, जबकि अमेरिका ने पांच ईरानी तेल टैंकरों को निशाना बनाया। इसके बाद ईरान के इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा कि आगे हमला होने पर उसकी जवाबी कार्रवाई और तेज होगी।अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भी ईरान के पिकऐक्स माउंटेन को निशाना बनाए जाने की संभावना की चेतावनी दी है। यह जगह ईरान की बुरी तरह क्षतिग्रस्त नतांज यूरेनियम संवर्धन सुविधा के पास स्थित है। इन बयानों से बाजार में यह चिंता बढ़ रही है कि संघर्ष जल्दी खत्म होने के बजाय लंबा खिंच सकता है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 4,400 डॉलर प्रति औंस के नीचे फिसला

अब बाजार की नजर अमेरिका में आने वाले महंगाई के दो आंकड़ों पर

नई दिल्ली, ।

सोने और चांदी की कीमतों पर फिर दबाव नजर आ रहा है। गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 4,400 डॉलर प्रति औंस के नीचे फिसल गया, जबकि चांदी 66.5 डॉलर के नीचे आ गई। अब बाजार की नजर अमेरिका में आने वाले महंगाई के दो अहम आंकड़ों पर है। इनमें उत्पादक कीमतों से जुड़ा पीपीआई और खुदरा महंगाई से जुड़ा सीपीआई डेटा शामिल है। इन आंकड़ों से संकेत मिल सकता है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व 15-16 सितंबर की बैठक में ब्याज दर बढ़ाएगा या मौजूदा स्तर पर बनाए रखेगा। एक रिसर्च के मुताबिक फिलहाल बाजार में फेड की तरफ से ब्याज दर बढ़ाए जाने की करीब 60 फीसदी संभावना मानी जा रही है। ऐसे में अमेरिका के महंगाई आंकड़े सोने-चांदी की अगली चाल के लिए काफी अहम हो गए हैं। सबसे पहले अमेरिका का उत्पादक मूल्य सूचकांक यानी पीपीआई डेटा आएगा। इसके बाद शुक्रवार को उपभोक्ता मूल्य सूचकांक यानी सीपीआई के आंकड़े जारी होंगे। बाजार के लिए सीपीआई ज्यादा अहम रहने वाला है और इससे फेड के फैसले को लेकर तस्वीर ज्यादा साफ हो सकती है। अगर महंगाई के आंकड़े अनुमान से मजबूत रहते हैं तो ब्याज दर बढ़ने की उम्मीद और मजबूत हो सकती है। इससे सोने और चांदी पर दबाव बढ़ सकता है। इसके उलट महंगाई में नरमी दिखाई देती है तो फेड के ब्याज दर नहीं बढ़ाने की उम्मीद बढ़ सकती है, जिससे सोने को सहारा मिल सकता है।

गुरुवार की गिरावट से पहले बुधवार को सोने में करीब एक फीसदी और चांदी में 2 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई थी। इसकी एक बड़ी वजह डॉलर में कमजोरी थी। आम तौर पर डॉलर कमजोर होने से सोने को फायदा मिलता है।हालांकि इस दौरान अमेरिकी बॉन्ड की यील्ड बढ़ने से सोने की तेजी पर दबाव भी बना रहा। अमेरिकी सरकार ने 10 से 20 साल की अवधि वाले 6 अरब डॉलर के बॉन्ड वापस खरीदने की कार्रवाई की। इसका मकसद लंबी अवधि में सरकार के लिए कर्ज जुटाने की लागत पर दबाव कम करना था। इसके बावजूद अमेरिका के 10 साल के बॉन्ड की यील्ड बढ़कर 4.85 फीसदी पहुंच गई।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 120, निफ्टी 79 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष से पश्चिम एशिया में तनाव जारी रहने के साथ ही कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से भी बाजार पर दबाव आया है। हालांकि, दिनभर के कारोबार में यह अपने निचले स्तर से अच्छी रिकवरी करने में सफल रहा। आईटी, एफएमसीजी और बैंक शेयरों से मिले समर्थन ने बाजार को बड़ी गिरावट से बचाया।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स करीब 120.83 अंक फिसलकर 74,781.76 पर बंद हुआ1 वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 79.70 अंक टूटकर र 23,398.10 पर आ गया। आज सुबह दिन के शुरुआत में, सेंसेक्स 593.42 अंकों की गिरावट के साथ 74,309.16 पर खुला। इसी तरह निफ्टी भी 207 अंक फिसलकर 23,270.30 पर खुला और इंट्रा-डे में 23,231.40 के निचले स्तर तक चला गया था।

वहीं व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप में गिरावट दर्ज की गई। सेक्टरवार देखें तो निफ्टी रियल्टी और निफ्टी मेटल में सबसे ज्यादा गिरावट रही। निफ्टी ऑटो, निफ्टी ऑयल

एंड गैस, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी एफएमसीजी में भी गिरावट दर्ज की गई। इसके विपरीत, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी मीडिया और निफ्टी आईटी जैसे सेक्टरों में बढ़ोतरी दर्ज की गई। निफ्टी50 इंडेक्स में एचडीएफसी बैंक, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, टेक महिंद्रा, एचडीएफसी लाइफ और विप्रो के शेयरों में बढ़त देखने को मिली, जबकि हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, जेएसडब्ल्यू स्टील, आयशर मोटर्स, टाटा स्टील और ओएनजीसी के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई।

अगस्त में गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड में करीब 18 अरब डॉलर का निवेश आया

-सोने की मांग अमेरिका-यूरोप तक सीमित नहीं, एशिया के निवेशकों की भी दिलचस्पी बढ़ी

नई दिल्ली, ।

सोने में निवेश को लेकर निवेशकों का रुझान फिर बढ़ा है। अगस्त 2026 में गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड में करीब 18 अरब डॉलर का निवेश किया गया। यह अब तक का दूसरा सबसे बड़ा मासिक इनफ्लो है। सोने की मांग सिर्फ अमेरिका और यूरोप तक सीमित नहीं रही, बल्कि एशिया में भी निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ी है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक अगस्त में एशियाई गोल्ड ईटीएफ में करीब 2.04 अरब डॉलर का निवेश आया। फरवरी के बाद यह एशिया में सबसे मजबूत मासिक इनफ्लो है। वैश्विक स्तर पर गोल्ड ईटीएफ में आए निवेश का बड़ा हिस्सा उत्तरी अमेरिका और यूरोप में लिस्टेड फंडों ने किया।रिपोर्ट के मुताबिक अगस्त में दुनियाभर के गोल्ड ईटीएफ की कुल होल्डिंग करीब 121 टन बढ़कर 4,189 टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। वहीं इन फंडों की कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट 16 फीसदी बढ़कर करीब 615 अरब डॉलर हो गई। क्षेत्रवार देखें तो अगस्त में उत्तरी अमेरिका के फंडों में 7.70 अरब डॉलर और यूरोप के फंडों में 7.88 अरब डॉलर का निवेश हुआ। एशियाई बाजारों में चीन गोल्ड ईटीएफ निवेश के मामले में सबसे आगे रहा। अगस्त में चीन के गोल्ड ईटीएफ में करीब 1.54 अरब डॉलर का निवेश हुआ। इससे वहां की कुल होल्डिंग 10.7 टन बढ़कर 292.7 टन हो गई। शेयर बाजार की धीमी चाल और सरकारी बॉन्ड पर कम ब्याज मिलने की वजह से चीन के लोग सोने में पैसे लगा रहे हैं। जापान में अगस्त में गोल्ड ईटीएफ में करीब 17.44 करोड़ डॉलर का निवेश आया।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन- भारत का सहयोग मंत्र, टकराव नहीं!

नई दिल्ली में शुरू हो रहे सम्मेलन में भारत साझा मुद्रा विवाद से दूर रहेगा

नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार से शुरू हो रहे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भारत इस 11-सदस्यीय समूह को एक ऐसे मंच के तौर पर प्रस्तुत करेगा जो वैश्विक विकास और सहयोग पर केंद्रित है, न कि किसी अन्य अंतरराष्ट्रीय समूह का विरोधी। मेज़बान देश के रूप में भारत ब्रिक्स की साझा मुद्रा से जुड़े किसी भी विवादास्पद प्रस्ताव से दूरी बनाए रखेगा, जिसका समर्थन पूर्व में रूस और चीन कर चुके हैं। भारत ने इस समूह को बातचीत, समझ और रचनात्मक सहयोग के मंच के तौर पर पेश करने की कोशिश की है। भारत ने इस वर्ष ब्रिक्स से जुड़ी बैठकों में हासिल किए गए 50 से अधिक विकास-केंद्रित परिणामों के माध्यम से अपना जन-केंद्रित नज़रिया पेश किया है। साथ ही भारत वैश्विक संस्थानों में सुधार और वर्ष 2028-29 के कार्यकाल के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अपनी दावेदारी के लिए आम सहमति बनाने की भी कोशिश करेगा। शिखर सम्मेलन से पहले ब्रिक्स सदस्य देशों के नेताओं का शुक्रवार से राजधानी नई दिल्ली पहुंचना शुरू हो जाएगा। इसी दिन ब्रिक्स व्यापार मंच के नेताओं के सत्र का भी आयोजन होगा, जिसमें रूस के राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई नेता शामिल होंगे। व्यापार मंच ब्रिक्स देशों के बीच व्यापार, आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने और गैर-शुल्क बाधाएं कम करने पर विशेष चर्चा करेगा। शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच द्विपक्षीय बातचीत भी होगी।

भारत की जीडीपी ग्रोथ को आईएमएफ ने अर्थव्यवस्था की क्षमता और मजबूती से जोड़ा

7.8 फीसदी की बढ़ोतरी सर्विस सेक्टर और एक्सपोर्ट में उम्मीद से ज्यादा गतिविधियों से हुई

नई दिल्ली, ।

भारत की अर्थव्यवस्था ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया है। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड की प्रवक्ता जूली कोज़ैक ने भारत की आर्थिक रफ्तार को लेकर कहा कि दूसरी तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी ग्रोथ 7.8 फीसदी रही, जो आईएमएफ के स्टाफ अनुमान और दूसरे आर्थिक जानकारों की उम्मीद से बेहतर है। जूली कोज़ैक के मुताबिक भारत की अर्थव्यवस्था में 7.8 फीसदी की बढ़ोतरी मुख्य रूप से सर्विस सेक्टर और एक्सपोर्ट में उम्मीद से ज्यादा गतिविधियों की वजह से हुई। इन दोनों क्षेत्रों ने आर्थिक विकास को मजबूत आधार दिया और ग्रोथ अनुमान से ऊपर पहुंच गई।

आईएमएफ की प्रवक्ता ने इस प्रदर्शन को भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती का संकेत बताया. खास बात यह है कि वैश्विक स्तर पर ऊर्जा की कीमतों में झटका देखने को मिल रहा है। इसके बावजूद भारत की आर्थिक गतिविधियों में तेजी बनी हुई है। दुनियाभर में ऊर्जा की कीमतों में तेजी का असर महंगाई, कारोबार और आर्थिक गतिविधियों पर पड़ता है।

भारत भी अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा कच्चे तेल के आयात से पूरा करता है। ऐसे माहौल में 7.8 फीसदी की जीडीपी ग्रोथ को आईएमएफ ने भारतीय अर्थव्यवस्था की क्षमता और मजबूती से जोड़ा है।

जूली कोज़ैक ने कहा कि यह प्रदर्शन दिखाता है कि बाहरी दबावों के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था अपनी रफ्तार बनाए रखने में सक्षम है। आईएमएफ के मुताबिक भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि का असर सिर्फ देश तक सीमित नहीं है।

भारत दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से बढ़ने वाले देशों में शामिल है और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक अहम ग्रोथ इंजन बना हुआ है। सर्विस सेक्टर, एक्सपोर्ट और घरेलू आर्थिक गतिविधियों में मजबूती भारत की ग्रोथ को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रही है. ऐसे में आने वाले समय में भी भारत की आर्थिक स्थिति पर दुनिया के बड़े निवेशकों और आर्थिक संस्थानों की नजर बनी रहेगी।

चार सालों से डिजिटल मीडिया में काम कर रहे हैं। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय डेस्क की भी जिम्मेदारी संभालते हैं। सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार से 2022 में पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातक की डिग्री हासिल की। राजनीति, चुनाव, सामाजिक विषयों और साहित्य में रुचि है। तथ्यों की गहराई और भाषा की संवेदनशीलता पर जोर देते हैं। राजनीति से जुड़ी खबरों पर लगातार लिख रहे हैं।

एनएसई आईपीओ के लिए 1,700 से 1,785 प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय

-निवेशक 17 से लगा सकेंगे बोली, सब्सक्रिप्शन की अवधि 21 सितंबर तक रहेगी

नई दिल्ली।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के बहुप्रतीक्षित आईपीओ को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। एक्सचेंज ने आईपीओ के लिए 1,700 से 1,785 प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। आईपीओ में एक लॉट में आठ शेयर होंगे। इस हिसाब से अपर प्राइस बैंड पर रिटेल निवेशक को एक लॉट के लिए कम से कम 14,280 लगाने होंगे। एनएसई आईपीओ के लिए निवेशक 17 सितंबर से बोली लगा सकेंगे। आईपीओ में सब्सक्रिप्शन की अवधि 21 सितंबर तक है। वहीं, एंकर निवेशकों के लिए बोली प्रक्रिया 16 सितंबर तक होगी।आईपीओ में शेयरों का अलॉटमेंट 22 सितंबर को फाइनल हो सकता है। इसके बाद एनएसई के शेयरों की लिस्टिंग 24 सितंबर को प्रस्तावित है। एनएसई के शेयर बीएसई पर लिस्ट होंगे। आईपीओ में योग्य संस्थागत खरीदारों के लिए 50फीसदी हिस्सा आरक्षित रखा गया है। वहीं, 35फीसदी हिस्सा रिटेल निवेशकों और बाकी 15फीसदी हिस्सा नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए रखा है। आईपीओ की बुक-रनिंग प्रक्रिया के लिए कोटक महिंद्रा केपिटल को लीड मैनेजर नियुक्त किया है। वहीं एमयूएफजी इनटाइम इंडिया लिमिटेड इश्यू का रजिस्ट्रार है।ग्रे मार्केट में एनएसई के शेयरों को फिलहाल अच्छा प्रीमियम मिल रहा है। शुक्रवार सुबह करीब 7~30 बजे एनएसई शेयर का ग्रे मार्केट भाव 2,007 था। यह आईपीओ के अपर प्राइस बैंड 1,785 से करीब 222 ज्यादा है यानी ग्रे मार्केट में एनएसई आईपीओ का जीएमपी करीब 222 या 12.4फीसदी था। हालांकि, ग्रे मार्केट प्रीमियम अनौपचारिक संकेतक होता है और इसमें लिस्टिंग के समय वास्तविक प्रदर्शन की गारंटी नहीं होती।

एनएसई का आईपीओ पूरी तरह ऑफर फॉर सेल होगा। मौजूदा शेयरधारक इस इश्यू के तहत अधिकतम 12.64 करोड़ इक्विटी शेयर बेचेंगे। पहले ओएफएस के तहत 14.9 करोड़ शेयर बेचने की योजना थी। ऑफर का आकार घटने के साथ एनएसई आईपीओ का कुल इश्यू साइज भी पहले के अनुमान से कम हो गया है। शुरुआती तौर पर आईपीओ का आकार करीब 30,000 करोड़ रहने का अनुमान था। ओएफएस में कंपनी को नए शेयर जारी करके पैसा नहीं मिलेगा। इसके बजाय मौजूदा शेयरधारक अपने शेयर बेचकर आईपीओ के जरिए हिस्सेदारी कम करेंगे।

घरेलू बाजार में सोने और चांदी में गिरावट

मुम्बई ।

घरेलू बाजार में शुक्रवार को सोने में 1,571 रुपये और चांदी में 2,530 की गिरावट आई है। ये गिरावट ब्याज दरों में बढ़ोतरी के कारण आई है।

इसके अलावा अमेरिका-ईरान संघर्ष के कारण बढ़ी थोक ऊर्जा कीमतों से उपजे मुद्रास्फीति के दबाव और फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी की बढ़ती आशंका से भी वैश्विक बाजारों में गिरावट दर्ज की गयी है। उत्पादक मूल्य सूचकांक (पीपीआई) के आंकड़े आने के बाद, अगले सप्ताह फेडरल रिजर्व द्वारा 25 बेसिस अंक की ब्याज दर बढ़ोतरी की संभावना 61फीसदी से बढ़कर लगभग 71फीसदी हो गई है। इसी कारण निवेशक सोने-चांदी से दूर हो गये।

घरेलू वायदा बाजार, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के अक्टूबर अनुबंध में 1,217 रुपये की बड़ी गिरावट देखी गई और यह 1,51,124 रुपये प्रति दस ग्राम पर कारोबार कर रहा था। सुबह बाजार खुलने पर यह अनुबंध 1,571 रुपये की गिरावट के साथ 1,50,770 रुपये के भाव पर खुला था, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,52,341 रुपये था। दिन के कारोबार में इसने 1,51,175 रुपये का उच्च और 1,50,695 रुपये का निचला स्तर छुआ।

भारत के व्यापार नियमों पर अमेरिका-यूरोपीय संघ ने जताई गहरी चिंता

वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ने के प्रयासों पर नकारात्मक प्रभाव की आशंका

नई दिल्ली ।

भारत के दो सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार, अमेरिका और यूरोपीय संघ ने देश के नियामक और गैर-शुल्क व्यापार बाधाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि ये बाधाएं भारत के आर्थिक उदारीकरण और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में एकीकरण के प्रयासों को कमजोर कर रही हैं। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में भारत की आठवीं व्यापार नीति समीक्षा के दौरान इन चिंताओं को प्रमुखता से उठाया गया।

उठाई गई प्रमुख चिंताओं में उच्च टैरिफ, सैनिटरी एवं फाइटोसैनिटरी (एसपीएस) उपाय, व्यापार के लिए तकनीकी बाधाएं (टीबीटी), गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ), सेवाओं और डिजिटल व्यापार पर प्रतिबंध, स्थानीय सामग्री की आवश्यकताएं और सरकारी खरीद में बाधाएं शामिल हैं।

अमेरिका ने भारत सरकार के व्यापार समझौतों को आगे बढ़ाने के प्रयासों की सराहना की, लेकिन साथ ही शुल्कों में भारी कटौती करने, गैर-जरूरी एसपीएस एवं टीबीटी उपायों को हटाने, सेवाओं एवं डिजिटल व्यापार में बाधाएं खड़ी करने से बचने और विदेशी निर्यातकों व निवेशकों के साथ भेदभाव करने वाले नियमों को वापस लेने के लिए और कदम उठाने का आग्रह किया।

यूरोपीय संघ ने सीमा शुल्क की अनिश्चित प्रक्रियाओं, बोझिल एसपीएस आवश्यकताओं, बौद्धिक संपदा अधिकारों की सुरक्षा में कमियों और सरकारी खरीद तक पहुंच को सीमित किए जाने पर चिंता जताई। यूरोपीय संघ ने गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों (क्यूसीओ) के बढ़ते उपयोग पर विशेष ध्यान दिया, यह कहते हुए कि ये घरेलू मानकों पर आधारित हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर से अलग व अनुपालन करने में मुश्किल हैं। यूरोपीय संघ ने चेतावनी दी कि इससे भारतीय बाजार के दुनिया की अर्थव्यवस्था से और अधिक अलग-थलग होने और आर्थिक प्रगति के पलटने का खतरा है।

फंड फ्लो में गिरावट से एएमसी शेयरों पर नुवामा का भरोसा बढ़ा, रिटर्न की उम्मीद

निप्पॉन लाइफ इंडिया एसेट मैनेजमेंट में अगस्त में 2,850 करोड़ का शुद्ध निवेश आया

नई दिल्ली,।

म्युचुअल फंड में निवेशकों का पैसा आना जारी है। अगस्त में इक्विटी म्युचुअल फंड में आने वाला पैसा बढ़ा है और एसआईपी के जरिए निवेश भी नए रिकॉर्ड पर पहुंच गया। हालांकि इस बीच एचडीएफसी एएमसी और निप्पॉन लाइफ इंडिया एसेट मैनेजमेंट में आने वाले निवेश में गिरावट देखने को मिली है। दोनों कंपनियों में अगस्त में आया शुद्ध निवेश जुलाई के मुकाबले करीब 11 फीसदी घट गया। इसके बावजूद ब्रोकरेज फर्म नुवामा को दोनों कंपनियों के शेयरों पर भरोसा है। ब्रोकरेज ने एचडीएफसी एएमसी और निप्पॉन एएमसी दोनों पर खरीदारी की राय बरकरार रखी है। इतना ही नहीं, नुवामा ने एसेट मैनेजमेंट कंपनियों में इन दोनों को अपनी पहली पसंद में भी रखा है।

अगस्त में एचडीएफसी एएमसी में 2,420 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश आया। जुलाई के मुकाबले यह 11.4 फीसदी कम है। कुल निवेश में कंपनी का हिस्सा भी घटा है। अगस्त में यह 1.40 फीसदी अंक घटकर 7.7 फीसदी रह गया। हाल के महीनों के मुकाबले यह कमजोर आंकड़ा है। हालांकि नुवामा का मानना है कि इस गिरावट को केवल एचडीएफसी एएमसी की परेशानी के तौर पर नहीं देखना चाहिए। बड़ी और पहले से बाजार में मजबूत पकड़ रखने वाली एसेट मैनेजमेंट कंपनियों में आने वाले निवेश की रफ्तार कुछ धीमी हुई है। एचडीएफसी एएमसी में आई गिरावट भी इसी का हिस्सा है। निप्पॉन लाइफ इंडिया एसेट मैनेजमेंट में अगस्त के दौरान 2,850 करोड़ का शुद्ध निवेश आया।

फ़ूड सेफ़्टी विभाग ने ब्लिंकइट और ज़ेप्टो के डार्क स्टोर पर मारे छापे

गंदगी व एक्सपायर्ड फ़ूड आइटम मिले, 100 किलो पैकेट किए नष्ट, सेम्पल लैब भेजे

जयपुर,।

घरों पर राशन और खाने-पीने का सामान पहुंचाने का दावा करने वाली ऐप-आधारित कंपनियों- ब्लिंकइट और ज़ेप्टो की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। राजस्थान के जयपुर में फ़ूड सेफ़्टी टीमों ने ब्लिंकइट और ज़ेप्टो के डार्क स्टोर की जांच की और वहां एक्सपायर हो चुके और गलत तरीके से रखे खाने-पीने के सामान पाए गए। इस कार्रवाई के तहत एक्सपायर सामान को नष्ट किया गया, सैंपल लिए गए और साफ-सफाई व स्टोरेज से जुड़ी कमियों को ठीक करने के निर्देश दिए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इसके बाद अधिकारियों ने हजारों डेयरी पैकेट नष्ट कर दिए और लैब टेस्टिंग के लिए सैंपल लिए। ये छापेमारी फ़ूड सेफ़्टी विभाग की एक सेंट्रल टीम ने कंपनियों के डार्क स्टोर पर की, जो होम डिलीवरी के लिए हब का काम करते हैं। अधिकारियों ने बताया कि जांच के दौरान डेयरी प्रोडक्ट के करीब 2,350 पैकेट और बड़ी मात्रा में खराब फ़ूड आइटम मौके पर ही नष्ट कर दिए गए। जगतपुरा में जेप्टो के डार्क स्टोर पर, इंस्पेक्टरों को दूध, दही और छाछ के लगभग 1,550 पैकेट मिले, जिन्हें तय तापमान पर नहीं रखा गया था। नतीजतन, सारस और अमूल डेयरी प्रोडक्ट के करीब 1,550 पैकेट नष्ट कर दिए गए। इंस्पेक्टरों को 7 किलो एक्सपायर्ड फ़ूड आइटम भी मिले, जिनमें म्यूसली, कैंडी और भुजिया शामिल थे। इसके अलावा करीब 100 किलो खराब फ़ूड प्रोडक्ट, जिन पर बिक्री के लिए नहीं लिखा था, हटाकर नष्ट कर दिए गए।निरीक्षण टीम ने डार्क स्टोर और कोल्ड रूम एरिया के आसपास पान मसाला और ज़र्दा थूकने के निशान भी देखे। अधिकारियों ने स्टोर मैनेजमेंट को तुरंत साफ-सफाई और स्टोरेज के तरीकों में सुधार करने का निर्देश दिया। स्टोर मैनेजर की मौजूदगी में पीनट बटर और शहद के सैंपल लिए गए और टेस्टिंग के लिए सेंट्रल लैब भेजे गए।टीम ने आदर्श नगर में ब्लिंकइट के एक डार्क स्टोर का निरीक्षण किया, जहां उन्हें डेयरी उत्पादों के करीब 800 पैकेट और साथ ही बड़ी मात्रा में खराब और एक्सपायर हो चुके खाद्य पदार्थ मिले। जांच के दौरान अधिकारियों को खराब या एक्सपायर हो चुके स्टॉक मिले, जिनमें अमूल बटर के 24 पैकेट, बॉम्बे बंटा जूस की 60 बोतलें, कम फैट वाले दूध के 11 पाउच, ट्रॉपिकाना जूस, गाय का घी और लगभग 1,400 मिलीलीटर अमूल टोन्ड मिल्क शामिल थे।

त्योहारों पर लोगों को मिल सकती है चीनी के दामों में राहत, सरकार ने की तैयारी

करीब 2.5 लाख टन रिफाइंड चीनी बाजार में आने से कीमतों में आएगी नरमी

नई दिल्ली, ।

आगामी त्योहारों के दौरान मिठाइयों की मांग बढ़ने के साथ ही घरों में चीनी की खपत भी बढ़ जाती है। ऐसे समय में चीनी की कीमतों में तेजी आम लोगों का बजट बिगाड़ रही है। चीनी और सब्जियों समेत कई जरूरी खाद्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतों के बीच अब सरकार और चीनी रिफाइनरियां घरेलू बाजार में आपूर्ति बढ़ाने की तैयारी कर रही है। इसके तहत करीब 2.5 लाख टन रिफाइंड चीनी बाजार में उतारने की तैयारी है। माना जा रहा है कि अतिरिक्त स्टॉक उपलब्ध होने से आने वाले दिनों में चीनी की कीमतों में नरमी आ सकती है।

रिफाइंड चीनी को आम तौर पर वही सफेद और चमकदार चीनी माना जाता है, जिसका इस्तेमाल घरों में चाय, मिठाई और अन्य खाद्य पदार्थों में किया जाता है। इसे कच्ची चीनी यानी रॉ शुगर या गन्ने के रस से कई प्रक्रियाओं के जरिए तैयार किया जाता है। रिफाइनिंग के दौरान अशुद्धियों को हटाकर चीनी को साफ और खाने योग्य बनाया जाता है। देश में कई चीनी रिफाइनरियां बंदरगाहों के आसपास स्थित हैं, जहां कच्चा माल बाहर से मंगाया जाता है। इसके बाद उसे कई प्रक्रियाओं से गुजारकर सफेद रिफाइंड चीनी तैयार की जाती है और घरेलू बाजार में बिक्री के लिए भेजा जाता है।

रिपोर्ट के मुताबिक चीनी की कीमतों को लेकर राहत की उम्मीद इसलिए भी बढ़ी है क्योंकि थोक बाजार में इसके भाव पहले की तुलना में नीचे आए हैं। कुछ समय पहले मिल से निकलने वाली चीनी की कीमत करीब 67 से 70 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई थी। अब एक्स-मिल और थोक बाजार में इसके भाव घटकर करीब 45 से 55 रुपए प्रति किलो के बीच आ गए हैं। हालांकि, थोक बाजार में आई इस गिरावट का असर फिलहाल खुदरा बाजार में पूरी तरह दिखाई नहीं दे रहा है। उपभोक्ताओं को अभी भी दुकानों पर चीनी 60 से 65 रुपए प्रति किलो के भाव में मिल रही है।

यदि बाजार में अतिरिक्त 2.5 लाख टन रिफाइंड चीनी की आपूर्ति होती है और उपलब्ध स्टॉक बढ़ता है, तो आने वाले दिनों में खुदरा कीमतों में भी कमी आ सकती है।

त्योहारों से पहले कीमतों में यह संभावित गिरावट आम लोगों के घरेलू बजट के लिए राहत लेकर आ सकती है।

ब्रिक्स शक्ति-संघर्ष का अखाड़ा नहीं, सहयोग का सेतु बने

ललित गर्ग

कृत्रिम बुद्धिमत्ता इस सम्मेलन की सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियों में से एक है। एआई ने चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, उद्योग, वित्त और शासन के क्षेत्र में अभूतपूर्व संभावनाएं खोली हैं, लेकिन इसके साथ रोजगार, डेटा सुरक्षा, गलत सूचना, साइबर सुरक्षा और तकनीकी असमानता के खतरे भी बढ़े हैं।

नई दिल्ली में 12-13 सितंबर को होने वाला 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है, जब विश्व व्यवस्था गहरे संक्रमण से गुजर रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया का तनाव, आतंकवाद, व्यापारिक टकराव, ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा की चिंता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता की तेज होती चुनौती और वैश्विक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर उठते प्रश्नों ने दुनिया के सामने अनेक अनुत्तरित सवाल खड़े कर दिए हैं। इसके साथ ही अमेरिका की व्यापार एवं रणनीतिक नीतियों से पैदा हो रहा दबाव भी वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। ऐसे वातावरण में भारत की अध्यक्षता में होने वाला यह सम्मेलन केवल एक कूटनीतिक आयोजन नहीं, बल्कि बदलती विश्व व्यवस्था की दिशा तय करने का महत्वपूर्ण अवसर है। भारत ने अपनी अध्यक्षता का मूल मंत्र रखा है- लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के आधार पर भविष्य का निर्माण। ब्रिक्स अब 2006 में आरंभ हुई उस मूल अवधारणा से बहुत आगे निकल चुका है, जिसमें ब्राजील, रूस, भारत और चीन प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं के रूप में सामने आए थे और बाद में दक्षिण अफ्रीका भी इसमें शामिल हुआ। विस्तार के बाद यह 11 सदस्यीय समूह बन चुका है और इसका प्रभाव वैश्विक दक्षिण की राजनीति और अर्थव्यवस्था में लगातार बढ़ा है। वर्ष 2026 ब्रिक्स की स्थापना के दो दशक पूरे होने का वर्ष भी है। भारत के लिए यह अध्यक्षता इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि वह ब्रिक्स को किसी पश्चिम-विरोधी या अमेरिका-विरोधी मंच के रूप में नहीं, बल्कि विकासशील एवं उभरती अर्थव्यवस्थाओं की रचनात्मक, संतुलित और बहुपक्षीय आवाज के रूप में स्थापित करना चाहता है।

ब्राजील में 2025 के ब्रिक्स सम्मेलन में वैश्विक दक्षिण की आवाज को मजबूत करने, बहुपक्षीय व्यवस्था में सुधार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार वैश्विक शासन, जलवायु वित्त, स्वास्थ्य, व्यापार और वित्तीय सहयोग जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण सहमति बनी थी। रियो घोषणा में संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था को अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण बनाने और वैश्विक संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया गया था। साथ ही स्थानीय मुद्राओं में वित्तीय लेन-देन, सीमा-पार भुगतान व्यवस्था और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने की दिशा में भी आगे बढ़ने की बात कही गई थी। भारत को 2026 की अध्यक्षता सौंपते हुए ब्राजील ने नई दिल्ली से इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की अपेक्षा व्यक्त की थी। इस दृष्टि से दिल्ली सम्मेलन की पहली बड़ी कसौटी यही होगी कि ब्रिक्स घोषणाओं और वास्तविक उपलब्धियों के बीच की दूरी कितनी कम कर पाता है। भारत ने अध्यक्षता के दौरान 25 से अधिक शहरों में 350 से अधिक बैठकें और उच्चस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए हैं। राजनीतिक एवं सुरक्षा सहयोग, आर्थिक एवं वित्तीय सहयोग तथा सांस्कृतिक एवं जन-जन संपर्क-इन तीनों क्षेत्रों में व्यावहारिक परिणामों पर जोर दिया गया है। इसलिए अब दुनिया की नजर इस बात पर होगी कि सम्मेलन के अंत में केवल लंबा संयुक्त घोषणापत्र सामने आता है या कुछ ऐसे ठोस फैसले भी होते हैं जिनका असर आने वाले वर्षों में दिखाई दे।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता इस सम्मेलन की सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियों में से एक है। एआई ने चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, उद्योग, वित्त और शासन के क्षेत्र में अभूतपूर्व संभावनाएं खोली हैं, लेकिन इसके साथ रोजगार, डेटा सुरक्षा, गलत सूचना, साइबर सुरक्षा और तकनीकी असमानता के खतरे भी बढ़े हैं। ब्राजील सम्मेलन में भी एआई के वैश्विक शासन को लेकर व्यापक चिंता व्यक्त की गई थी। भारत अब ब्रिक्स देशों के बीच एआई, उन्नत कंप्यूटिंग, क्वांटम तकनीक और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की दिशा में जोर दे रहा है। यदि ब्रिक्स तकनीक को कुछ शक्तिशाली देशों और कंपनियों के नियंत्रण से बाहर निकालकर विकासशील देशों की पहुंच तक ले जाने की प्रभावी व्यवस्था बना सके, तो यह उसकी बड़ी उपलब्धि होगी। दूसरी बड़ी चुनौती आर्थिक है। विश्व अर्थव्यवस्था में ब्रिक्स का वजन बढ़ रहा है, लेकिन समूह के भीतर आपसी व्यापार अभी भी उसकी संभावित क्षमता के अनुरूप नहीं है। भारत आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक मजबूत और विविध बनाने, छोटे एवं मध्यम उद्योगों को वित्त उपलब्ध कराने तथा स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहा है। जयपुर में हुई ब्रिक्स व्यापार मंत्रियों की बैठक में ब्रिक्स इकनोमिक पार्टनरशिप 2030, एमएसएमई के लिए वित्तीय सुविधा और अधिक संतुलित व्यापार जैसे मुद्दों पर प्रगति हुई है।

यहां 'डी-डॉलराइजेशन' का प्रश्न भी महत्वपूर्ण है, लेकिन भारत का दृष्टिकोण अत्यंत व्यावहारिक है। भारत किसी नई साझा ब्रिक्स मुद्रा के निर्माण की जल्दबाजी में नहीं है। इसके बजाय सीमा-पार डिजिटल भुगतान की ऐसी व्यवस्था विकसित करने पर जोर है, जिससे सदस्य देश अपनी-अपनी राष्ट्रीय मुद्राओं में अपेक्षाकृत सुगम व्यापार कर सकें। यह दृष्टिकोण अमेरिकी डॉलर के खिलाफ किसी राजनीतिक मोचेबंदी से अधिक वित्तीय स्वायत्तता और लेन-देन की सुविधा का प्रयास है। परंतु ब्रिक्स की सबसे बड़ी कमजोरी उसकी आंतरिक विविधता और मतभेद हैं। भारत और चीन के बीच सीमा एवं रणनीतिक अविश्वास की विरासत अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। रूस और पश्चिम के बीच संघर्ष, ईरान से जुड़े तनाव तथा पश्चिम एशिया की जटिल परिस्थितियां भी ब्रिक्स के लिए साझा राजनीतिक रुख बनाना कठिन बनाती हैं। विशेष रूप से पश्चिम एशिया के मौजूदा संकट में ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों के अलग-अलग हित हैं। ऐसे में ब्रिक्स यदि हर अंतरराष्ट्रीय मुद्दे पर एकमत नहीं हो पाता तो यह उसकी सीमाओं को उजागर करेगा।

यही कारण है कि भारत के सामने इस सम्मेलन में सबसे कठिन कूटनीतिक संतुलन है। उसे चीन और रूस के साथ सहयोग भी बढ़ाना है, लेकिन अमेरिका और यूरोप सहित पश्चिमी देशों से अपने आर्थिक एवं रणनीतिक संबंध भी बनाए रखने हैं। भारत का हित किसी एक शक्ति-ध्रुव के साथ खड़े होने में नहीं, बल्कि बहुध्रुवीय विश्व में अपनी रणनीतिक स्वायत्तता मजबूत करने में है। ब्रिक्स को यदि केवल 'पश्चिम के विकल्प' के रूप में प्रस्तुत किया गया तो उसकी स्वीकार्यता सीमित हो सकती है, लेकिन यदि वह वैश्विक दक्षिण के विकास, शांति, तकनीकी समानता और न्यायपूर्ण प्रतिनिधित्व का मंच बनता है, तो उसका महत्व कहीं अधिक बढ़ेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लंबे समय से वैश्विक संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर जोर देते रहे हैं। उनका तर्क है कि बीसवीं सदी में बनाई गई संस्थाओं को इक्कीसवीं सदी की वास्तविकताओं के अनुरूप बदलना होगा। आज विश्व अर्थव्यवस्था में जिन देशों का योगदान बढ़ा है, यदि उन्हें निर्णय प्रक्रिया में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिलता तो संस्थाओं की विश्वसनीयता और प्रभावशीलता दोनों प्रभावित होती हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक जैसी संस्थाओं में सुधार की मांग इसी व्यापक संदर्भ का हिस्सा है। ब्रिक्स इस मांग को संगठित आवाज देने का प्रभावी माध्यम बन सकता है।

लेकिन सम्मेलन की सफलता का वास्तविक पैमाना अमेरिका की आलोचना या पश्चिमी व्यवस्था को चुनौती देना नहीं होगा। सफलता तब मानी जाएगी जब ब्रिक्स दुनिया को बेहतर विकल्प दे-ऐसा विकल्प जिसमें आर्थिक सहयोग हो, तकनीकी साझेदारी हो, ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा हो, आतंकवाद के विरुद्ध साझा प्रतिबद्धता हो, आपूर्ति श्रृंखलाओं की सुरक्षा हो, पर्यावरणीय संतुलन हो और विकासशील देशों की वास्तविक भागीदारी हो। भारत की 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना तभी सार्थक होगी, जब ब्रिक्स शक्ति-संघर्ष का नया अखाड़ा बनने के बजाय सहयोग का नया सेतु बने। अंततः दिल्ली सम्मेलन भारत की कूटनीतिक क्षमता की भी परीक्षा है और ब्रिक्स की प्रासंगिकता की भी। दुनिया आज युद्ध से अधिक शांति, प्रतिस्पर्धा से अधिक सहयोग और प्रभुत्व से अधिक साझेदारी चाहती है। मानवता का भविष्य केवल हथियारों, अंतरिक्ष अभियानों या कृत्रिम बुद्धिमत्ता की शक्ति में नहीं, बल्कि पृथ्वी पर रहने वाले मनुष्यों के बीच विश्वास, सह-अस्तित्व और साझा विकास में सुरक्षित है। यदि नई दिल्ली सम्मेलन घोषणाओं से आगे बढ़कर इस विश्वास को संस्थागत रूप देने की दिशा में कुछ ठोस कदम उठा सका, तो यह भारत की अध्यक्षता की बड़ी उपलब्धि होगी। अन्यथा ब्रिक्स भी अनेक वैश्विक मंचों की तरह उम्मीदें जगाने वाला, लेकिन अपेक्षाओं पर अधूरा उतरने वाला संगठन बनकर रह जाएगा।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

संपादकीय

पनीर का अर्थशास्त्र

एक समय देश में विशिष्ट खाद्य पदार्थ माने जाने वाले पनीर को लेकर आज गहराता अविश्वास चिंता की बात है। मुनाफे के लिये उपभोक्ता के विश्वास से खिलवाड़ का यह धंधा पूरे देश में खूब चल रहा है। दिल्ली में सामने आया नकली पनीर का मामला इसी कड़ी का एक हिस्सा है। निस्संदेह, ये मामले हमारी खाद्य सुरक्षा व्यवस्था की एक बड़ी कमजोरी को ही उजागर करते हैं। ये विडंबना ही है कि किसी उत्पाद की लागत, उसमें प्रयोग की जाने वाली वस्तुओं और ग्राहक को इस बाबत दी जाने वाली जानकारी में अकसर विरोधाभास पाया जाता है। देश में एनालॉग पनीर की धड़ल्ले से बिक्री के पीछे भी मुनाफे का प्रलोभन ही है। जिसमें वेजिटेबल फैट,स्टार्च, प्लांट प्रोटीन और गैर डेयरी उत्पादों को मिलाया जाता है। दरअसल, यह पनीर, असली दूध वाले पनीर की तुलना में काफी सस्ता होता है और उत्पादकों के मुनाफे को बढ़ाता है। जानकारों का अनुमान है कि कीमतों का यह अंतर चालीस से पचास फीसदी तक हो सकता है। ऐसे में जब रेस्टोरेंट,कैटरर और खाने-पीने के दूसरे कारोबार कम मुनाफे पर करते हैं तो महंगे पनीर के जगह सस्ता पनीर इस्तेमाल करने का लालच होना एक स्वाभाविक बात है। दरअसल, इसका मतलब यह कतई नहीं है कि हर एनालॉग प्रोडक्ट वास्तव में खाने की दृष्टि से असुरक्षित ही होता है। वास्तव में मुख्य समस्या धोखा देने की है। यदि किसी डेयरी पदार्थों से मुक्त विकल्प की पहचान स्पष्ट तौर पर एनालॉग पनीर के तौर पर की जाती है, तो ग्राहक सोच-समझकर उसको खरीदने के बारे में फैसला स्वतंत्र रूप से ले सकते हैं। लेकिन सबसे बड़ी बात इसको लेकर ईमानदारी न होना है। जब विक्रेता इसे दूध का पनीर बताकर बेचने लगते हैं तो उपभोक्ता निर्णय नहीं ले पाते। ऐसे में असली पनीर वाली पौष्टिकता उन्हें नहीं मिल पाती। निर्विवाद रूप से इस मामले में रेस्टोरेंट सबसे कमजोर कड़ी के रूप में सामने आते हैं। जिनका मुख्य मकसद अपने मुनाफे को प्राथमिकता देना ही होता है। वास्तव में जब भी कोई रेस्टोरेंट अपने किचन में एनालॉग पनीर आदि का इस्तेमाल करना शुरू करता है और उससे कोई व्यंजन बना लेता है तो ग्राहक नहीं समझ पाता है कि असली पनीर है या नकली पनीर है। देश के खाद्य पदार्थों का नियमन करने वाली संस्था एफएसएसएआई ने फूड-सर्विस देने वाले संस्थानों को स्पष्ट निर्देश दे रखे हैं कि वे यह सुनिश्चित करें कि पनीर वाली डिश में एनालॉग पनीर का इस्तेमाल ग्राहकों को सही जानकारी दिए बिना न किया जाए। इस विवाद के चलते देश के कई राज्यों ने कृत्रिम पनीर के खिलाफ सख्त कदम उठाए हैं। पंजाब सरकार ने इसके बनाने, संग्रहण करने, ट्रांसपोर्ट करने, बांटने और पनीर के नाम पर बेचने पर एक साल के लिये रोक लगा दी है। लेकिन यह भी एक हकीकत है कि एनालॉग पनीर के खिलाफ छापेमारी और उस पर प्रतिबंध लगाने मात्र से यह समस्या हल नहीं होने वाली है। दरअसल, नियामकों को उन आर्थिक कारणों पर भी गंभीरता से ध्यान देना होगा, जिसकी वजह से असली पनीर की जगह नकली पनीर का इस्तेमाल धड़ल्ले से किया जा रहा है। वास्तव में पनीर की जांच और गुणवत्ता के असली पनीर की उपलब्धता को सुनिश्चित करना जरूरी है। साथ ही तमाम रेस्टोरेंट व होटलों को उन खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता के लिये जवाबदेह बनाना होगा, जिन्हें वे खरीदते हैं और ग्राहकों को परोसते हैं।

चिंतन-मनन

ज्ञेय और ज्ञान का संबंध

दर्शन के क्षेत्र में ज्ञान और ज्ञेय की मीमांसा चिरकाल से होती रही है। आदर्शवादी और विज्ञानवादी दर्शन ज्ञेय की स्वतंत्र सत्ता स्वीकार नहीं करते। वे केवल ज्ञान की ही सत्ता को मान्य करते हैं। अनेकांत का मूल आधार यह है कि ज्ञान की भांति ज्ञेय की भी स्वतंत्र सत्ता है। द्रव्य ज्ञान के द्वारा जाना जाता है, इसलिए वह ज्ञेय है। ज्ञेय चैतन्य के द्वारा जाना जाता है, इसलिए वह ज्ञान है। ज्ञेय और ज्ञान अन्योन्याश्रित नहीं हैं। ज्ञेय है, इसलिए ज्ञान है और ज्ञान है इसलिए ज्ञेय है, इस प्रकार यदि एक के होने पर दूसरे का होना सिद्ध हो तो ज्ञेय और ज्ञान दोनों की स्वतंत्र सत्ता सिद्ध नहीं हो सकती। द्रव्य का होना ज्ञान पर निर्भर नहीं है और ज्ञान का होना द्रव्य पर निर्भर नहीं है। इसलिए द्रव्य और ज्ञान दोनों स्वतंत्र हैं। ज्ञान के द्वारा द्रव्य जाना जाता है, इसलिए उनमें ज्ञेय और ज्ञान का संबंध है। ज्ञेय अनंत है और ज्ञान भी अनंत है। अनंत को अनंत के द्वारा जाना जा सकता है। जानने का अगला पर्याय है कहना। अनंत को जाना जा सकता है, कहा नहीं जा सकता। कहने की शक्ति बहुत सीमित है। जिसका ज्ञान अनावृत्त होता है, वह भी उतना ही कह सकता है जितना कोई दूसरा कह सकता है। भाषा की क्षमता ही ऐसी है कि उसके द्वारा एक बार में एक साथ एक ही शब्द कहा जा सकता है।

डोनाल्ड ट्रंप के गुरु हैं मोदी?

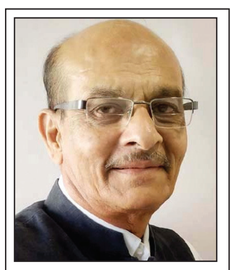
सनत जैन

अमेरिका सहित दुनिया के देशों में मोदी मॉडल की गूंज...

क्या दुनिया की सबसे पुरानी लोकतांत्रिक व्यवस्था अब दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र से चुनाव जीतने के नए-नए तरीके सीख रही है? यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण हो गया है, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में भारत की चुनाव व्यवस्था का सार्वजनिक रूप से उल्लेख करते हुए, उसे अमेरिका के लिए उदाहरण के तौर पर पेश किया है। अगस्त में ट्रंप ने भारत के मतदाता पहचान पत्र और नागरिकता सत्यापन व्यवस्था का हवाला देते हुए अमेरिकी चुनावों में कड़े पहचान नियम लागू करने की वकालत की। सीधे यह कहना कि ट्रंप, नरेंद्र मोदी के शिष्य बन गए हैं, ठीक नहीं है, लेकिन जिस तरह से नरेंद्र मोदी को ट्रम्प फॉलो कर रहे हैं, दोनों नेताओं की राजनीति में कुछ दिलचस्प और विचित्र समानताएं जरूर दिखने को मिलती हैं। यही तुलना इस तरह के विचार को बल देती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले वर्षों में एक मजबूत राजनीतिक ब्रांड विश्व गुरु के रूप में भारत सहित सारी दुनिया में अपने आपको पेश किया है। समर्थक उन्हें विश्व मंच पर भारत की प्रभावी आवाज और विश्व गुरु के रूप में पिछले कई वर्षों से प्रस्तुत करते हैं। मोदी को विभिन्न देशों से अनेक सर्वोच्च नागरिक सम्मान मिले हैं। दुनिया के किसी भी राष्ट्रॉध्यक्ष को इतने कम समय में इतने सम्मान नहीं मिले हैं। किसी नेता की अंतर्राष्ट्रीय लोकप्रियता और उसकी चुनावी रणनीति तथा लंबे समय तक सत्ता में बने रहने को उसकी सफलता से जोड़कर देखा जाता है। ट्रंप की राजनीति का सबसे बड़ा हथियार उनकी सीधी, आक्रामक और जोखिम लेने वाली शैली है। दूसरे कार्यकाल में उन्होंने टैरिफ को आर्थिक और राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया। इसके परिणामस्वरूप अमेरिका में महंगाई और आर्थिक दबाव बना। आईएमएफ के अनुसार 2025 में अमेरिकी महंगाई पर टैरिफ का बड़ा असर दिखाई दिया। अमेरिका का सरकारी कर्ज 123.9 प्रतिशत जीडीपी की तुलना पर पहुंच गया। कुछ ऐसी ही स्थिति भारत की है। पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में भारत के ऊपर कर्ज बढ़ता ही जा रहा है। अब असली समानता अर्थव्यवस्था से ज्यादा चुनावी राजनीति में दिखाई देने लगी है। भारत की चुनावी राजनीति में मतदाता पहचान, नागरिकता, मतदाता सूची और सत्यापन जैसे मुद्दे महत्वपूर्ण हैं। भारत में चुनाव आयोग की कार्य प्रणाली को लेकर तरह-तरह की चचाएं हो रही हैं। पिछले वर्षों में चुनाव आयोग को लेकर बहुत सारे मामले हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट भी गए हैं। इसके बाद भी डोनाल्ड ट्रंप इन्हीं मुद्दों को अमेरिकी में लाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने भारत की चुनाव व्यवस्था का उदाहरण देते हुए सेव एक्ट के समर्थन में नागरिकता प्रमाण और फोटो आईडी जैसी शर्तों की वकालत अमेरिका में शुरू कर दी है। भारत की एसआईआर और अमेरिका में प्रस्तावित चुनावी नियमों को समान बताना सही नहीं होगा। दोनों देशों की चुनाव व्यवस्था, संघीय ढांचा और मतदाता पंजीकरण प्रणाली अलग है। इसके बाद भी ट्रंप भारत की व्यवस्था को अमेरिका में लागू करने की कोशिश कर रहे हैं। अब आते हैं, सबसे दिलचस्प मुद्दे रेवड़ी या चुनाव के पहले मतदाताओं को आर्थिक सहायता देकर अपने पक्ष में करना। 9 सितंबर 2026 को ट्रंप ने घोषणा की है, यदि रिपब्लिकन पार्टी प्रतिनिधि सभा और सीनेट दोनों में बहुमत बनाए रखती है। तो अमेरिकी वयस्क नागरिकों को 5,000 डॉलर का डिविडेंड दिया जाएगा। इसका संभावित खर्च एक ट्रिलियन डॉलर से अधिक होगा। भारत में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा कथित तौर पर 15 लाख रुपये चुनाव जीतने पर देने का वादा किया गया था, जिसे बाद में चुनावी जुमला करार दिया गया। चुनाव के पहले भारत में इस तरह की घोषणा पिछले कई चुनाव में देखने को मिल रही हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी चुनावी सभाओं में इसे फ्री की रेवड़ी कहते थे। चुनाव के ठीक पहले अब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी यही रास्ता अखत्यार किया है। यहीं से वर्तमान राजनीति के नए समीकरण शुरू होते हैं। बड़ी संख्या में मतदाताओं को नगद राशि देकर अपने पक्ष में मतदान कराकर चुनाव जीतना। पहले नेता की छवि, राजनीतिक दल की विचारधारा, राष्ट्रवाद, आम जनता के लिए घोषणा पत्र, जिसमें सरकार किस तरह से काम करेगी इसका उल्लेख होता था। विपक्षी पार्टी के खिलाफ प्रचार कर उनकी स्थिति को कमजोर करना चुनाव लड़ने का माध्यम होता था। पिछले एक दशक में सारी दुनिया के देशों में राजनीति की दिशा और दशा बदली है। जो सत्ता में काबिज है वह सत्ता छोड़ना नहीं चाहता है। चीन, अमेरिका, इजराइल एवं अन्य लोकतांत्रिक देशों के शासक अपना पद छोड़ना नहीं चाहते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी कहा था वह तीसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनना चाहते हैं। क्या यह मोदी मॉडल है? कहना जल्दबाजी होगी। इतना जरूर कहा जा सकता है, जिस तरह भारतीय राजनीति में नेतृत्व की व्यक्तिगत छवि, अधिकारों का केंद्रीकरण, जनसंपर्क, राष्ट्रहित, धार्मिक ध्रुवीकरण, फ्री की रेवड़ी जैसी योजनाएं चुनावी रणनीति का हिस्सा हैं, वैसी ही प्रवृत्तियां अमेरिकी राजनीति में भी दिखाई दे रही हैं। असली सवाल यह नहीं है, मोदी ट्रंप के गुरु हैं या नहीं। असली सवाल यह है, क्या दुनिया की लोकतांत्रिक राजनीति अब एक-दूसरे देश से चुनाव जीतने की तकनीक सीख रही है? ट्रंप भारत से सबक ले रहे हैं, तो यह भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकतांत्रिक शक्ति की उपलब्धि मानना होगा। लोकतंत्र की सफलता केवल चुनाव जीतने में नहीं, बल्कि निष्पक्ष मतदाता सूची, स्वतंत्र संस्थाओं, पारदर्शी चुनाव, मजबूत अर्थव्यवस्था और नागरिक अधिकारों की रक्षा से होती है। इस दृष्टि से भविष्य में सवाल पूछेगा, पहले भारत व्यवस्था में अमेरिका से प्रेरणा लेता था, अब समय बदला है। अमेरिका जैसा विकसित राष्ट्र भारत से चुनावी राजनीति सीख रहा है? अगर ऐसा है, तो इसे भारत की बड़ी वैश्विक उपलब्धि माना जाएगा। जिस तरह की शासन व्यवस्था विकसित हो रही है उसमें लोकतांत्रिक व्यवस्था और नागरिक अधिकार धीरे-धीरे खत्म हो रहे हैं, पूंजीवादी व्यवस्था का निर्माण हो रहा है। इससे भी इनकार नहीं किया जा सकता है।

बिहार में बाढ़ की बड़ी चुनौती के बीच राहत का सहारा

कांतिलाल मांडोत

नदियों के उफान से लाखों प्रभावित, प्रशासन ने भोजन से लेकर नाव और चिकित्सा तक बढ़ाई व्यवस्था...

बिहार इस समय बाढ़ की गंभीर चुनौती से गुजर रहा है। राज्य की प्रमुख नदियों गंगा, कोसी और गंडक के जलस्तर ने कई जिलों में जनजीवन को प्रभावित किया है। 14 जिलों के 82 से अधिक प्रखंडों और सैकड़ों ग्राम पंचायतों में लाखों लोग बाढ़ की चपेट में हैं। कहीं घरों में पानी घुस गया है तो कहीं गांवों का संपर्क मुख्य मार्गों से टूट गया है। खेतों में पानी भरने से खेती प्रभावित हुई है और रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भी लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे समय में सबसे बड़ी चुनौती बाढ़ के पानी के बीच प्रभावित परिवारों तक भोजन, पीने का पानी, दवाइयां और सुरक्षित आवागमन की सुविधा पहुंचाना है।

बाढ़ की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि राज्य के करीब 40 लाख से अधिक लोग इसके प्रभाव में बताए जा रहे हैं। पटना, भोजपुर, सारण, वैशाली, भागलपुर, बेगूसराय, बक्सर, समस्तीपुर, मुंगेर, कटिहार, लखीसराय, खगड़िया, पूर्णिया और अरवल जैसे जिलों में बाढ़ का असर व्यापक है। कई स्थानों पर पानी गांवों के भीतर तक पहुंच गया है। निचले इलाकों में रहने वाले परिवारों के लिए सुरक्षित स्थान तक पहुंचना आसान नहीं है। सड़कों और संपर्क मार्गों पर पानी आने के कारण नाव ही कई जगहों पर आवागमन का प्रमुख साधन बनी हुई है।

हालांकि बाढ़ की स्थिति एक जैसी नहीं है। कोसी और सोन के जलस्तर में कमी आने से कुछ इलाकों में राहत की उम्मीद बनी है। गंडक के जलस्राव में भी स्थिरता दिखाई दे रही है। लेकिन गंगा का जलस्तर अब भी चिंता का कारण बना हुआ है। भागलपुर के सुल्तानगंज में गंगा का जलस्तर 36.80 मीटर दर्ज किया गया, जो वर्ष 2021 में दर्ज किए गए पिछले उच्चतम बाढ़ स्तर से थोड़ा ऊपर है। ऐसे में नदी किनारे बसे गांवों और निचले क्षेत्रों में प्रशासन को लगातार निगरानी रखनी पड़ रही है। बाढ़ का पानी घटने की स्थिति में भी खतरा पूरी तरह समाप्त नहीं माना जा सकता, क्योंकि बारिश और ऊपरी क्षेत्रों से आने वाले पानी के कारण जलस्तर में दोबारा वृद्धि हो सकती है। बाढ़ के दौरान सबसे महत्वपूर्ण सवाल प्रभावित लोगों के भोजन का होता है। जिन परिवारों के घर पानी से घिर जाते हैं, उनके लिए घर में रखा अनाज और खाना पकाने की व्यवस्था लंबे समय तक बनाए रखना मुश्किल होता है। इसे ध्यान में रखते हुए राज्य में सैकड़ों सामुदायिक रसोइयां संचालित की जा रही हैं। इन रसोइयों के माध्यम से लाखों लोगों को सुबह और शाम भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। यह व्यवस्था केवल भोजन पहुंचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि बाढ़ में फंसे परिवारों के लिए जीवन की सबसे जरूरी जरूरत पूरी करने का माध्यम बनी हुई है। राहत शिविरों में बच्चों के लिए दूध की व्यवस्था और महिलाओं के लिए आवश्यक स्वच्छता सामग्री उपलब्ध कराने की पहल भी महत्वपूर्ण है। बाढ़ पीड़ितों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के साथ उनके अस्थायी रहने की व्यवस्था भी प्रशासन के सामने बड़ी जिम्मेदारी है। राहत शिविरों में हजारों लोगों के रहने, भोजन और उपचार की व्यवस्था की गई है। जिन परिवारों के मकान पानी से घिर गए हैं या जिनके घरों में रहना सुरक्षित नहीं है, उनके लिए ऐसे शिविर अस्थायी आश्रय का काम कर रहे हैं। इन शिविरों में साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय और स्वास्थ्य सुविधाओं पर विशेष ध्यान देना जरूरी है, क्योंकि लंबे समय तक बाढ़ का पानी रहने से बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। बाढ़ के बाद सबसे अधिक चिंता बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और गंभीर बीमारी से पीड़ित लोगों को लेकर होती है। सामान्य परिस्थितियों में अस्पताल तक पहुंचना आसान होता है, लेकिन पानी से घिरे गांवों में यह काम कठिन हो जाता है। इसी वजह से प्रभावित इलाकों में चिकित्सा शिविर लगाए गए हैं और नावों के माध्यम से भी स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा रही हैं। नाव से चलने वाली चिकित्सकीय व्यवस्था उन क्षेत्रों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है जहां सड़क संपर्क बाधित हो चुका है। दवाइयों की उपलब्धता के साथ चिकित्सकीय दलों की नियमित मौजूदगी बाढ़ पीड़ितों को बड़ी राहत दे सकती है।

प्रशासन की ओर से प्रभावित परिवारों को तिरपाल और सूखा राशन भी उपलब्ध कराया जा रहा है। एक लाख से अधिक तिरपाल और हजारों सूखा राशन पैकेट वितरित किए जाने की जानकारी है। जिन परिवारों के घरों में पानी घुस गया है, उनके लिए तिरपाल तत्काल आश्रय उपलब्ध कराने में मददगार हैं। वहीं सूखा राशन उन क्षेत्रों में जरूरी है जहां सामान्य भोजन सामग्री पहुंचाना कठिन हो रहा है। बाढ़ केवल मनुष्य ही नहीं, पशुधन को भी प्रभावित करती है। ग्रामीण परिवारों के लिए पशु उनकी आजीविका का महत्वपूर्ण आधार होते हैं। इसलिए हजारों क्विंटल पशुचारा वितरित किया जाना राहत कार्य का जरूरी हिस्सा है। आवागमन की समस्या से निपटने के लिए बड़ी संख्या में नावों का संचालन किया जा रहा है। बाढ़ के समय नाव केवल यातायात का साधन नहीं रहती, बल्कि भोजन, दवा और राहत सामग्री पहुंचाने से लेकर लोगों को सुरक्षित स्थानों तक निकालने का महत्वपूर्ण माध्यम बन जाती है। प्रभावित क्षेत्रों में बचाव कार्य के लिए राज्य आपदा मोचन बल और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की टीमें भी तैनात की गई हैं। इन दलों की मौजूदगी किसी आकस्मिक स्थिति में तेजी से बचाव अभियान चलाने के लिए जरूरी है। खासकर रात के समय या अचानक जलस्तर बढ़ने की स्थिति में प्रशिक्षित बचाव दलों की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। बाढ़ के दौरान अंतिम संस्कार जैसी मानवीय और सामाजिक जरूरतें भी प्रभावित होती हैं। नदी किनारे बने अनेक श्मशान घाट पानी में डूब जाने से परिवारों के सामने कठिन परिस्थितियां पैदा हो गई हैं। ऐसी स्थिति में प्रशासन को प्रभावित क्षेत्रों में वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराने तथा आवश्यक सहयोग देने की व्यवस्था करनी चाहिए। संकट की घड़ी में सम्मानजनक अंतिम संस्कार की सुविधा भी राहत कार्य का अभिन्न हिस्सा है। बिहार में इस वर्ष बारिश का कुल आंकड़ा सामान्य से कम रहा है, लेकिन सितंबर में वर्षा सामान्य से अधिक दर्ज की गई है। यही असमान वर्षा बाढ़ की स्थिति को जटिल बना रही है। आने वाले दिनों में भी कुछ क्षेत्रों में बारिश की संभावना है, इसलिए नदी किनारे बसे लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। प्रशासन के लिए भी चुनौती यही है कि राहत व्यवस्था केवल वर्तमान स्थिति तक सीमित न रहे, बल्कि अगले कुछ दिनों की संभावित बारिश और जलस्तर को ध्यान में रखकर पहले से तैयारी रखी जाए। बाढ़ के बीच सबसे बड़ी उम्मीद राहत और बचाव व्यवस्था की मजबूती से जुड़ी है। सामुदायिक रसोइयों से भोजन, राहत शिविरों में आश्रय, नावों से आवागमन, चिकित्सा शिविरों से उपचार, बच्चों के लिए दूध, महिलाओं के लिए जरूरी सामग्री और पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था यह बताती है कि संकट के समय राहत तंत्र को कई स्तरों पर काम करना पड़ता है।

संक्षिप्त समाचार

मदद से पीछे हटे अमेरिका जैसे देश, ट्रंप के फैसले से राहत कार्यों को लगा बड़ा झटका

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में अगस्त के अंत में ग्लेशियर टूटने से आई सदी की सबसे भीषण बाढ़ और भूस्खलन के दो हफ्ते बाद भी राहत कार्यों में भारी लाचारी देखने को मिल रही है। नेपाल और पड़ोसी तिब्बत में 1,300 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और करीब 5,000 लोग अब भी लापता हैं। इस मानवीय संकट के बीच अमेरिकी विदेशी सहायता एजेंसी यूएस एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएआईडी) का पूरी तरह गायब रहना राहत और बचाव कार्यों पर भारी पड़ रहा है। ट्रंप प्रशासन ने पिछले साल की शुरुआत में यूएसएआईडी को बंद कर दिया था सीधा असर अब जमीन पर दिख रहा है। नेपाल में अमेरिकी फंड से चलने वाले कई गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) को अपने कार्यक्रम बंद करने पड़े थे, जिससे अचानक आई इस आपदा के समय वे त्वरित राहत सामग्री और संसाधन उपलब्ध कराने में असमर्थ साबित हो रहे हैं। भारत ने बुधवार को विनाशकारी बाढ़ की मार झेल रहे नेपाल के लिए मानवीय सहायता की 7वीं खेप भेजी। भारतीय वायुसेना के विशेष सी-17 परिवहन विमान के जरिये 35 टन सामान और उपकरण भेजे गए हैं। भारत लगातार बाढ़ प्रभावित नेपाल को राहत सामग्री और आवश्यक दवाएं भेज रहा है। 2015 का भूकंप : भूकंप के 48 घंटे के भीतर अमेरिका ने 128 सदस्यीय विशेषज्ञ आपदा प्रतिक्रिया दल भेजा था और तुरंत 1 करोड़ डॉलर की मानवीय मदद का ऐलान किया था।

ईरान युद्ध का असर: ट्रंप बोले-चुनाव के बाद ही गिरेंगे तेल के दाम; रिपब्लिकन खेमे की क्यों बढ़ी चिंता

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि ईरान युद्ध की वजह से बढ़े तेल के दाम जल्द नीचे आने की उम्मीद नहीं है। उन्होंने कहा कि तेल की कीमतों में गिरावट अमेरिकी मध्यावधि चुनाव के बाद ही शुरू हो सकती है। बुधवार को तेल की कीमतों में 3 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया। जुलाई के बाद पहली बार ऐसा हुआ है। इस्राइल और अमेरिका की ओर से ईरान के खिलाफ चल रहे युद्ध के बीच दोनों तरफ से हमले तेज हुए हैं। ट्रंप ने कहा, चुनाव के तुरंत बाद तेल की कीमतें तेजी से नीचे जाएंगी। उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि इसमें मध्यावधि चुनाव से थोड़ा ज्यादा समय लग सकता है। ट्रंप यह बात डलास जाने से पहले पत्रकारों से बातचीत में कह रहे थे। वह वहां मध्यावधि चुनाव के लिए रिपब्लिकन पार्टी के सम्मेलन में जाने वाले थे।

फिलहाल शामिल होने का फैसला टाल सकता है बांग्लादेश, रणनीतिक शर्तों पर अटकी बात

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने सऊदी अरब, तुर्किये और पाकिस्तान के मक्का रक्षा गठबंधन में शामिल होने का दरवाजा खुला रखा है। हालांकि सैन्य शर्तों और जिम्मेदारियों का पूरा खाका सामने आने तक वह अंतिम फैसला टालने के मूड में दिखाई दे रहा है। इसके तहत किसी एक सदस्य पर हमला बाकी सदस्यों के खिलाफ भी हमला माना जाएगा। बांग्लादेशी रणनीतिक हलकों में सवाल है कि किसी सदस्य पर हमले की स्थिति में ढाका की सैन्य प्रतिबद्धता किस सीमा तक होगी। रिटायर्ड मेजर जनरल फजले इलाही अकबर ने अखबार प्रोथोम आलो में कहा कि सदस्यता पर फैसला लेने से पहले समझौते की हर शर्त और धारा की गहन जांच होनी चाहिए। साथ ही संसद, राजनीतिक दलों और अन्य हितधारकों से व्यापक मशविरा होना चाहिए। विदेश राज्य मंत्री शमा ओबैद ने कहा कि ढाका स्थिति का आकलन कर रहा है और किसी भी फैसले में राष्ट्रीय हित प्राथमिकता होगी। विदेश राज्य मंत्री हुमायूं कबीर ने पहले कोई जोखिम न दिखने की बात कही थी। विदेश मंत्री खलीलुर रहमान संसद में कह चुके हैं कि अगर मौजूदा सदस्य बांग्लादेश को शामिल करना चाहें तो ढाका प्रस्ताव पर सकारात्मक विचार करेगा। जहां एक तरफ इसके समर्थक इसे सैन्य क्षमता मजबूत करने का अवसर मानते हैं। वहीं पूर्व राजनयिक एम. हुमायूं कबीर ने चेताया है कि इस गठबंधन में शामिल होना बांग्लादेश की पांच दशक पुरानी संतुलित और गैर-गुटीय विदेश नीति में बदलाव होगा। सबसे संवेदनशील पहलू पाकिस्तान है। सदस्यता लेना सीधे द्विपक्षीय सैन्य गठबंधन में शामिल होना नहीं होगा, लेकिन दोनों देशों की सेनाओं और सुरक्षा प्रतिष्ठानों के बीच सहयोग बढ़ सकता है। इससे ढाका की विदेश नीति पर सवाल खड़े हो सकते हैं।

अमेरिका में भारतीय दंपती की दरियादिली: एआई को बढ़ावा देने के लिए कॉलेज को दिए 191 करोड़, आंध्र से है कनेक्शन

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल के एक दंपती ने टेक्सास में अपनी पुरानी यूनिवर्सिटी अल्मा मेटर को 20 मिलियन डॉलर का दान दिया है। इससे संस्थान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और एडवांस्ड एनालिटिक्स की पढ़ाई को बढ़ावा मिलेगा और 'अमेरिकन ड्रीम' को साकार करने में अप्रवासियों के योगदान को भी रेखांकित किया जाएगा। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अनुराधा और विकास सिन्हा ने यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ टेक्सास को 20 मिलियन डॉलर यानी कि भारतीय रुपयों में 191 करोड़ से ज्यादा का दान दिया है।

अनुराधा और विकास सिन्हा के नाम पर बनेगा नया कॉलेज

इस तोहफे के सम्मान में, यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ टेक्सास 'अनुराधा और विकास सिन्हा कॉलेज ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड एडवांस्ड एनालिटिक्स' की स्थापना करेगा। यह कॉलेज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटेलिजेंट सिस्टम और डेटा एनालिटिक्स पर केंद्रित एक एकेडमिक और रिसर्च हब के तौर पर काम करेगा। यह एआई, साइबर सिक्योरिटी, डेटा साइंस, एडवांस्ड एनालिटिक्स, हेल्थ इंफॉर्मेटिक्स, इंफॉर्मेशन साइंस, लाइब्रेरी साइंस और लर्निंग टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता को एक साथ लाएगा।

यूएनटी से सिन्हा परिवार का पुराना जुड़ाव : यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ टेक्सास में सिन्हा परिवार का निवेश यूनिवर्सिटी के साथ उनके

जुड़ाव के साथ-साथ बढ़ता गया है। 2024 में, उन्होंने 'अनुराधा और विकास सिन्हा डिपार्टमेंट ऑफ डेटा साइंस' की स्थापना के लिए तोहफा दिया, साथ ही स्कॉलरशिप, फैकल्टी, रिसर्च और विशेष पहलों को सपोर्ट करने के लिए एंडोमेंट भी दिए। एक साल बाद, उन्होंने एक और बड़ा तोहफा दिया और 'सिन्हा इनोवेशन लैब फॉर डेटा साइंस' की स्थापना की।

'शिक्षा ने हमारे लिए दरवाजे खोले हैं' : दान के बाद मीडिया से बात करते विकास सिन्हा ने कहा, 'शिक्षा ने हमारे जीवन भर हमारे लिए दरवाजे खोले हैं, और हम दूसरों के लिए भी उन दरवाजों को खुला रखना चाहते हैं।' यही एक बड़ी वजह है कि अनु और मुझे इस बात पर इतना पक्का भरोसा है कि यूएनटी छात्रों के लिए क्या कुछ मुमकिन बना सकता है, जिसमें वे छात्र भी शामिल हैं जो शायद किसी दूसरे देश से वही महत्वाकांक्षा और शिक्षा में वही विश्वास लेकर यहां आते हैं, जो कभी हमारे पास हुआ करता था।' हमारे लिए, यह तोहफा उस अवसर को आगे बढ़ाने और यह मानने के बारे में है कि अप्रवासी सिर्फ 'अमेरिकन ड्रीम' में हिस्सा ही नहीं लेते, वे इसे बनाने में मदद भी करते हैं।'

एआई के भविष्य को आकार देने वालों को तैयार करेगा यूएनटी : उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हमारी पीढ़ी की अहम टेक्नोलॉजी में से एक होगी, और इसके भविष्य को आकार देने वाले लोगों को तैयार करने में यूनिवर्सिटी की अहम भूमिका है। यूएनटी के विजन के बारे में जो बात हमें उत्साहित करती है, वह यह है कि यह छात्रों को सिर्फ एआई का इस्तेमाल करना सिखाने से कहीं आगे जाएगा। यह उन्हें इंटेलिजेंट सिस्टम बनाने, समझने, उन पर सवाल उठाने, उन्हें चलाने और जिम्मेदारी से इस्तेमाल करने के लिए तैयार करेगा। इससे इंटेलिजेंट सिस्टम बनाने वाले और उनकी देखभाल करने वाले, दोनों तरह के लोग तैयार होंगे।

छह स्थायी फंड बनाए जाएंगे : 20 मिलियन डॉलर का यह दान छह स्थायी फंड (एंडोमेंट) बनाएगा, जो कॉलेज की लीडरशिप, छात्रों की स्कॉलरशिप, एंडोव्ड प्रोफेसरशिप, एंटरप्रेन्योरशिप और इनक्यूबेशन, एडवांस्ड रिसर्च और नई टेक्नोलॉजी को सपोर्ट करेंगे।

दो एकेडमिक डिवीजन में बांटा जाएगा कॉलेज : कॉलेज को दो एकेडमिक डिवीजन में बांटा जाएगा: 'डिवीजन ऑफ एप्लाइड इंटेलिजेंस एंड इंफॉर्मेटिक्स', जो इंटेलिजेंट सिस्टम बनाने और उन्हें लागू करने पर केंद्रित होगा; और 'डिवीजन ऑफ इंफॉर्मेशन एंड लर्निंग एप्लीकेशन', जो इस बात पर केंद्रित होगा कि जानकारी और इंटेलिजेंट सिस्टम इंसानी और संस्थागत संदर्भों में कैसे काम करते हैं।

एआई और डेटा साइंस रिसर्च को मिलेगा बढ़ावा : बयान में कहा गया है कि कॉलेज में 'एप्लाइड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड डेटा साइंस इंस्टीट्यूट' भी होगा, जो यूएनटी में एआई और एनालिटिक्स रिसर्च और एजुकेशन को जोड़ेगा और इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च, साझा इंफ्रास्ट्रक्चर, बाहरी रिसर्च फंडिंग और इंडस्ट्री पार्टनरशिप के लिए मौके पैदा करेगा।

आंध्र प्रदेश से अमेरिका तक का सफर : आंध्र प्रदेश के कुरनूल में श्री वेंकटेश्वर यूनिवर्सिटी और जी पुल्ला रेड्डी इंजीनियरिंग कॉलेज में सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद, विकास और अनुराधा आगे की पढ़ाई के लिए अमेरिका आए और फ्लोरिडा अटलांटिक यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएट डिग्री हासिल की। बाद में विकास ने नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी में अपनी पढ़ाई जारी रखी और 2023 में यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ टेक्सास से पीएचडी पूरी की। विकास अभी ब्रॉडकॉम में मेनफ्रेम सॉफ्टवेयर डिवीजन के वाइस प्रेसिडेंट हैं।

भारतीय कंपनियों ने डेटा चुराया: अमेरिकी सीनेटरों ने की ब्लैक लिस्ट में डालने की मांग, क्या है पूरा मामला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेटरों ने ट्रंप प्रशासन को पत्र लिखकर भारत की तीन कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। डेमोक्रेटिक सीनेटर रॉन वाइडेन और शेल्डन व्हाइटहाउस तथा रिपब्लिकन पैट हैरिगन ने कॉमर्स सेक्रेटरी हॉवर्ड लटनिक से सनकिस्ड ऑर्गेनिक प्राइवेट लिमिटेड, बेलट्रॉक्स लिमिटेड और साइबररूट लिमिटेड के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया है। उनका कहना है कि इन कंपनियों ने हजारों अमेरिकियों और अमेरिकी कंपनियों का डेटा हैक करके चुराया।

15 साल से अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाने का आरोप : वाइडेन, हैरिगन और व्हाइटहाउस ने लटनिक को लिखे पत्र में कहा,'भारत स्थित कई साइबर-मर्सिनरी ग्रुप (किराये के साइबर हैकर ग्रुप) 15 से अधिक वर्षों से अमेरिकी नागरिकों, व्यवसायों और उनका प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों के खिलाफ टारगेटेड जासूसी कर रहे हैं।' सीनेटरों ने कहा कि रॉयटर्स और द सिटिज़न लैब की जांच के अनुसार, इन कंपनियों ने चल रहे मुकदमों को प्रभावित करने के लिए प्राइवेट इक्विटी फर्मों, फार्मास्युटिकल कंपनियों और प्रमुख अमेरिकी लॉ फर्मों के 1,000 से अधिक वकीलों को निशाना बनाकर बड़े पैमाने पर हैकिंग अभियान चलाए।

कतर सरकार के इशारे पर काम करने का आरोप : उन्होंने कहा कि इस बात के सबूत हैं कि ये समूह कतर सरकार के इशारे पर काम करते थे। वर्ल्ड कप बोली के विरोधियों और हाउस परमानेंट सेलेक्ट कमिटी ऑन इंटेलिजेंस के पूर्व रिपब्लिकन चेयरमैन के परिवार को भी निशाना बनाया। सीनेटरों ने कहा,'इस सुरक्षा खतरे को और बढ़ाते हुए, इन साइबर मर्सिनरी और उनके सहयोगियों ने प्रमुख अमेरिकी मीडिया संगठनों की खोजी रिपोर्टिंग को सेंसर करने के लिए ग्लोबल लॉफेयर का आक्रामक अभियान चलाया है।' यह समन्वित प्रयास विदेशी संस्थाओं को विदेशी अदालतों का उपयोग करके अमेरिकी जनता को उनके अपने देश के लिए साइबर खतरों के बारे में अंधेरे में रखने की अनुमति देता है और अमेरिकी नागरिकों के मौलिक संवैधानिक अधिकारों को कमजोर करता है। सीनेटरों ने आरोप लगाया कि इन्हीं कंपनियों ने विदेशी अदालतों का दुरुपयोग करके अपने हैकिंग अभियानों के बारे में हो रही रिपोर्टिंग को सेंसर करने की भी कोशिश की। उन्होंने कहा कि अपनी आलोचना को दबाने और अपने अवैध हैकिंग अभियानों से जुड़े तथ्यों को छिपाने के लिए इन भारतीय कंपनियों ने गूगल, मेटा, माइक्रोसॉफ्ट और द न्यू यॉर्कर सहित अमेरिकी टेक्नोलॉजी और मीडिया कंपनियों के खिलाफ मुकदमे दायर कर रखे हैं।

फिलीपींस में समंदर के बीच नाव बनी आग का गोला: पांच यात्रियों की मौत और 87 लापता

मनीला, एजेंसी। फिलीपींस में बुधवार को एक यात्री फेरी में अचानक आग लग गई। हादसा देश के पश्चिमी हिस्से में समुद्र में हुआ। आग लगने के बाद बड़ी संख्या में लोग लापता हो गए। फिलीपींस कोस्ट गार्ड के मुताबिक, हादसे में अब तक कम से कम पांच लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 42 लोगों को सुरक्षित बचाया गया है। बचाव अभियान अभी जारी है, इसलिए लापता लोगों की संख्या आगे बदल सकती है। फिलीपींस कोस्ट गार्ड की प्रवक्ता कमोडोर नोएमी कायाबायब ने बताया कि फेरी पर कुल 134 लोग सवार थे। इनमें 117 यात्री और 17 चालक दल के सदस्य शामिल थे। आग लगने के बाद कई लोगों का पता नहीं चल पाया। अधिकारियों की ओर से फिलहाल 87 लोगों के लापता होने की जानकारी दी गई है, लेकिन बचाव और तलाश का अभियान जारी रहने के कारण यह आंकड़ा बदल सकता है। एमवी जून एस्टर मनीला से रवाना हुई थी। जब फेरी पलावन प्रांत में कोरोन के पास समुद्र में थी, उसी दौरान बुधवार को उसमें आग लग गई। आग लगने के बाद फेरी पर सवार लोगों के बीच अफरातफरी की स्थिति बनी। हादसे की जगह पश्चिमी फिलीपींस के समुद्री क्षेत्र में बताई गई है। उपलब्ध जानकारी में आग लगने की वजह के बारे में कोई कारण नहीं बताया गया है। कोस्ट गार्ड के मुताबिक, अब तक 42 लोगों को बचाया जा चुका है, जबकि 87 लोग लापता हैं। हालांकि, अधिकारियों ने साफ किया है कि यह अंतिम आंकड़ा नहीं है। कोस्ट गार्ड की टीमें लगातार बचाव अभियान चला रही हैं और लोगों की तलाश की जा रही है। घटनास्थल की तस्वीरों में कोस्ट गार्ड के जवान बचे हुए लोगों को लाइफ जैकेट फेंकते हुए दिखाई दिए, जबकि पीछे फेरी जल रही थी। छोटी नावों के जरिए भी बचे हुए लोगों को कम गहरे पानी तक लाया गया। फिलीपींस के द्वीपसमूह में फेरी परिवहन का एक आम जरिया है। तूफ़ान, खराब रखरखाव वाली नावें, क्षमता से ज़्यादा लोगों का सवार होना और सुरक्षा नियमों का ठीक से पालन न होना जैसी वजहों से समुद्री दुर्घटनाएं होती रहती हैं।

'कॉकरोच बन जाऊं, शायद जिंदगी बेहतर हो': विजय माल्या का बयान; भगोड़ा कहे जाने पर अब क्या बोले

लंदन, एजेंसी। भगोड़े आर्थिक अपराधी घोषित किए जा चुके कारोबारी विजय माल्या ने एक बार फिर भारत सरकार पर अपने साथ अन्याय करने का आरोप लगाया है। लंदन में रह रहे माल्या ने बुधवार देर रात सोशल मीडिया पर लगातार कई पोस्ट किए। उन्होंने कहा कि उन्हें अब भी अन्याय का सामना करना पड़ रहा है। इसी दौरान उन्होंने लिखा, 'जितने अन्याय मैंने झेले हैं और अब भी झेल रहा हूं, उसे देखते हुए सोचता हूं कि क्या मुझे कॉकरोच बन जाना चाहिए। शायद कॉकरोच की तरफ जिंदगी बेहतर हो।'

14,000 करोड़ की रिकवरी को लेकर माल्या का क्या दावा : विजय माल्या ने प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी की ओर से बॉम्बे हाईकोर्ट में दाखिल एक हलफनामे का हवाला दिया। उनका दावा है कि ईडी ने इसमें स्वीकार

किया था कि उनसे करीब 14,000 करोड़ से ज्यादा की रकम बरामद की गई और 2021 में यह रकम उन बैंकों को दी गई, जिनका पैसा उनके ऊपर बकाया था। विजय माल्या ने कहा कि अगर लोगों को उनकी बात पर भरोसा नहीं है तो वे उनके बयान के बजाय ईडी के अदालत में दिए हलफनामे को देखें। उन्होंने लिखा कि हलफनामे में 2021 में बैंकों को 14,000 करोड़ से ज्यादा दिए जाने की बात कही गई है।

भारत लौटने को लेकर माल्या ने क्या सफाई दी : इससे पहले विजय माल्या ने कहा था कि वह भारत आने से इनकार करने वाले 'भगोड़े' नहीं हैं। उनका दावा है कि वह 1992 से ब्रिटेन के स्थायी निवासी हैं और फिलहाल कानूनी तौर पर ब्रिटेन छोड़ने से रोके गए हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की ओर से उनके खिलाफ की गई कार्रवाई के बाद यह पूरा मामला शुरू हुआ। विजय माल्या ने यह भी कहा कि बैंक को पैसा वापस किया जाना उनकी भारत में शारीरिक मौजूदगी पर निर्भर नहीं है। विजय माल्या ने अपनी पोस्ट में एक कथित अकाउंट स्टेटमेंट की तालिका भी साझा की और खुद को गलत तरीके से भगोड़ा बताए जाने का आरोप लगाया। उन्होंने सवाल किया कि क्या उन्हें अब भी उसी तरह पेश किया जाना चाहिए, जबकि उनके मुताबिक बैंकों का पैसा वापस किया जा चुका है। उन्होंने मीडिया कवरेज पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि किसी पत्रकार की खबर की शुरुआत में ही उन्हें 'धोखाधड़ी करने वाला' या 'फ्रॉडस्टर' बताने के बजाय यह पूछा जाना चाहिए कि उन्हें अपना पैसा वापस कब मिलेगा। अक्टूबर 2025 में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में बताया था कि भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम, 2018 के तहत कुल 15 लोगों को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया गया है। इनमें विजय माल्या और नीरव मोदी समेत कई चर्चित नाम शामिल हैं। वहीं, फरवरी 2026 में बॉम्बे हाईकोर्ट ने माल्या को फटकार लगाते हुए कहा था कि वह जानबूझकर अदालत की कार्यवाही से बचते हुए समानता के आधार पर राहत की मांग नहीं कर सकते। शीर्ष अदालत ने उन्हें यह स्पष्ट करने का अंतिम मौका दिया था ।

एंथ्रोपिक-ओपनएआई के रिसर्चर ने दिया इस्तीफा, जनता को किया आगाह

वाशिंगटन, एजेंसी। एंथ्रोपिक और ओपनएआई में तीन साल तक मुख्य एआई मॉडल बनाने वाले 27 वर्षीय रिसर्चर जैकब कॉक्सन ने इस्तीफा दे दिया है। 8 सितंबर को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर की गई एक पोस्ट में उन्होंने चेतावनी दी कि दोनों कंपनियां सुपरइंटेलिजेंस बनाने की अंधी दौड़ में 'हमारे जीवन के साथ जुआ खेल रही' हैं। कॉक्सन ने चेतावनी दी है कि एआई के विकास में शामिल कई अंदरूनी सूत्र मानते हैं कि इस दशक के अंत तक यह मानवता के लिए घातक साबित हो सकता है। उन्होंने इस स्थिति की तुलना मैनहट्टन प्रोजेक्ट से करते हुए कहा कि सैन फ्रांसिस्को के कुछ इंजीनियर्स के हाथों में दुनिया की सबसे खतरनाक तकनीक का भविष्य तय हो रहा है। इस इस्तीफे ने पूरी दुनिया में एआई सुरक्षा और टेक

कंपनियों की पारदर्शिता पर एक नई बहस छेड़ दी है। कॉक्सन के मुताबिक, भले ही एंथ्रोपिक की सेफ्टी टीमें ईमानदारी से काम करना चाहती हैं, लेकिन बाजार की कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण सुरक्षा से जुड़े समझौतों से बचना नामुमकिन हो गया है। दोनों कंपनियों को लगता है कि अगर वे नहीं रुकीं, तो उनका प्रतिद्वंद्वी आगे निकल जाएगा। कॉक्सन ने चेतावनी दी कि एआई जिस रफ्तार से आगे बढ़ रहा है, उससे अगले साल के अंत तक ही ऐसी स्थितियां बन सकती हैं जहां एआई सिस्टम इंसानों के नियंत्रण से पूरी तरह बाहर हो जाएं।

कॉक्सन ने दोनों कंपनियों पर आरोप लगाया कि वे एआई की बेकाबू रफ्तार से जुड़े अपने असली डर को आम जनता से छुपा रही हैं। कॉक्सन का कहना है कि एआई कंपनियां खुद को बेहतर बनाने वाली सुपरइंटेलिजेंस तक जल्दी पहुंचना चाहती हैं। उन्होंने चिंता जताई कि अगर कोई कंपनी पीछे रह गई, तो दूसरी कंपनी पहले ऐसी तकनीक विकसित कर सकती है। इसी डर के कारण कंपनियां जोखिम के बावजूद्द आगे बढ़ रही हैं।

350 से अधिक टेक दिग्गज बता चुके हैं महामारी और परमाणु युद्ध जैसा खतरा : ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन, गूगल डीपमाइंड के सीईओ डेमिस हसाबिस और एंथ्रोपिक लीईओ डारियो अमोदेई सहित दुनिया के 350 से अधिक शीर्ष टेक लीडर्स ने कहा है एआई के जोखिम को कम करना एक वैश्विक प्राथमिकता होनी चाहिए, ठीक वैसे ही जैसे महामारी और परमाणु युद्ध जैसी अन्य सामाजिक स्तर की आपदाओं से निपटने को प्राथमिकता दी जाती है। माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स का कहना है कि एआई तकनीक का इस्तेमाल अपराधी या आतंकवादी खतरनाक वायरस या कंप्यूटर वायरस बनाने के लिए कर सकते हैं, जिससे पूरी दुनिया में भारी उथल-पुथल मच सकती है।

कॉक्सन ने कहा कि तकनीक की दौड़ को रोकने के लिए एआई मॉडल की क्षमताएं बढ़ाने पर अस्थायी रोक जैसे कड़े कदमों पर विचार किया जाना चाहिए।

धमाकों से दहले सऊदी और ईरान: पश्चिम एशिया में फिर बढ़ रहा तनाव, डोनाल्ड ट्रंप ने बताया कब खत्म होगा युद्ध

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सरकारी प्रसारक 'इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग' के अनुसार, सिरिक और मिनाब काउंटी के तटीय इलाकों में बुधवार को लगातार कई धमाकों की आवाजें सुनाई दीं। इन घटनाओं को लेकर होर्मोजगान प्रशासन ने बताया कि केशम में सुनी गई आवाजों का स्रोत समुद्र में पाया गया है। वहीं, आईआरआईबी ने अरब मीडिया के हवाले से बताया कि सऊदी अरब के किंग फहद एयर बेस पर भी कई धमाकों की आवाजें सुनी गईं। इसके अलावा, ईरानी समाचार एजेंसी आईआरएनए ने खबर दी कि सऊदी शहर ताइफ में भी धमाकों की आवाजें सुनी गईं। सऊदी मीडिया के हवाले से आईआरएनए ने कहा कि इलाके में कम से कम दो जोरदार धमाकों की आवाज सुनी गई है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को दावा किया कि ईरान के साथ चल रहा युद्ध आगामी अमेरिकी मध्यावधि चुनावों के बाद 'तुरंत' खत्म हो जाएगा। ट्रंप ने तेहरान पर आरोप लगाया कि वह इस उम्मीद में संघर्ष को खींच रहा है कि वाशिंगटन में सत्ता परिवर्तन हो और उसे परमाणु हथियार हासिल करने का मौका मिल सके।

कब खत्म होगा युद्ध : टेक्सास के डलास में रिपब्लिकन मध्यावधि सम्मेलन के लिए रवाना होने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि मुझे लगता है कि चुनाव के तुरंत बाद युद्ध खत्म हो जाएगा। ईरान के पास अब ज्यादा विकल्प नहीं बचे हैं। क्योंकि वे अब और नहीं टिक सकते। वे चुनाव को प्रभावित करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं, ताकि वहां लोगों का एक अच्छा, कमजोर समूह सत्ता में आ सके और हम उन्हें अकेला छोड़ दें और उन्हें अपना परमाणु हथियार हासिल करने दें। वे बस परमाणु हथियार चाहते हैं और अगर उनके पास परमाणु हथियार आ गया, तो पूरी दुनिया बड़ी मुसीबत में पड़ जाएगी।

बातचीत को लेकर ट्रंप ने दिया संकेत : जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या उन्हें उम्मीद है कि ईरान के साथ राजनयिक बातचीत फिर से शुरू होगी या सैन्य अभियान दोबारा शुरू किया जाएगा, तो उन्होंने संकेत दिया कि वाशिंगटन फिलहाल बातचीत को लेकर जल्दबाज़ी में नहीं है। हालिया सैन्य अभियानों ने ईरानी सरकार को बुरी तरह कमजोर कर दिया है। किसी भी अंतिम कूटनीतिक समाधान का दायरा पारंपरिक परमाणु समझौतों तक सीमित नहीं होगा।

हूतियों को ईरान का प्रॉक्सी बताने पर बघाई का पलटवार : दूसरी ओर, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने गुरुवार को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के उन आरोपों को खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि यमन के हूती विद्रोही तेहरान के प्रॉक्सी यानी प्रतिनिधि के तौर पर काम करते हैं। बघाई ने कहा कि हूती समूह स्वतंत्र रूप से काम करता है और किसी से आदेश नहीं लेता। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने अमेरिका पर अपनी सैन्य मौजूदगी और वर्चस्ववादी नीतियों के जरिए क्षेत्र में अस्थिरता फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने जोर देकर कहा कि यमन में स्थायी शांति स्थापित करने के लिए बाहरी दखलंदाजी को खत्म करना जरूरी है। बघाई ने कहा,'मार्को रुबियो के झूठ तथ्यों की जगह नहीं ले सकते। अंसारुल्लाह यमन का एक स्वतंत्र गुट है, जो अपने फैसले खुद लेता है।

'पुतिन समझौते के लिए तैयार': ट्रंप ने बता दिया कौन डाल रहा अड़ंगा; क्या खत्म होने वाला है रूस-यूक्रेन युद्ध

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ फोन पर हुई बातचीत को 'बहुत अच्छी' बताया है। ट्रंप का दावा है कि पुतिन यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए समझौता करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अगर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की भी डील के लिए तैयार हैं तो यह अच्छी बात होगी। ट्रंप ने युद्ध की बातचीत में अड़चन के तौर पर पुतिन और जेलेंस्की के बीच दुश्मनी को बताया है।

ट्रंप ने अड़चन के लिए किसे बताया जिम्मेदार : अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'अड़चन दो लोग हैं, जो एक-दूसरे से नफरत करते हैं।' उनका इशारा पुतिन और जेलेंस्की की ओर था। डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका रूस और यूक्रेन के बीच बातचीत फिर शुरू कराने की कोशिश कर रहा है। हालांकि, ताजा रिपोर्टों के मुताबिक अभी दोनों पक्षों के बीच किसी अंतिम समझौते पर सहमति नहीं बनी है।

अमेरिकी दूत मॉस्को और कीव पहुंचे, फिर भी क्यों नहीं बनी बात : हाल ही में ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और उनके दामाद जेरेड कुशनर ने पहले मॉस्को में पुतिन से मुलाकात की और उसके बाद कीव जाकर जेलेंस्की से बातचीत की। मकसद शांति वार्ता को दोबारा पटरी पर लाना था। दोनों मुलाकातों को सकारात्मक और रचनात्मक बताया गया, लेकिन कोई ठोस सफलता सामने नहीं आई।

सबसे बड़ी अड़चन क्या : रूस और यूक्रेन के बीच सबसे बड़े विवादों में से एक यूक्रेन के उन इलाकों का भविष्य है, जिन पर रूस का कब्जा है। रूस डोनेट्स्क के बचे हुए हिस्से समेत क्षेत्रीय मांगों पर अड़ा हुआ है, जबकि जेलेंस्की मौजूदा यूक्रेनी नियंत्रण वाले इलाकों को रूस को सौंपने के खिलाफ हैं। यही वजह है कि बातचीत फिर शुरू करने की कोशिशों के बावजूद समझौते का रास्ता आसान नहीं दिख रहा। कूटनीतिक कोशिशों के साथ जमीन पर लड़ाई और हवाई हमले भी जारी हैं। हालिया रूसी

हमलों में कीव समेत यूक्रेन के कई इलाकों को निशाना बनाया गया है। दूसरी ओर यूक्रेन भी रूस के भीतर लंबी दूरी के ड्रोन हमले कर रहा है। यानी बातचीत की मेज पर शांति की कोशिश चल रही है, लेकिन मोर्चे पर युद्ध अभी थमा नहीं है।

क्या जल्द युद्ध खत्म होने की उम्मीद है : अभी इसे लेकर कोई पक्की समयसीमा नहीं है। अमेरिका बातचीत को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है और रूस ने भी वार्ता फिर शुरू करने की इच्छा जताई है, लेकिन दोनों पक्षों की मांगों में बड़ा अंतर बना हुआ है। इसलिए ट्रंप का 'डील' वाला दावा महत्वपूर्ण जरूर है, लेकिन इसे अभी शांति समझौता हो जाने के तौर पर नहीं देखा जा सकता।

ईरानी टैंकरों पर हमलों को लेकर क्या बोले ट्रंप : दूसरी ओर, ईरान से जुड़े टैंकरों पर हमलों को लेकर भी ट्रंप ने बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने ईरान के नौ जहाजों को निशाना बनाया है। ट्रंप ने साफ कहा कि ये हमले अमेरिका की ओर से किए गए हैं और आने वाले समय में ऐसे और हमले देखने को मिल सकते हैं। उन्होंने कहा कि परमाणु मुद्दा बातचीत का हिस्सा जरूर होगा, लेकिन इसके अलावा भी कई दूसरे मुद्दे मेज पर होंगे। ट्रंप के मुताबिक, इनमें से कुछ बातें ऐसी हैं जो तीन महीने पहले बातचीत की मेज पर नहीं थीं। ट्रंप ने कहा, 'मैं सिर्फ परमाणु समझौते से कहीं ज्यादा कर रहा हूं। परमाणु मुद्दे से बहुत कुछ ज्यादा है। परमाणु समझौता होगा, यह 99.9 है, लेकिन मेज पर कई दूसरी चीजें भी होंगी, जो तीन महीने पहले मेज पर नहीं थीं।'

सुप्रीम लीडर के बारे में ट्रंप ने क्या कहा : डोनाल्ड ट्रंप ने आगे कहा कि अगर मैंने जेसीपीओए (जॉइंट कॉम्प्रिहेंसिव प्लान ऑफ एक्शन) को रद्द नहीं किया होता और अगर हमने अपने शानदार बी2 बॉम्बर्स से ईरान पर हमला नहीं किया होता, तो आज उनके पास परमाणु हथियार होता और मैं सुप्रीम लीडर से ऐसे बात कर रहा होता - 'मिस्टर सुप्रीम लीडर सर, आप कैसे हैं' अब मुझे ऐसा नहीं करना है। हम ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दे सकते।

चुनाव और युद्ध को लेकर ट्रंप का क्या दावा : डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि मुझे लगता है कि चुनाव के तुरंत बाद युद्ध खत्म हो जाएगा। वे चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश में बेताब हैं, ताकि वहां अच्छे और कमजोर लोगों का समूह आ जाए और उन्हें अकेला छोड़ दे और उन्हें अपना परमाणु हथियार रखने दिया जाए।

प्रेग्नेंसी में सुपरफूड की तरह काम करता है शरीफा

शिशु का होता है तेज दिमाग

हर कोई चाहता है कि उसका बच्चा तेज दिमाग के साथ स्वस्थ रहे। इसके लिए जरूरी है कि प्रेग्नेंसी के दौरान कुछ खास चीजों खाई जाएं। शरीफा ऐसा ही फल है जो आपके शिशु का मानिसिक और शारीरिक विकास बेहतर करता है। शरीफा विटामिन सी और एंटी-ऑक्सीडेंट्स बढ़ाते हैं इम्युनगर्भ में पल रहे शिशु के लिए अमृत समान होता है। शरीफा पोषक तत्वों का खजाना होता है। खासतौर से अगर इसे प्रेग्नेंसी में खाया जाए तो मां ही नहीं गर्भ में पल रहे शिशु के भी सारे पोषण की जरूर पूरी होती है। हालांकि शरीफा कई गभींर रोगों में भी बहुत फायदेमंद होता है। हाई और लो हाई बीपी, डायबिटीज, ह्रदय रोग के जोखिमों से बचाने के साथ ये इम्युन सिस्टम को भी मजबूत बनाता है, इससे शरीर को रोगों से लड़ने कि अपार शक्ति मिलती है।

विटामिन सी और एंटी-ऑक्सीडेंट्स भरपूर होने के कारण ये एलर्जी और कैंसर के जोखिम से भी बचाता है। ये शरीर को मुक्त कणों या फ्री रेडिकल्स से लड़ने में मदद करता हैं। इसमें बहुत अच्छी मात्रा में पोटैशियम और मैग्नीशियम होता है। शरीफा में विटामिन ए भी होता है जो आंखों के लिए बहुत अच्छा होता है। इतना ही नहीं अपच-गैस आदि में भी इसका सेवन लाभप्रद होता है। इसे किसी भी रूप में खाया जा सकता है। आप चाहें इसका स्मूदी बनाएं या शेक पीएं या साबुत खाएं।

प्रेग्नेंसी में लाभदायक

प्रेग्नेंसी में शरीफा को रोज की डाइट का हिस्सा बना लें। कम से कम तीन शरीफा रोज खाएं। ऐसा करके न केवल आप अपने बच्चे का तेजी से विकास करेंगी बल्कि इससे शिशु का मस्तिष्क और प्रतिरक्षा प्रणाली प्रभावी ढंग से विकसित होगा। इसे रोज खाने गर्भपात के जोखिम भी कम होते हैं और नार्मल डिलेवरी के दौरान पीड़ा भी कम होती है। ये अंदर से शरीर को मजबूत बनाता है।

हार्ट अटैक के खतरे करता है कम

शरीफे में मैग्नीशियम और पोटेशियम की मात्रा बहुत होती है और ये हार्ट अटैक के जोखिमों को रोकने में बहुत मददगार होते हैं। रोज यदि इसका सेवन किया जाए तो इससे मांसपेशियों मजबूत होती हैं और दर्द में भी आराम मिलता है। विटामिन बी 6 होमोसिस्टीन संग्रह को रोकता है, जिससे ह्रदय रोग जैसा जोखिम कम होतें हैं।

इम्युन होता है मजबूत

रोज तीन शरीफा जरूर खाना चाहिए। इसे खाने से इम्युन जनित रोग होने की संभावना नहीं रहती है, वहीं बीमारियों से रिकवर होने में बहुत मदद मिलती है। इसे खाने से इम्युन सिस्टम बहुत मजबूत होता है जिससे शरीर की रोगों से लड़ने की क्षमता को बढ़ाती है।

सुस्ती और थकान को करता है दूर

शरीफा खाने से न सिर्फ थकान, सुस्ती और कमजोरी दूर होती है मांसपेशियों में होने वाले दर्द से भी ये आराम दिलाता है।

डायबिटीज और ब्लडप्रेशर नियंत्रित करता है

यह टाइप -2 डायबिटीज के जोखिम को कम करने के साथ शरीफा हाई और लो बीपी में भी फायदेमंद होता है, क्योंकि इसमें पोटैशियम और मैग्नीशियम काफी अच्छी मात्रा में होता है जिससे ये दो बीमारियां कंट्रोल में रहती है।
शरीफा को रोज सुबह या दोपहर में खाना ज्यादा श्रेयस्कर होता है। कोशिश करे कि एक साथ दो शरीफा जरूर खाएं।

घनी पलकें ही नहीं दमकती, त्वचा के लिए भी फायदेमंद है एलोवेरा जेल

अगर आप अपनी लंबी घनी पलकों के साथ दमकती त्वचा का सपना देखती हैं तो एलोवेरा बिना आपकी जेब ढीली किए आपका ये सपना पूरा कर सकता है। महिलाओं की ऐसी ही सेहत और खूबसूरती से जुड़ी हर छोटी बड़ी परेशानी को ध्यान में रखते हुए वीमेन हेल्थ और केयर पर फोकस करने वाली वेलनेस साइट हेल्थ शॉट्स पर छपी रिपोर्ट के मुताबिक जानते हैं आखिर कैसे एलोवेरा का उपयोग करके आप घर पर पा सकते हैं पार्लर जैसा निखार।

त्वचा का बचाव

एलोवेरा प्राकृतिक रूप से विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। एलोवेरा का नियमित इस्तेमाल त्वचा में कसावट लाने के साथ त्वचा की रंगत भी निखारता है।

कैसे करें इस्तेमाल: चेहरे को धोने के बाद रोजाना एलोवेरा रस को त्वचा पर दो बार लगाएं। आधे घंटे बाद चेहरे को सादे पानी से धो लें।

लंबी पलकों और भौंहों के लिए एलोवेरा

लंबी पलके और घनी भौंहों की चाहत अगर आप भी रखते हैं तो आपका ये सपना एलोवेरा पूरा कर सकता है।

कैसे करें इस्तेमाल: पलकों को घना बनाने के लिए एलोवेरा जेल को रूई या मस्करा लगाने वाली साफ छड़ी का उपयोग करते हुए पलकों और भौंहों पर लगाएं। 15 मिनट बाद इस जेल को भौंहों और पलकों से छुड़ाने के लिए ऐलोवेरा जेल में कुछ बूंदें जैतून के तेल की मिलाकर इस मिश्रण को अपनी पलकों पर लगाकर एक रूई की मदद से धीरे से पोंछ लें।

त्वचा के लिए बेहतरीन मास्क

त्वचा में कसाव लाने के लिए एलोवेरा एक बेहतरीन मास्क है। इस मास्क को बनाने के लिए सबसे पहले एक बड़ा चम्मच बेसन दो चम्मच दही और एक बड़ा चम्मच एलोवेरा जेल अच्छे से मिलाकर चेहरे पर लगा लें। अब 30 मिनट बाद चेहरे को धो लें।

मुहांसों से निजात पाने के लिए एलोवेरा जेल

अगर आप भी अक्सर मुहांसों की समस्या से परेशान रहते हैं तो अब उन्हें अलविदा कहने का समय आ गया है। मुहांसों से निजात पाने के लिए सबसे पहले 40 मिली मिनरल वाटर, तीन चम्मच एलोवेरा जेल और दो बूंद टी ट्री ऑयल लें। अब इन सभी चीजों को एक छोटी सी स्प्रे बोतल में डालकर अच्छे से हिलाते हुए मिला लें। अब चेहरे पर जिस जगह मुहांसे हैं उस जगह पर इसे स्प्रे करके इसे सूखने दें। ऐसा करते समय अपनी आंखों को बचाकर रखें।

रेसिपी

मटर कुलचा

सामग्री

■ 2 कप सूखी मटर ■ बारीक कटी 2 हरी मिर्च ■ 1 कप बारीक कटा प्याज ■ 1 कप बारीक कटा टमाटर ■ एक नींबू का रस ■ 1/2 चम्मच अमचूर पाउडर ■ 2 चम्मच चाट मसाला ■ 3 चुटकी मीठा सोडा पाउडर ■ 1/4 चम्मच हल्दी पाउडर ■ स्वादानुसार नमक ■ आधा कप बारीक कटा हरा धनिया

विधि

मटर को 6 से 7 घंटे पानी में भिगो दें। अब इसे प्रेशर कूकर में पानी डालकर मीठा सोडा पाउडर, हल्दी पाउडर और थोड़ा नमक मिलाकर उबाल लें। कूकर में 3-4 सीटी आने के बाद गैस धीमी कर दें और फिर 2 से 3 सीटी आने के बाद गैस बंद कर दें। कूकर का प्रेशर खत्म होने पर ही उसका ढक्कन खोलें और मटर को एक बड़ी चम्मच से अच्छी तरह चलाकर मैश कर लें। अब इसमें बारीक कटा प्याज, हरी मिर्च, टमाटर, चाट मसाला, अमचूर पाउडर और स्वादानुसार नमक मिलाकर अच्छी तरह मिक्स कर लें। फिर मटर में नींबू का रस मिलाकर 5 मिनट और मध्यम आंच में गैस पर रखकर पकाएं। गैस बंद कर दें, चटपटे मटर तैयार हैं, कुलचे के साथ इसे सर्व करें।

रेसिपी

मॉलिगेटॉनी सूप

सामग्री

■ 2 टीस्पून कुकिंग ऑयल ■ 2.5 कप रेडीमेड वेजिटेबल ब्रोथ ■ ½ कप लाल मसूर की दाल ■ ¼ कप चावल ■ 2 टुकड़ों में कटी गाजर ■ 2 बारीक कटी सेलेरी स्ट्रिक्स ■ 2 बारीक कटे टमाटर ■ 1 बारीक कटा सेब ■ ½ कप बारीक कटा प्याज ■ 1 टीस्पून गार्लिक पेस्ट ■ गार्निशिंग के लिए कुछ भुने हुए करी पत्ते।

विधि

2 टीस्पून कुकिंग ऑयल, 2.5 कप रेडीमेड वेजिटेबल ब्रोथ, ½ कप लाल मसूर की दाल, द कप चावल, 2 टुकड़ों में कटी गाजर, 2 बारीक कटी सेलेरी स्ट्रिक्स, 2 बारीक कटे टमाटर, 1 बारीक कटा सेब, ½ कप बारीक कटा प्याज, 1 टीस्पून गार्लिक पेस्ट, गार्निशिंग के लिए कुछ भुने हुए करी पत्ते।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-6-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान की कोशिश करेगा। शुभांक-4-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-3-5

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। शुभांक-2-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानीयां स्वत: ही दूर होती प्रतीत होगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करे। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-3-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
जीवनसाथी अथवा दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 1835

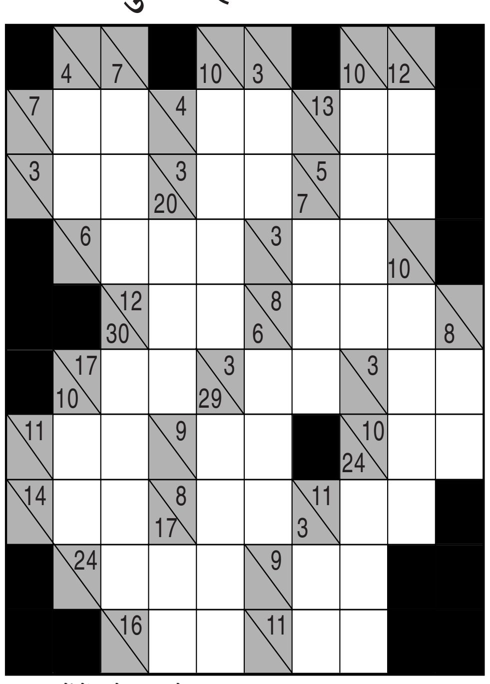

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

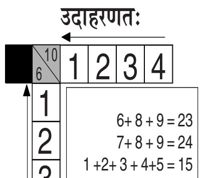

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 1834 का हल

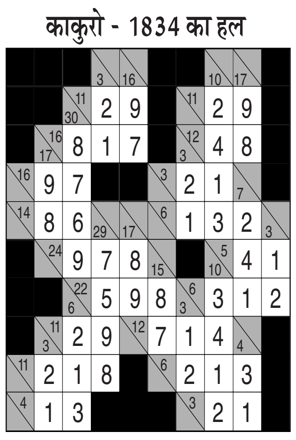

हंसी के फूव्वारें

मालकिन ने नई नौकरानी से पूछा- 'देखो ! मैं ज्यादा बातचीत नहीं करती. अगर मैं अंगुली से इशारा करूँ तो समझ लो कि मैं बुला रही हूँ.'
इस पर नौकरानी बोली- 'जी ! मैं भी बहुत कम बोलना पसन्द करती हूँ. अगर मैं अपना सिर हिला दूं तो समझ जाइये कि मैं नहीं आ सकती.'

□ □ □

जेल की एक कोठरी में बैठे तीन कैदी बता रहे थे कि वे क्यों पकड़कर बन्द कर दिये गए ?
पहला- 'मै चुनाव में राजनारायण के पास में काम कर रहा था !'
दूसरा- 'और मैं राजनारायण के खिलाफ काम कर रहा था !'
तीसरा- 'राजनारायण मैं खुद हूँ.'

□ □ □

प्रेमिका बोली, "मैं किसी ऐसे व्यक्ति के साथ विवाह न करूंगी जो झूठ बोलता हो."
प्रेमी बोला, "तब तो तुम सारा जीवन कुंवारी रहोगी."

□ □ □

मंत्री जी ने अस्पताल के नवनिर्मित ऑपरेशन थिएटर का उद्घाटन करते हुए अपने भाषण में कहा–"भाइयों, ऑपरेशन थिएटर का निर्माण एक अच्छी बात है. इतने बड़े अस्पताल में रोगियों के मनोरंजन के लिए उनका अपना थिएटर होना बहुत जरूरी है."

फिल्म वर्ग पहेली- 1835

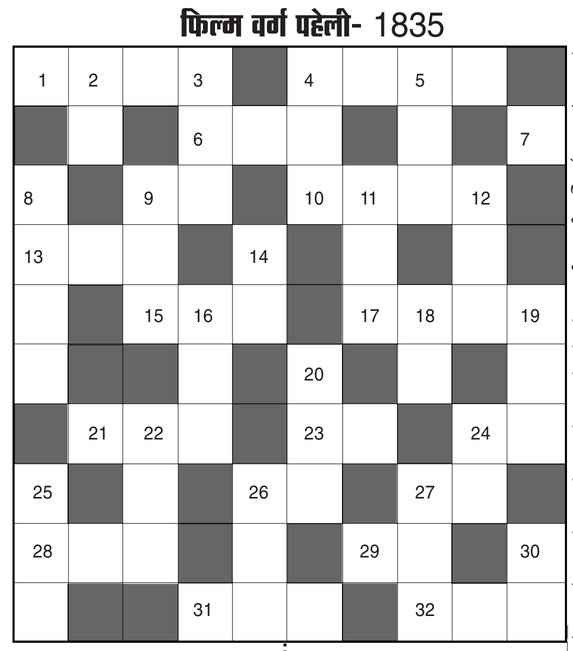

बायें से दायें:-

१. धर्मेन्द्र, राखी की 'पल पल दिल के पास' गीत वाली फिल्म-२,२
४. 'इमली का बूटा' गीत वाली दिलीपकुमार, राजकुमार, विवेक मुशरान, मनीषा की फिल्म-४
६. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की 'नहीं कही थी बात' गीत वाली फिल्म-३
७. 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१
९. लक्की अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-२
१०. राकेश रोशन, योगिता बाली की 'लो मेरा प्यार लेलो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'तुम्ही रहनुमा हो' गीत वाली अनिल धवन, राधा सलूजा की फिल्म-३
१५. सुनीलदत्त, मीनाकुमारी की 'रंग और नूर की' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'ए बी सी डी छोड़ो' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेंमा मालिनी की फिल्म-२,२
२१. राजेंद्रकुमार, वैजयंतीमाला की 'हमसे तो अच्छी तेरी' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'कोई देख रहा रहा' गीत वाली सनी देओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-२
२४. सुनील शेट्टी, सोमी अली की 'आ जा जाने जां' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'मैं तेरा मजनूं' गीत वाली गोविंदा, सोनाली, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-२
२७.शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या की 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'अपने दिल में जगह' गीत वाली अनिल धवन, नीतूसिंह की फिल्म-३
२९. फरदीनखान, करीना कपूर की 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-३
३२. अनिलकपूर, श्रीदेवी, रवीना की 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

२. सनी देओल, सुनील, शिल्पा की 'कोई परी आती नही' गीत वाली फिल्म-२
३. 'ओ नचलै नचलै' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन की फिल्म-३
४. राजेश खन्ना, टीना, पद्मिनी की फिल्म-३
५. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली फिल्म-३
८. संजयदत्त, गोविंदा, दिव्या, ममता की 'दिल तो खोया है' गीत वाली फिल्म-४
९. 'गोरे गोरे मुखड़े पे' गीत वाली अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की फिल्म-३
११. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
१२. 'हाथी मेरे साथी' की नायिका ?-३
१४. 'तुमको कितना है' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना जेटली की फिल्म-२
१६ संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चांदनी रातें प्यार की बातें गीत वाली देवआनंद, गीताबाली की फिल्म-२
१९. शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की 'प्यार करना नहीं आया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'यशोदा का नंदलाला' गीत वाली जयाप्रदा, जीतेंद्र, विनोद की फिल्म-३
२२. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'जो बीच बजरिया' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-२
२५.विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
२६. 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
२७. देवआनंद, हेमा मालिनी की फिल्म-३
३०. 'आज सरे महफिल' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1834

सूडोकु -1835

4			9		6	1		8
6	8					9	2	3
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1834 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

शब्द पहेली - 1835

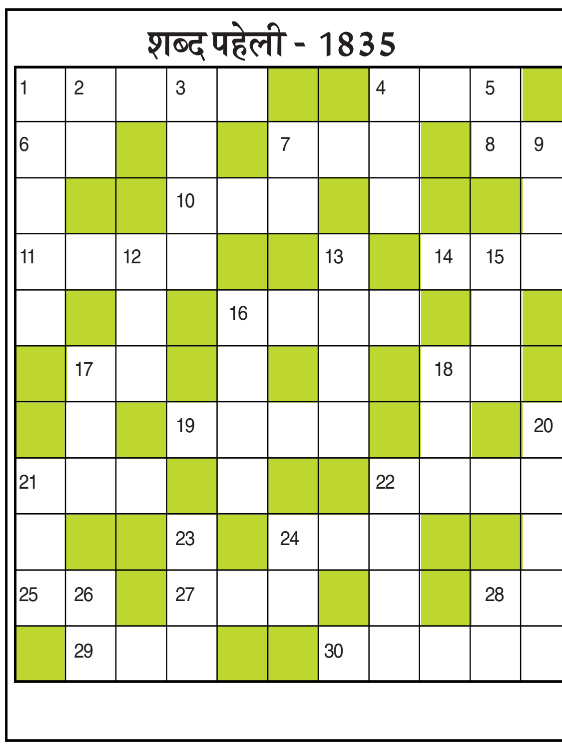

बाएँ से दाएँ

1.शरीफ,नेकनीयत-5
4.जिसे सुनाई न दे-3
6.मां का भाई-2
7.एकमात्र,सिर्फ एक-3
8.अधिकार-2
10.सिर झुकाना-3
11.दुर्घटना-4
14.दूध फाड़कर बनाया जानेवाला पदार्थ-3
16.राजदार-4
17.राजा की पत्नी-2
18.वीज, वीर्य-2
19.मीठा पेय पदार्थ-4
21.पानी की बूंद-3
22.अवरोध,बाधा-4
24.मैला,अस्वच्छ-3
25.पानी,जल-2
27.पुत्र,लड़का-3
28.लाश,पार्थिव देह-2
29.थकावट-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.समाजवाद को माननेवाला अनुयायी-5
2.अस्थमा-2
3.राज्य,सल्तनत-4
4.तन,काया,देह-3
5.रास्ता,मार्ग-2
7.नखरा,भुगतान-2
9.डोली उठाने वाले-3
12.बिजली,विद्युत रश्मि-3
13.भद्रता,नेकनियत -4
15.कमल,पंकज-3
16.बुखरा,ज्वर ताप-4
17.आराम,मदद-3
18.घना वन-3
20.मन को भाने वाला -2,3
21.कथा,गाथा-3
22.कहासुनी-4
23.मनन करना-3
24.शराब-2
26.घोड़ागाड़ी-2
28.बढ़ावा देना-2

शब्द पहेली - 1834 का हल

लोकसभा उपचुनावः असम भाजपा ने नौगांव से देबाशीष शर्मा को बनाया उम्मीदवार

एजेंसी
नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने असम में होने वाले लोकसभा उपचुनाव 2026 को लिए उम्मीदवार की घोषणा कर दी है। भाजपा ने नौगांव लोकसभा क्षेत्र से देबाशीष शर्मा को उम्मीदवार बनाया है। असम की नौगांव संसदीय सीट कांग्रेस सांसद प्रद्युत बोरदोलोई के इस्तीफे के कारण खाली हो गई थी। बता दें कि 2024 को लोकसभा चुनाव में प्रद्युत बोरदोलोई 788,850 वोट हासिल किया था, जबकि भाजपा उम्मीदवार सुरेश बोरा को 576,619 वोट मिले थे। इस सीट से 2019 लोकसभा में प्रद्युत बोरदोलोई ही सांसद चुने गए थे और भाजपा उम्मीदवार दूसरे नंबर पर थे। गौरतलब है कि प्रद्युत बोरदोलोई 17 मार्च को सांसद पद से इस्तीफा देने के साथ कांग्रेस पार्टी को भी छोड़ दिया था। प्रद्युत बोरदोलोई वर्मतान में भाजपा में है। इस्तीफा देने के बाद 19 सितंबर को प्रद्युत बोरदोलोई ने बातचीत में कहा था कि कांग्रेस से इस्तीफा देकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने का उनका फैसला जल्दबाजी में नहीं लिया गया था।

कर्नाटकः चामराजनगर में तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार तीन लोगों की मौत

चामराजनगर । कर्नाटक के चामराजनगर जिले के हनूर तालुक में आर.एस. डोडी के पास एक तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि कार के ड्राइवर की तलाश शुरू कर दी गई है। मरने वालों की पहचान रमेश, सुरेश और मुनियप्पा के तौर पर हुई है, ये सभी हनूर तालुक के कोप्पा गांव के रहने वाले थे। पुलिस के मुताबिक, गुरुवार देर रात ये तीनों किसी जरूरी काम से कोप्पा गांव से आर.एस. डोडी होते हुए कोल्लेगल जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रही एक अज्ञात कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मारी और बिना रुके वहां से भाग गई। जोरदार टक्कर की वजह से तीनों को बहुत अधिक खून बहने लगा और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर हनूर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल की। शवों को पोस्टमार्टम के लिए कोल्लेगल सरकारी अस्पताल भेजा। पुलिस ने दुर्घटना वाली जगह पर मिली कार के कुछ हिस्से बरामद कर लिए हैं और फरार कार व ड्राइवर का पता लगाने के लिए आस-पास के इलाकों में सड़क और सीसीटी फुटेज की जांच कर रही है। हनूर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच चल रही है।

पीएम श्री योजना पर फिर से चर्चा शुरू, केंद्र सरकार ने पत्र लिखकर लागू करने को लेकर स्पष्टीकरण मांगा

तिरुवनंतपुरम । केरल में पीएम श्री योजना पर फिर से चर्चा शुरू हो गई है। केंद्र सरकार की ओर से राज्य सरकार को दूसरी बार पत्र लिखकर इसके लागू होने के बारे में स्पष्टीकरण मांगा गया है। सामान्य शिक्षा मंत्री एन. शम्सुद्दीन की ओर से पुष्टि की गई है कि मुख्य सचिव को केंद्र का नया पत्र मिल गया है। एन. शम्सुद्दीन ने कहा कि सरकार के कोई भी फैसला लेने से पहले जरूरी बातचीत की जाएगी। उन्होंने कहा, 'मुख्यमंत्री सरकारी स्तर पर और गठबंधन के भीतर इस मुद्दे पर चर्चा करेंगे और अपना रुख बताएंगे। मैं अकेले कोई फैसला नहीं ले सकता।' मंत्री एन. शम्सुद्दीन ने आगे कहा कि सरकार इस बात पर विचार करेगी कि पीएम श्री को पूरी तरह से खारिज कर दिया जाए या कुछ शर्तों के साथ इसे आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि इसके भविष्य का फैसला मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन की अगुआई में बातचीत के बाद किया जाएगा। बता दें कि हाल ही में कांग्रेस नेतृत्व के बीच भी इस मुद्दे पर चर्चा हुई है।

डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस ने मुंबई एयरपोर्ट पर 3 करोड़ का सोना जब्त किया, चार लोग गिरफ्तार

मुंबई । डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) की ओर से बड़ी कार्रवाई करते हुए मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट से 5 करोड़ रुपये से ज्यादा कीमत का सोना का बुरादा जब्त किया है। अधिकारियों ने जानकारी दी कि कीमती धातुओं की तस्करी के खिलाफ जारी अभियान के तहत दो कर्मचारियों समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि डीआरआई ने 5.5 करोड़ रुपये कीमत की 3.5 किलोग्राम सोने की धूल जब्त की है। इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें एयरपोर्ट के दो कर्मचारी और दो ट्रांजिट यात्री शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी कथित तौर पर मुंबई एयरपोर्ट के जरिए काम करने वाले सोने की तस्करी के एक अंतरराष्ट्रीय गिरोह का हिस्सा थे। पिछले महीने इसी तरह के एक ऑपरेशन में, डीआरआई ने महाराष्ट्र के नागपुर में एक ट्रेन यात्री से तीन करोड़ रुपये से ज्यादा कीमत का सोना जब्त किया था।

वाराणसी में फिर बढ़ने लगा गंगा का जलस्तर

12 घंटे में 9 सेंटीमीटर का उछाल

एजेंसी
वाराणसी । उत्तर प्रदेश के वाराणसी में गंगा नदी का जलस्तर एक बार फिर बढ़ने लगा है। पिछले कुछ दिनों तक स्थिर रहने के बाद, अब नदी के जलस्तर में दो सेंटीमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ोतरी हो रही है। बीते 12 घंटों में गंगा का जलस्तर नौ सेंटीमीटर तक बढ़ चुका है। सेंट्रल वॉटर कमीशन के मुताबिक, गुरुवार रात 8 बजे वाराणसी में गंगा का जलस्तर 69.31 मीटर पर पहुंच गया। यह चेतावनी स्तर 70.262 मीटर से अभी भी लगभग 1 मीटर नीचे है, लेकिन लगातार हो रही बढ़ोतरी ने प्रशासन और घाटों पर रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ा दी है। फिलहाल गंगा में नावों के संचालन पर पूरी तरह से रोक लगी हुई है। जलस्तर बढ़ने का असर सीधे तौर पर घाटों पर दिख रहा है। कई छोटे घाट अभी भी पानी में डूबे हुए हैं, जिससे वहां दुकान लगाने वाले नाविकों

और दुकानदारों को काफी परेशानी हो रही है। तीर्थयात्रियों के लिए भी मुश्किलें बढ़ गई हैं। वाराणसी के नाविक शिवानंद साहनी ने बताया, 'घाटों पर दुकानदारों को बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है और आने वाले तीर्थयात्रियों को भी परेशानी हो रही है, क्योंकि कपड़े बदलने के लिए कोई जगह नहीं बची है। बाढ़ की वजह से उपलब्ध जगह कम हो गई है, जिससे बहुत ज्यादा भीड़-भाड़ हो गई है और लोगों का धक्का-मुक्की का सामना करना पड़ रहा है।' उनका कहना है कि घाटों पर जगह की कमी के कारण अव्यवस्था जैसी स्थिति बन गई है। गंगा आरती और स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को सीमित जगह में ही अपना काम करना पड़ रहा है। वहीं, जिला प्रशासन ने भी लोगों से सहयोग की अपील की है। प्रशासन का कहना है कि भीड़ बढ़ने के साथ-साथ चोरी जैसी घटनाओं का भी खतरा बढ़ जाता है। लोगों से कहा गया है कि वे अपने सामान का ध्यान रखें और सतर्क रहें। प्रशासन ने यह भी कहा है कि अगर कोई भी संदिग्ध व्यक्ति या चोरी की घटना दिखती है तो तुरंत प्रशासन को सूचना दें या उस व्यक्ति को प्रशासन के पास लेकर आएं। फिलहाल प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए है। जलस्तर चेतावनी निशान से नीचे है, इसलिए अभी बाढ़ का बड़ा खतरा नहीं है, लेकिन अगर इसी रफ्तार से पानी बढ़ता रहा तो आने वाले दिनों में मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

नगर निकाय चुनाव 2026 : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने परिवार सहित किया मतदान,कांग्रेस पर साधा निशाना

एजेंसी
जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने अपने परिवार के साथ 2026 नगर निगम चुनाव के लिए वोट डाला। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा, सबसे पहले तो मैं राजस्थान की जनता को आह्वान करूंगा कि ये लोकतंत्र का पर्व है और इस लोकतंत्र के पर्व में हमारे एक-एक वोट का बहुत महत्व है। मैं सभी भाई बहनों से कहना चाहता हूं कि आप मतदान करें और अपने निकायों को पूर्ण रूप से चुनें जिससे हमारा विकास हो सके।' उन्होंने आगे कहा, '...कांग्रेस के राज में लगातार 2 साल तक नगर निकाय के चुनाव होते रहे, लगातार पंचायत चुनाव होते रहे। जब हम सरकार में आए थे तो हमने कहा था कि हम इस पद्धति को समाप्त करेंगे क्योंकि राजस्थान में हर तीन महीने में आचार-संहिता लगती थी और विकास अवरुद्ध होता था। कांग्रेस के लोगों को विकास से कुछ लेना-देना नहीं था... राजस्थान की जनता लगातार इन चुनावों के चक्कर काटती रही। हमने कहा कि हम 'वन स्टेट-वन इलेक्शन' राजस्थान में

लाएंगे। कांग्रेस ने उसमें भी कई रोड़े अटकाने की कोशिश की... क्योंकि ये राजस्थान की जनता का हित था, ये राजस्थान के जनता की समय-पैसों की जो बर्बादी थी, उसे रोकने का प्रयास था, राजस्थान स्थायी विकास करे इसलिए हमने ये कहा कि हम 'वन स्टेट-वन इलेक्शन' करवाएंगे...'

'मेरे लिए एक दिन नस काट लेगी...'

राघव चड्ढा का AAP पर 'एक्स गर्लफ्रेंड' वाला तंज, बोले- 'दिलजले आशिक' जैसी

एजेंसी
नई दिल्ली। बीजेपी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने पंजाब में बढ़ते नशे के मुद्दे को लेकर आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में नशे की समस्या गंभीर होती जा रही है। चड्ढा ने ऐलान किया कि बीजेपी 18 से 30 सितंबर तक 'नशा मुक्त पंजाब यात्रा' निकालेगी। उन्होंने आप की तुलना एक ऐसी 'एक्स गर्लफ्रेंड'से की जिसे उसका बॉयफ्रेंड छोड़कर आगे बढ़ गया लेकिन वह अब भी उससे प्यार करती है। चड्ढा ने कहा कि राजनीतिक रूप से आगे बढ़ने के बावजूद आप लगातार उन्हें लेकर बयान दे रही है।

राघव चड्ढा ने बताया कि बीजेपी नेतृत्व की बैठक में इस यात्रा को लेकर फैसला लिया गया। उन्होंने कहा कि 18 सितंबर से शुरू होने वाली यह यात्रा 30 सितंबर तक चलेगी और इसका मुख्य मुद्दा पंजाब में नशे की समस्या रहेगा।

चड्ढा ने इस दौरान आम आदमी पार्टी पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि राजनीतिक रूप से आगे बढ़ जाने के बावजूद आप लगातार उनका जिक्र करती रहती है।

उन्होंने कहा, 'आप ऐसी स्थिति में पहुंच गई है कि मैं अब उनके सपनों में भूत की तरह आता हूं।' चड्ढा ने पार्टी की तुलना ऐसी 'एक्स गर्लफ्रेंड' से की जिसे उसका बॉयफ्रेंड छोड़कर आगे बढ़ गया लेकिन वह अब भी उससे प्यार करती है। उन्होंने कहा, 'मुझे चिंता है कि एक दिन वह दिल टूटे प्रेमी की तरह मेरे लिए अपनी कलाई की नस काट ले। मुझे उनकी बहुत चिंता है।' चड्ढा का यह बयान, कांग्रेस की ओर से लगातार उनके खिलाफ लगाए जा रहे आरोपों के संदर्भ में आया।

पंजाब में नशे की स्थिति पर बात करते हुए चड्ढा ने दावा किया कि राज्य में 'चिट्टा' यानी आम तौर पर हेरोइन के लिए इस्तेमाल होने वाला शब्द, आसानी से उपलब्ध हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि लोग नशा खरीदने के लिए उसी तरह कतार में लग रहे हैं जैसे राशन लेने के लिए लगते हैं। चड्ढा ने कहा कि पंजाब की गलियों, मोहल्लों और गांवों में नशा बेचा जा रहा है। उन्होंने राज्य सरकार के उन दावों पर भी सवाल उठाया जिनमें नशे के खिलाफ कार्रवाई में सफलता की बात कही जा रही है। उन्होंने कहा, 'पंजाब में नशे की स्थिति फिलहाल ऐसी है कि 'चिट्टा' खरीदने के लिए भी लोगों की कतार लग रही है, ठीक वैसे ही जैसे राशन के लिए कतार लगती है। 'चड्ढा ने वाल्मीकि समुदाय से आने वाले गुलजार सिंह की मौत का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि गुलजार सिंह ने अपने बेटे के नशे की लत को लेकर भगवंत मान सरकार से सवाल किया था और न्याय की मांग की थी। चड्ढा ने सवाल उठाया कि क्या अपने परिवार की त्रासदी को लेकर सरकार से जवाब मांगना किसी नागरिक की गलती हो सकती है।

आजम खां की मुश्किलें बढ़ीं

हज समिति की जमीन घोटाला मामले में विजिलेंस ने दर्ज किया केस

एजेंसी
लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता आजम खां की कानूनी मुश्किलें कम होती नहीं दिख रही हैं। राज्य हज समिति की जमीन की बिक्री में कथित अनियमितता के मामले में विजिलेंस के लखनऊ सेक्टर ने आजम खां समेत पांच लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। जांच में हज समिति को करीब 2.08 करोड़ रुपये के राजस्व नुकसान की बात सामने आई है। मामले में आजम खां के अलावा तत्कालीन समिति सचिव लईक अहमद और डॉ. एमएए खान, आमिश डेवलपर्स के प्रोपराइटर मो. अयूब तथा मुस्तकीम अहमद को आरोपी बनाया गया है। विजिलेंस के अनुसार, आरोपियों ने निजी फर्म को लाभ पहुंचाने के लिए अपने पद का दुरुपयोग किया और जमीन की बिक्री में निर्धारित नियमों की अनदेखी की। शासन ने तीन मई 2024 को मामले की जांच के आदेश दिए थे। जांच में अनियमितताओं की पुष्टि के बाद विजिलेंस ने धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के सात साल की सजा सुनाई है। दोनों ने फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील के साथ जमानत अर्जी भी दाखिल की है। हज समिति की जमीन से जुड़ा यह

तहत मुकदमा दर्ज किया। मामले की विवेचना इंस्पेक्टर संजय कुमार सिंह को सौंपी गई है।

उल्लेखनीय है कि आजम खां फिलहाल बेटे अब्दुल्ला आजम के दो पैनकार्ड से जुड़े मामले में मिली सजा के चलते जेल में हैं। स्थानीय एमपी-एमएलए अदालत ने आजम खां को 10 साल और अब्दुल्ला आजम को नया मुकदमा ऐसे समय दर्ज हुआ है, जब आजम खां की ओर से हाईकोर्ट में जमानत की कोशिश की जा रही है। नए मामले के बाद उनकी कानूनी स्थिति और जटिल हो गई है। हालांकि, इस एफआईआर का उनकी रिहाई पर सीधा असर क्या होगा, यह आगे की न्यायिक प्रक्रिया और अदालत के आदेश पर निर्भर करेगा।

'क्या आप कश्मीरियों को जेल में देखना चाहते हैं?', वंदे मातरम विवाद पर उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस पर किया पलटवार

एजेंसी
जम्मू-कश्मीर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि वंदे मातरम का पूरा गायन एक कानूनी ज़िम्मेदारी है। उन्होंने पूछा है कि क्या कांग्रेस चाहती थी कि इसका पालन न करने पर कश्मीरियों को जेल भेजा जाए। उमर ने श्रीनगर में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि उन्हें (कांग्रेस को) इसे संसद में रोकना चाहिए था। लेकिन कानून बन गया है और ऐसे में इसे गाना एक कानूनी ज़िम्मेदारी है।

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जहां भी राष्ट्रगान गाया जाता है, वहां वंदे मातरम का पूरा गायन कानूनी तौर पर जरूरी है। उन्होंने कहा, 'यह सिर्फ जम्मू-कश्मीर के लिए नहीं है। यह पूरे देश के लिए है। यह कांग्रेस वाले राज्यों में सरकारी कामों में भी होगा।' कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस के बीच हाल ही में इस हफ्ते की शुरुआत में J&K के पहले इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के उद्घाटन समारोह में वंदे मातरम के पूरे गायन को लेकर बहस हुई थी, जिसमें मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला भी मौजूद थे। कांग्रेस जनरल सेक्रेटरी (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने NC से कहा कि

वे हमारे आज़ादी के दीवानों की समझदारी और फैसले का सम्मान करें और गीत के सिर्फ पहले दो हिस्से गाकर इंडिया ब्लॉक के साथ खड़े हों। लेकिन, यह सलाह NC को पसंद नहीं आई। NC के विधायक और सीएम उमर अब्दुल्ला के करीबी तनवीर सादिक ने कांग्रेस सीएम रेवंत रेड्डी (तेलंगाना) और डीके शिवकुमार (कर्नाटक) के राष्ट्रीय गीत के पूरे गाने के दौरान खड़े होने के वीडियो पोस्ट करते हुए पलटवार किया। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि वंदे मातरम के दौरान खड़े न होने के कानूनी नतीजे हो सकते हैं। उन्होंने पूछा, 'तो, कांग्रेस क्या चाहती है? कि कश्मीरियों को इस वजह से जेल में डाल दिया जाए? यह एक कानूनी ज़िम्मेदारी है।' उमर अब्दुल्ला ने कहा कि वह दुआ करते हैं कि कांग्रेस सत्ता में वापस आए और उस कानून को खत्म कर दे जो वंदे मातरम को पूरा गाना जरूरी बनाता है। उन्होंने कहा, 'मैं प्रार्थना करता हूं कि कांग्रेस सरकार जल्द ही (सत्ता में) आए और पार्लियामेंट में इसे खत्म कर दे। हमें कोई आपत्ति नहीं होगी। हमारी पार्टी ने कभी वंदे मातरम को स्वीकार नहीं किया है। हम इसे भविष्य में भी स्वीकार नहीं करेंगे। लेकिन हमें अपनी कानूनी और कानूनी ज़िम्मेदारियां पूरी करनी होंगी।

संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत को एस. जयशंकर सहित कई नेताओं ने दी जन्मदिन की बधाई

एजेंसी
नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख डॉ. मोहन भागवत का 76वां जन्मदिवस है। उनका जन्म 11 सितंबर, 1950 को महाराष्ट्र के चंद्रपुर में हुआ था। उनके जन्मदिन के अवसर पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर सहित कई नेताओं ने बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, 'मोहन भागवत को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। आपका राष्ट्र के प्रति समर्पण अनुकरणीय है। ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की प्रार्थना है। मुझे विश्वास है कि आगे भी आपका मार्गदर्शन हमें निरंतर प्राप्त होता रहेगा।' असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक एवं राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पित व्यक्तित्व, मोहन भागवत जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। राष्ट्र के

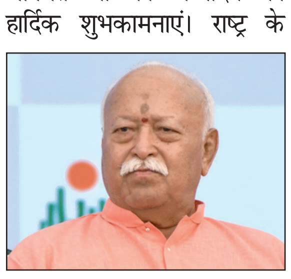

सांस्कृतिक मूल्यों और सामाजिक एकता को सुदृढ़ करने में आपका योगदान सदैव प्रेरणादायी रहा है। ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की प्रार्थना करता हूं।' दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, 'भारतीय संस्कृति और सनातन राष्ट्रचेतना के प्रखर संवाहक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत को जन्मदिन की हार्दिक बधाई।' रेखा गुप्ता ने आगे लिखा, 'श्रद्धेय भागवत जी का जीवन संगठन, समरसता और राष्ट्रनिष्ठा की उस तपस्या का प्रतीक है, जो व्यक्ति से ऊपर समाज और समाज से ऊपर राष्ट्र को रखती है। भारतबोध को सुदृढ़ करने, सामाजिक एकात्मता को गहरा करने और नई पीढ़ी में कर्तव्य, अनुशासन एवं राष्ट्रसेवा का संस्कार जागृत करने वाला उनका मार्गदर्शन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि उन्हें उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और राष्ट्रकार्य के लिए सतत ऊर्जा प्रदान करें।' उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'राष्ट्रसेवा, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक चेतना के प्रति समर्पित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत को जन्मदिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आपका सरल व्यक्तित्व, राष्ट्र के प्रति समर्पण और समाज को एकजुट करने का सतत प्रयास हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। बाबा केदार से आपके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं मंगलमय जीवन की कामना करता हूं।' उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत को जन्मदिन की अनंत शुभकामनाएं। अनुशासन, राष्ट्र निर्माण और सामाजिक समरसता की भावना से जन-जन को जोड़ने वाले पूज्य सरसंघचालक जी का जीवन हर स्वयंसेवक और भारतवासी के लिए प्रेरणा का अटूट स्रोत है।

प्राइवेट स्कूल शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय कल्याण योजना की मांग

सुप्रीम कोर्ट का केंद्र और राज्यों को नोटिस

एजेंसी
नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने देश भर के निजी स्कूल शिक्षकों के लिए एक व्यापक राष्ट्रीय कल्याण ढांचा (National Welfare Framework) तैयार करने की मांग वाली याचिका पर केंद्र सरकार और राज्यों से जवाब मांगा है।

जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने ऑल इंडिया टीचर्स फेडरेशन की नेशनल कोऑर्डिनेटर लिगिमोल जॉर्ज की ओर से दायर याचिका पर केंद्र और राज्यों को नोटिस जारी किया है।

याचिका में क्या मांग है?

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, याचिकाकर्ता निजी स्कूलों में काम करने वाले शिक्षकों के लिए पूरे देश में एक समान और व्यापक वेलफेयर फ्रेमवर्क बनाने की मांग कर रही हैं। इसमें शिक्षकों की सामाजिक सुरक्षा और कल्याण से जुड़े उपाय शामिल किए जाने की मांग है। याचिकाकर्ता ने न्यायालय में यह तर्क देते हुए याचिका दायर

की कि निजी स्कूल के शिक्षक भारत के शिक्षण कार्यबल (India Teaching Workforce) का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन उनके कल्याण के लिए कोई समर्पित राष्ट्रीय वैधानिक तंत्र मौजूद नहीं है। अतः, राज्यों में कल्याणकारी उपायों के समन्वय और निगरानी के लिए एक राष्ट्रीय निजी स्कूल शिक्षक कल्याण बोर्ड या इसी तरह का कोई संस्थागत तंत्र स्थापित किया जाना चाहिए। इसको लेकर यह सुझाव दिया गया। याचिका के अनुसार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रावधान अधिनियम, ग्रेच्युटी भुगतान अधिनियम और सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 जैसे मौजूदा कानून निजी स्कूल शिक्षकों को पात्रता आवश्यकताओं और राज्य-विशिष्ट नियमों के आधार पर केवल सीमित या खंडित सुरक्षा प्रदान करते हैं। याचिकाकर्ता ने समस्या की गंभीरता को उजागर करने के लिए DISE+ 2023-24 के आंकड़ों का हवाला दिया। इन आंकड़ों के अनुसार, भारत भर में मान्यता प्राप्त निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों में 37,30,047 शिक्षक कार्यरत हैं।

याचिका के अनुसार, कई निजी स्कूल शिक्षक संविदात्मक, अस्थायी, तदर्थ, निश्चित वेतन या वार्षिक रूप से नवीकरणीय नियुक्तियों पर काम करते हैं और सुनिश्चित पेंशन, पर्याप्त चिकित्सा सहायता, बीमा, दिव्यांगता सुरक्षा या अन्य सेवानिवृत्ति के बाद के लाभों के बिना सेवानिवृत्त होते हैं। यह तर्क दिया गया कि एकसमान कल्याणकारी सुरक्षा के अभाव के परिणामस्वरूप राज्यों और संस्थानों में काफी हद तक समान कार्य करने वाले शिक्षकों के साथ एक जैसा व्यवहार नहीं होता है। महाराष्ट्र के मीरा रोड स्थित एक स्कूल का एक सर्कुलर इन दिनों चर्चा में है। स्कूल ने छात्रों के टिफिन को लेकर ऐसा निर्देश जारी किया, जिसके बाद राजनीतिक दलों ने सवाल खड़े कर दिए। मामला बढ़ा तो स्कूल को अपने फैसले पर पीछे हटना पड़ा।

आचार्य विनोबा भावे की जयंती पर ओम बिड़ला समेत केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों ने दी श्रद्धांजलि

एजेंसी
नई दिल्ली। भूदान आंदोलन के जनक, महान स्वतंत्रता सेनानी एवं समाज सुधारक, भारत रत्न आचार्य विनोबा भावे की जयंती पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, मनोहर लाल, एस. जयशंकर और कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने श्रद्धांजलि दी है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने एक्स पोस्ट में कहा, 'आचार्य विनोबा भावे का जीवन त्याग, साधना और लोकसेवा का अद्भुत उदाहरण रहा। महात्मा गांधी जी के विचारों से प्रभावित होकर उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भागीदारी की और आगे चलकर ग्राम स्वराज, आत्मनिर्भरता, अहिंसा तथा सामाजिक पुनर्निर्माण को अपने जीवन का प्रमुख ध्येय बनाया। स्वतंत्रता के बाद उन्होंने भूमि के असमान वितरण और ग्रामीण समाज की समस्याओं को समझते हुए 'भूदान आंदोलन' की शुरुआत की। उनका प्रयास था कि भूमिसंपन्न लोग स्वेच्छा से अपनी भूमि का एक हिस्सा भूमिहीन परिवारों को दें, ताकि समाज में आर्थिक असमानता कम हो और वंचित लोगों को सम्मानजनक जीवन का अवसर मिले। आगे चलकर यह पहल एक व्यापक 'भूदान-ग्रामदान आंदोलन' के रूप में विकसित हुई।' ओम बिड़ला ने आगे कहा, 'विनोबा भावे का विश्वास था कि सामाजिक परिवर्तन केवल कानून और सत्ता के माध्यम से नहीं, बल्कि व्यक्ति के हृदय परिवर्तन और स्वैच्छिक सहयोग से भी संभव है। इसी विचार के साथ उन्होंने देशभर में पदयात्राएं कीं और लोगों को अहिंसा, सहयोग, त्याग तथा सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश दिया। सत्य, अहिंसा, आत्मानुशासन और सामाजिक समरसता को अपने जीवन का आधार बनाकर समाज में समानता और न्याय की नई चेतना जगाने वाले महान विचारक, गांधीवादी चिंतक और भूदान आंदोलन के प्रणेता भारत रत्न आचार्य विनोबा भावे जी की जयंती पर उनका सादर स्मरण।' केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक्स पर पोस्ट किया, 'महान स्वतंत्रता सेनानी भारत रत्न आचार्य विनोबा भावे की जयंती पर उन्हें विनम्र अभिवादन।'

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने एक्स पोस्ट में कहा, 'महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, प्रख्यात समाज सुधारक, 'भूदान आंदोलन' के प्रणेता, 'भारत रत्न' आचार्य विनोबा भावे जी की जयंती पर उन्हें भावपूर्ण नमन करता हूं।'

बांग्लादेश के खिलाफ शांत रहते हुए पारी को बढ़ाने की कोशिश की: शेफाली वर्मा

दुबई, एजेंस। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशिया कप 2026 के फाइनल में जगह बना ली है। गुरुवार को हुए सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने बांग्लादेश को हराकर फाइनल में जगह बनाई। भारतीय टीम की जीत में सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा की 64 रनों की विस्फोटक पारी की अहम भूमिका रही। शेफाली को उनकी बेहतरीन पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वर्मा ने कहा कि उन्होंने गुरुवार को यहां महिला एशिया कप सेमीफाइनल में बांग्लादेश के खिलाफ मैच जिताने वाली 64 रन की पारी के दौरान मुश्किल बैटिंग पिच के हिसाब से खुद को ढालते हुए शांत रहने और टीम के लिए योगदान देने पर ध्यान दिया। शेफाली ने बीसीसीआई विमेन द्वारा जारी एक वीडियो में कहा, 'एक सलामी बल्लेबाज के तौर पर मैं कभी-कभी बड़े शॉट लगाती हूं और कभी-कभी बस शांत रहने और सिंगल लेने की कोशिश करती हूं, क्योंकि स्मृति भी साथ होती हैं। कभी-कभी, मैं बस टीम के लिए वहां रहने और पारी को आगे बढ़ाने की कोशिश करती हूं।' सीनियर खिलाड़ी और ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने शेफाली वर्मा की तारीफ करते हुए कहा, 'गेंद उनके पास वैसी नहीं आ रही थी जैसी वह चाहती थीं। पिछले मैच से अलग चुनौती थी, पिच भी मुश्किल थी, लेकिन उन्होंने खुद को शांत रखा और अपने शॉट्स पर भरोसा किया। यह देखना अच्छा था, और उनके शॉट्स को देखकर लगा कि उनकी मानसिकता स्पष्ट नजर आई। उन्हें पता था कि क्या करना है, और ये छोटी-छोटी चीजें उनकी मदद कर रही थीं।' दीप्ति ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं कि मुझे 2-3 या 4 बॉल खेलने को मिलीं, और मैं बस जल्द से जल्द ऐसी छोटी पारी खेलने का इंतज़ार कर रही थी। मैं बहुत खुश हूं कि मैं आखिरी कुछ गेंदों पर योगदान दे पाई। एक ऑल-राउंडर के तौर पर खेल के अलग-अलग विभाग में योगदान करना अहम है। जब आप तीनों डिपार्टमेंट्स में अपना बेस्ट करने जाते हैं, तो ज़ाहिर है आप एक कदम आगे होते हैं, चाहे वह बैटिंग हो, बॉलिंग हो या फील्डिंग।'

बायर्न ने चैंपियंस लीग के पहले मैच में बोडो/ग्लिम्ट को 5-0 से हराया

बर्लिन। जमाल मुसियाला ने बायर्न म्यूनिख की शुरुआती लाइनअप में वापसी करते हुए पहला गोल किया। इसकी मदद से जर्मन टीम ने यूईएफए चैंपियंस लीग में बोडो/ग्लिम्ट को 5-0 से हरा दिया। बायर्न ने शुरू से ही गेंद पर कब्जा बनाए रखा, लेकिन शुरुआत में मेहमान टीम की पांच लोगों की डिफेंसिव लाइन को तोड़ने में संघर्ष किया। लुइस डियाज को पांच मिनट बाद पहला हाफ में मौका मिला, जोशुआ किमिच के क्रॉस पर उन्होंने पास से हेडर मारा, लेकिन गोलकीपर निकिता हाइकिन ने उसे बचा लिया। किमिच का 22 मीटर का शॉट 33वें मिनट में पोस्ट के बाहर लगा, इससे पहले हाइकिन ने पहले हाफ के आखिर में मुसियाला और फिर किमिच को रोका। हाइकिन, जिन्हें बाद में सेव करते समय कमर में दिक्कत हुई, उनकी जगह हाफटाइम में जूलियन फे लुंड ने ले ली, और बायर्न को रीस्टार्ट के बाद सिर्फ दो मिनट में ही बढ़त मिल गई। हैरी केन को रोकने की कोशिश में व ब्लॉक हो गई, लेकिन मुसियाला ने लूज बॉल को पकड़ा और अपना शॉट बाएं कोने में मार दिया। केन ने 61वें मिनट में माइकल ओलिस की फ्री-किक डिलीवरी पर फे लुंड के पास से हेडर मारकर बढ़त दोगुनी कर दी। अल्फांसो डेविस ने 77वें मिनट में 17-मीटर का स्ट्राइक करके मैच को आसानी से खत्म कर दिया, जिसके छह मिनट बाद ओलिस ने लेनार्ट कार्ल के पास पर बायर्न के लिए चौथा गोल किया। बोडो/ग्लिम्ट का काम तब और मुश्किल हो गया जब 87वें मिनट में ओडिन ब्योर्टुफ्ट को पेनल्टी एरिया के पास ओलिस को गिराने के लिए रेड कार्ड दिखाया गया। ओलिस ने फिर स्टॉपेज टाइम में अपना डबल पूरा किया और विंसेंट कोम्पनी की टीम के लिए दूसरे हाफ में पांच गोल किए। जीत के बाद केन ने कहा, 'हम पहले हाफ में काफी बेहतर थे। हमें बस दरवाजा खुलने तक सब्र रखना था। दूसरे हाफ की शुरुआत में किए गए गोल ने गेम को आगे बढ़ाया और हम और मजबूत हुए।'

सबालेंका, रायबाकिना के खिलाफ नंबर 1 की चुनौती के लिए तैयार हैं

न्यूयॉर्क, एजेंसी। ऐलेना रायबाकिना से विश्व नंबर 1 रैंकिंग गंवाने पर आर्यना सबलेंका ने आखिरकार खुलकर अपनी बात रखी है। उन्होंने स्वीकार किया कि यूएस ओपन में अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद शीर्ष स्थान से हाथ फिसलते देखना थोड़ा अजीब लग रहा था। हालांकि, रायबाकिना के खिलाफ होने वाले रोमांचक फाइनल से पहले बेलारूसी खिलाड़ी इस हार पर ज्यादा ध्यान नहीं देना चाहतीं। क्वार्टर फाइनल में किनवेन झेंग को 3-6, 6-1, 6-4 से हराकर रायबाकिना ने नंबर 1 रैंकिंग हासिल कर ली । इस जीत के साथ ही कजाख खिलाड़ी ने सबालेंका को पछाड़कर शीर्ष स्थान प्राप्त कर लिया और बेलारूसी खिलाड़ी के 99 सप्ताह के वर्चस्व को समाप्त कर दिया। इसके बाद रायबाकिना ने सेमीफाइनल में कोको गॉफ को हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। सेमीफाइनल में जेसिका पेगुला को 7-5, 6-2 से हराने के बाद अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए , सबलेंका ने स्वीकार किया कि रायबाकिना ने सीजन के मध्य में अपने प्रदर्शन में आई गिरावट के बावजूद शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए पर्याप्त प्रदर्शन किया है। 'मैं अच्छी तरह समझती हूं कि विश्व नंबर 1 बनना कितना मुश्किल है। यह मेरा एक लक्ष्य था। लेकिन अभी मैं कुछ खास नहीं कर सकती। सीजन के मध्य में मेरा प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। एलेना ने कमान संभाली और बहुत अच्छा खेला,' सबलेंका ने कहा। 28 वर्षीय खिलाड़ी अब लगातार चौथी बार यूएस ओपन के फाइनल में पहुंच चुकी हैं, जिससे उन्हें रैंकिंग में गिरावट के बावजूद टूर्नामेंट को एक और ग्रैंड स्लैम खिताब के साथ समाप्त करने का मौका मिल गया है। 'मैं सिर्फ खुद पर ध्यान केंद्रित कर सकती हूं और वर्तमान क्षण में रहकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश कर सकती हूं। बस इसे बरकरार रखना है और शायद मैं उससे यह खिताब वापस ले लूं,' उसने आगे कहा।

फाइनल में रायबाकिना का सामना होगा

फाइनल में पहुंचकर सबलेंका को शीर्ष स्थान से हटकर अपनी जगह बनाने वाली खिलाड़ी के खिलाफ खुद को परखने का सीधा मौका मिलेगा। रायबाकिना अपना पहला यूएस ओपन खिताब जीतने की कोशिश में हैं, जबकि सबलेंका न्यूयॉर्क में लगातार तीसरी चैंपियनशिप जीतने का प्रयास कर रही हैं। सबलेंका को पता है कि आगे क्या चुनौती है। रायबाकिना ने अपनी शानदार सर्विस और आक्रामक बेसलाइन गेम के दम पर पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन किया है, वहीं गौफ के खिलाफ उनकी वापसी ने यह साबित कर दिया कि जब मैच कड़े हो जाते हैं तो वह दबाव को भी झेल सकती हैं। हालांकि, सबलेंका के लिए स्थिति स्पष्ट है। रैंकिंग में फिर से बदलाव हो सकता है, और वह जानती है कि खुद को फिर से मुकाबले में लाने के लिए उसे क्या करना होगा। उन्होंने कहा, 'हर कोई एक-दूसरे का पीछा कर रहा है। यह सब छोटी-छोटी चीजों में सुधार करने और बेहतर बनने के बारे में है।' शनिवार को, यूएस ओपन ट्रॉफी की दौड़ में नई विश्व नंबर 1 और उनकी पूर्ववर्ती खिलाड़ी सबसे बड़े मंच पर आमने-सामने होंगी।

सबालेंका ने नंबर 1 बदलाव को स्वीकार किया

रैंकिंग में बदलाव के समय ने स्थिति को विशेष रूप से असामान्य बना दिया है। सबालेंका एक बार फिर न्यूयॉर्क में बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक रही हैं और फाइनल में अपने खिताब का बचाव करेंगी, फिर भी रायबाकिना के शानदार प्रदर्शन ने उनसे शीर्ष रैंकिंग छीन ली। सबलेंका ने स्वीकार किया कि उन्हें इस बात को स्वीकारना मुश्किल लगा, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि यह अंततः टेनिस की प्रतिस्पर्धी प्रकृति का ही एक हिस्सा है। 'यह थोड़ा अजीब लगता है कि आप टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करें और फिर भी आपसे नंबर 1 स्थान छीन लिया जाए। कोई बात नहीं। यही तो खेल है। मुझे यह पसंद है। यही तो खेल की खूबसूरती है,' उन्होंने कहा। न्यूयॉर्क पहुंचने से पहले ही रायबाकिना रैंकिंग में अंतर कम कर रही थीं और फाइनल में पहुंचकर उन्होंने निर्णायक बढ़त हासिल कर ली। गौफ पर उनकी जीत का मतलब है कि वह शनिवार को होने वाले फाइनल में विश्व की नंबर 1 खिलाड़ी के रूप में उतरेंगी।

नवांग त्सेरिंग ने जीता 'लद्दाख मैराथन'

- 122 किलोमीटर की दूरी रिकॉर्ड समय में पूरा किया

लद्दाख, एजेंस। अपनी प्रतिभा को पहचानकर कोई भी अगर उस पर कड़ी मेहनत करता है और निखारने की लगातार कोशिश करता है, तो एक न एक दिन उसे बड़ी सफलता जरूर मिलती है। नवांग त्सेरिंग की कहानी कुछ ऐसी ही है। नवांग ने लद्दाख मैराथन जीतकर रिकॉर्ड बनाया है। नवांग त्सेरिंग ने लद्दाख मैराथन में 122 किलोमीटर सिल्क रूट अल्ट्रा (एसआरयू) की दूरी को 12 घंटे, 12 मिनट और 18 सेंकड (12:12:18) में पूरा कर रिकॉर्ड बनाते हुए पहला स्थान हासिल किया है। त्सेरिंग का यह पहला प्रयास था और पहले ही प्रयास में वह चैंपियन बनकर निकले हैं। लद्दाख मैराथन जीतने के बाद आईएएनएस से खास बातचीत में नवांग ने कहा, 'मैंने लद्दाख मैराथन सिल्क रुट अल्ट्रा (एसआरयू) में पहली बार हिस्सा लिया था और पहले प्रयास में ही पहला स्थान हासिल किया है। यह काफी मुश्किल और चुनौतीपूर्ण था। मेरी मांसपेशिया काफी सख्त हो गई थीं। प्रतिस्पर्धा काफी कड़ी थी। इस साल मैंने (12:12:18) रिकॉर्ड बना दिया है।' नवांग ने अपनी सफलता का श्रेय अपने सभी कोचों, सहयोगियों और प्रशासन को दिया। मैराथन में आने से जुड़े सवाल पर नवांग ने मुस्कुराते हुए कहा, 'मैं अपने दोस्तों को देखकर मैराथन में आया हूं। मैं उन लोगों को देखता था। वे दूसरे राज्यों में जाते थे। वही, देखकर मैंने मैराथन में आने का फैसला किया।' युवाओं को संदेश देते हुए नवांग ने कहा, 'मैं युवाओं से यह कहना चाहता हूं कि आप सभी अपनी प्रतिभा को बर्बाद मत कीजिए। अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करिए। मैं यह नहीं कह रहा कि सभी दौड़ में ही आगे आएं। सभी के पास एक खास प्रतिभा होती है। आप उस प्रतिभा को निखारिए और उसमें आगे बढ़िए।' नवांग की सफलता निश्चित रूप से उन युवाओं के लिए प्रेरणा है जो अभावों के बीच बड़ी उपलब्धि हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं।

कुलदीप यादव ने 10 विकेट लेकर इंग्लैंड में काटा गदर

टीम को दिलाई जीत

यॉर्कशर ने एसेक्स को पारी और 106 रनों से मात दी। इस मैच में कुलदीप ने कुल 10 विकेट अपने नाम किए। उन्होंने पहली पारी में चार विकेट लिए तो वहीं दूसरी पारी में छह विकेट अपने नाम किए। रन खर्च करने के मामले में भी कुलदीप कंजूस ही रहे। उन्होंने पहली पारी में 70 रन खर्च किए और दूसरी पारी में 50 रन। यहां तक की कुलदीप ने अपने बल्ले से भी टीम की जीत में अहम योगदान दिया।

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम में लगातार नजरअंदाज किए जाने वाले चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव इस समय इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेल रहे हैं। कुलदीप ने यॉर्कशर की जर्सी पहनी है और अपनी फिरकी पर अंग्रेज बल्लेबाजों को जमकर नचाया है। उन्होंने एसेक्स के खिलाफ खेले गए मैच में 10 विकेट लेकर अपनी काबिलियत को फिर सिद्ध किया है और टीम इंडिया के मैनेजमेंट को एक कड़ा संदेश भी दिया है। कुलदीप को टी20, वनडे और टेस्ट में नियमित मौके नहीं मिल रहे हैं। गौतम गंभीर ने जब से टीम इंडिया के कोच का पद संभाला है तब से कुलदीप को नियमित रूप से प्लेइंग-11 में जगह नहीं मिली है, लेकिन इंग्लैंड में इस गेंदबाज ने जो किया है उसने गंभीर को भी सोचने को मजबूर कर दिया होगा।

क्या बदलेगा प्लान?

कुलदीप के इस प्रदर्शन के बाद सवाल ये है कि क्या टीम मैनेजमेंट उन्हें लेकर अपने प्लान में बदलाव करेगा? हाल ही में श्रीलंका दौरे पर कुलदीप को नजरअंदाज किया गया था। स्पिनरों की मददगार पिचों पर कुलदीप को नजरअंदाज करना भारत को भारी पड़ सकता है। वह अपनी फिरकी से इंग्लैंड में बल्लेबाजों के लिए काल बन चुके हैं तो उपमहाद्वीप में तो वह और ज्यादा खतरनाक साबित हो सकते हैं।

टेस्ट जर्सी के लिए अर्शदीप झोंक रहे हैं पूरी ताकत

नई दिल्ली, एजेंसी । भारत की टी20 टीम के अहम सदस्य अर्शदीप सिंक का सपना भी हर क्रिकेटर की तरह टेस्ट क्रिकेट खेलना है । वह चाहते हैं कि लाल गेंद से भी अपनी स्विंग का कमाल दिखाएं । अभी तक वह सीमित ओवरों में ही चमके हैं और टेस्ट गेंदबाज के तौर पर भी अपनी पहचान बनाना चाहते हैं । इसलिए वह फर्स्ट क्लास क्रिकेट को नजरअंदाज नहीं करते है । उनको पता है कि टेस्ट खेलने के सपने को पूरा करने की राह में प्रथम श्रेणी क्रिकेट अधिक नहीं खेलने को आदर्श तैयारी नहीं माना जा सकता, लेकिन उनका कहना है कि यह पारंपरिक प्रारूप के लिए उनकी तैयारी में कमी को नहीं दर्शाता है ।

क्षमता पर है यकीन

दलीप ट्रॉफी के बाद शेर ए पंजाब टीम लुधियाना लॉयंस से जुड़े अर्शदीप ने कहा कि प्रथम श्रेणी क्रिकेट में लंबा अंतराल तैयारी के लिए आदर्श नहीं है, लेकिन मैं उन्हीं चीजों पर फोकस कर सकता हूं जिससे मौका मिलने पर तैयार रह सकूं। टेस्ट क्रिकेट खेलना सम्मान की बात है और मुझे इसका इंतजार है। मुझे अपनी क्षमता पर यकीन है कि मैं भारत के लिये योगदान दे सकता हूं ।

हर कोशिश जारी

सीमित ओवरों के प्रारूप में भारत के शीर्ष गेंदबाजों में से एक अर्शदीप ने दिसंबर 2019 में पदार्पण के बाद से सिर्फ 24 प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं। दलीप ट्रॉफी के दो मैच खेलने से पहले उन्होंने एक साल तक कोई प्रथम श्रेणी मैच नहीं खेला था। अर्शदीप ने समाचार एजेंसी पीटीआई को दिए साक्षात्कार में कहा कि मैं टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए अपनी ओर से हरसंभव प्रयास कर रहा हूं।

एशियन गेम्स स्क्वॉड से अन्नू रानी बाहर

क्वालिफिकेशन मार्क नहीं छू पाईं, चोट से लौटे अविनाश साबले ने स्टीपलचेज में जगह पक्की की

नई दिल्ली, एजेंसी। हांगझोउ एशियन गेम्स की गोल्ड मेडलिस्ट अन्नू रानी जापान एशियन गेम्स के भारतीय स्क्वॉड से बाहर हो गई हैं। वे महिलाओं की जैवलिन थ्रो में क्वालिफिकेशन मार्क हासिल नहीं कर सकीं। अन्नू ने गुरुवार को छ्रस्र्ह स्टेडियम में इंडियन एथलेटिक्स फाइनल सीरीज में 57.50 मीटर का थ्रो किया। वह 57.62 मीटर के क्वालिफिकेशन मार्क से 12 सेंटीमीटर पीछे रह गईं।

अविनाश साबले की वापसी – इसी इवेंट में चोट से लौटे अविनाश साबले ने 3,000 मीटर स्टीपलचेज में गोल्ड जीता। उन्होंने 8:32.39 सेकेंड का समय निकालकर 8:36.57 सेकेंड का क्वालिफिकेशन मार्क हासिल किया। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने प्रतियोगिता से पहले खिलाड़ियों को साफ कर दिया था कि एशियन गेम्स में जाने के लिए क्वालिफिकेशन मार्क हासिल करना जरूरी है। स्नद्ध प्लानिंग कमेटी के चेयरमैन ललित भनोत ने कहा, जिसने क्वालिफिकेशन मार्क हासिल नहीं किया है, उसे एशियन गेम्स में नहीं भेजा जाएगा। स्नद्ध का रुख बिल्कुल साफ था। उन्होंने कहा, अगर अन्नू रानी क्वालिफाई नहीं कर पाई हैं, तो वे नहीं जाएंगी। जिन खिलाड़ियों ने मार्क हासिल नहीं किया है, वे दल का हिस्सा नहीं होंगे।

अविनाश 14 महीने तक चोट से बाहर रहे – 31 साल के अविनाश साबले 14 महीने तक चोट के कारण बाहर रहने के बाद अपनी 3,000 मीटर स्टीपलचेज स्पर्धा में लौटे। उन्होंने 8:32.39 सेकेंड के समय के साथ गोल्ड जीता। उनका समय 8:36.57 सेकेंड के एशियन गेम्स क्वालिफिकेशन मार्क से बेहतर रहा।

19 सितंबर से शुरू होगा इवेंट – एशियन गेम्स 2026 का 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक जापान के आइची-नागोया में खेला जाएगा। यह एशियन गेम्स का 20वां संस्करण है। इसमें एशिया के 45 देशों के खिलाड़ी अलग-अलग खेलों में हिस्सा लेंगे। भारतीय दल भी एथलेटिक्स, शूटिंग, बॉक्सिंग, कुश्ती, बैडमिंटन, हॉकी, तीरंदाजी, कबड्डी और क्रिकेट समेत कई खेलों में चुनौती पेश करेगा।

मिर्जापुर द मूवीः सीरीज से कितनी अलग है फिल्म?

पंकज त्रिपाठी, दिव्येंदु और अली फजल की मच अवेटेड फिल्म 'मिर्जापुर द मूवी' आज सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। जहां फिल्म में कुछ पुराने किरदारों की वापसी हुई है, वहीं कुछ ऐसे किरदार हैं, जो इस फिल्म में नए इंट्रोड्यूस हुए हैं।

इन किरदारों में कोई बदलाव नहीं

कालीन भैया– सीरीज की तरह मिर्जापुर द मूवी में पंकज त्रिपाठी ही कालीन भैया के किरदार में नजर आ रहे हैं।

गुड्डू भैया– अली फजल एक बार फिर फिल्म के जरिए गुड्डू भैया के किरदार में नजर आ रहे हैं।

मुन्ना भैया– 'मिर्जापुर द मूवी' में दिव्येंदु की वापसी हो रही है। इन्होंने सीरीज में भी काफी भौकाल मचाया था। इनकी एंट्री को लेकर फैंस में काफी एक्साइटमेंट है।

डिंपी, स्वीटी और गोलू– फिल्म में डिपी का किरदार हर्षिता गौर, स्वीटी का किरदार श्रिया पिलगांवकर और गोलू के किरदार में फिर से श्वेता त्रिपाठी नजर आती हैं।

बबलू पंडित– फिल्म में सबसे बड़ा बदलाव बबलू पंडित के किरदार में हुआ है। सीरीज में ये किरदार विक्रांत मैसी ने निभाया था, लेकिन फिल्म में जितेंद्र कुमार इस रोल को निभाते नजर आएंगे।

इन नए किरदारों की हुई एंट्री

बब्बन बबुआ– फिल्म में रवि किशन की एंट्री हुई है, जो बब्बन बबुआ के रोल में नजर आते हैं।

भैरव सिंह कर्णावत– इस नए किरदार में आपको सुशांत सिंह नजर आएंगे।

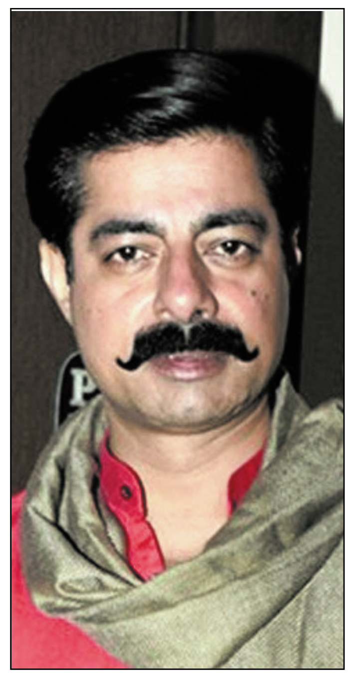

मुमताज बीबी – सोनल चौहान भी इस फिल्म में मुमताज बीबी के किरदार में नजर आएंगी, जो सीरीज में नहीं थीं।

बिरजू लोहार – बिरजू लोहार के रोल के साथ मोहित मलिक भी इस फिल्म के अहम किरदारों में नजर आएंगे।

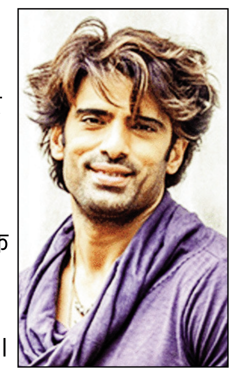

ये किरदार हैं मिसिंग

ललित – सीरीज में मुन्ना भैया के साथ रहने वाला ललित इस फिल्म में नजर नहीं आएंगे, क्योंकि उनका दिसंबर 2021 में निधन हो गया था।

एसपी परशुराम– सीरीज में स्वीटी और गोलू के पापा का किरदार निभाने वाले शहनवाज प्रधान भी फिल्म का हिस्सा नहीं हैं।

त्यागी परिवार– चूंकि फिल्म पहले सीजन के कुछ हिस्सों पर बनी है, इस वजह से इसमें त्यागी परिवार का कोई सीन नहीं है।

माधुरी यादव– सीरीज में पॉलिटिशियन और मुन्ना भैया की पत्नी का किरदार निभाने वाली ईशा तलवार भी इस फिल्म में नहीं हैं।

अर्जुन बिजलानी ने काम और परिवार के बीच तालमेल को लेकर बात की

टीवी की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने वाले अभिनेता अर्जुन बिजलानी इन दिनों अपने काम को लेकर काफी व्यस्त हैं लेकिन वह काम के साथ-साथ अपने परिवार को भी अहमियत देते हैं। साथ ही, कोशिश करते हैं कि बिजी शेड्यूल के बीच अपनों के लिए समय निकाल सकें। उन्होंने अपने काम और परिवार के बीच तालमेल को लेकर बातचीत की। अर्जुन बिजलानी ने बात करते हुए काम और परिवार के बीच तालमेल को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने माना कि हर पेशे में कुछ न कुछ समझौते करने पड़ते हैं। कई बार काम की वजह से जिंदगी के कुछ निजी और खास पल छूट जाते हैं लेकिन अर्जुन इसे अपने पेशे का हिस्सा मानते हैं। उनका कहना है कि वह खुशकिस्मत हैं कि उन्हें वह काम करने का मौका मिल रहा है, जिसे वह दिल से पसंद करते हैं। ऐसे में उनके लिए सबसे जरूरी बात यह है कि काम के साथ परिवार के लिए भी समय निकाला जाए। आईएएनएस से अर्जुन बिजलानी ने कहा, ''मैं काम को लेकर अपनी जिम्मेदारी समझता हूं लेकिन परिवार की जरूरतों और भावनाओं को भी नजरअंदाज नहीं करता। बात सिर्फ सही संतुलन बनाने की है।''उन्होंने कहा, 'यह संतुलन बनाना मेरे लिए एक तरह की लगातार चलने वाली कोशिश है। शूटिंग और दूसरे कामों के बीच जब भी मुझे मौका मिलता है, मैं अपने परिवार के साथ समय बिताने की कोशिश करता हूं। मेरे लिए जरूरी नहीं कि त्योहार सिर्फ घर पर रहकर ही मनाया जाए बल्कि जहां मैं हूं, वहीं खुशियां बांटना भी मेरे लिए मायने रखता है।'

अर्जुन ने कहा, ''मेरे करियर में कई ऐसे मौके आए हैं, जब पेशेवर जिम्मेदारियों के कारण मैं परिवार के साथ महत्वपूर्ण मौकों पर उनके पास नहीं रह पाया। लगातार शूटिंग और काम की वजह से ऐसा होना मेरे लिए आसान नहीं रहा। हालांकि, वह अपने परिवार को लेकर काफी खुशकिस्मत महसूस करते हैं, क्योंकि उनके मुताबिक परिवार उनके काम की मजबूरियों को समझता है और हर समय उनका साथ देता है। अर्जुन ने कहा, ''मेरे करियर में कभी-कभी ऐसे मौके आए हैं, जब पेशेवर जिम्मेदारियों के चलते मुझे कुछ महत्वपूर्ण मौकों पर भी परिवार से दूर रहना पड़ा। हालांकि, मैं इस बात को लेकर खुद को भाग्यशाली मानता हूं कि मेरा परिवार मेरे काम को समझता है और हमेशा मेरा साथ देता है।

पिता सचिन पिलगांवकर की ट्रोलिंग पर श्रेया का करारा जवाब

दिग्गज अभिनेता और फिल्मकार सचिन पिलगांवकर पिछले छह दशक से ज्यादा समय से बॉलीवुड इंडस्ट्री का हिस्सा हैं। पिछले कुछ समय से वह अपने इंटरव्यूज को लेकर सोशल मीडिया पर ट्रोल हो रहे है, जिसके बाद सपोर्ट में उनकी बेटी श्रेया पिलगांवकर उतरीं और कहा कि जो लोग उनको इंटरनेट पर ट्रोल कर रहे हैं, वही लोग जब सामने मिलते हैं तो तस्वीर खिंचवाने के लिए पहुंच जाते हैं। श्रेया ने खास बातचीत में कहा, ''लोगों को शायद इस बात का अंदाजा नहीं है कि मेरे पिता ने अपने लंबे करियर में कितना कुछ देखा और सीखा है। उनके पास फिल्मी दुनिया का 60 साल से ज्यादा का अनुभव है और इतने लंबे सफर में उन्होंने इंडस्ट्री के कई दौर अपनी आंखों से देखे हैं। इसलिए जब उनसे उनके जीवन या करियर को लेकर सवाल किया जाता है, तो वह अपने अनुभव साझा करते हैं और इसमें कुछ भी गलत नहीं है।''

श्रेया ने कहा, ''अगर सोचा जाए, किसी ऐसे व्यक्ति को बातचीत के लिए बुलाया जा रहा है, जिसने अपनी जिंदगी का बड़ा हिस्सा फिल्म इंडस्ट्री में बिताया है, तो जाहिर है कि वह अपने अनुभवों के बारे में ही बात करेगा। मेरे पिता कई इंटरव्यूज में अपने करियर, जिंदगी और इंडस्ट्री से जुड़े अनुभवों को साझा करते रहे हैं। इसमें मेरा मानना है कि लोगों को उनकी बातों को इसी नजरिए से देखना चाहिए, न कि हर बात को विवाद बनाने की कोशिश करनी चाहिए।''

उन्होंने आगे कहा, ''मनोरंजन जगत में ऐसा अक्सर देखने को मिलता है कि जो लोग किसी कलाकार को इंटरनेट पर ट्रोल करते हैं, वही लोग जब उससे सामने मिलते हैं तो तस्वीर खिंचवाने के लिए पहुंच जाते हैं। यह शोबिज की एक अजीब सच्चाई है। इंटरनेट पर किसी के बारे में कुछ और राय दिखाई देती है, जबकि आमने-सामने मिलने पर लोगों का व्यवहार बिल्कुल अलग होता है।'' श्रेया ने कहा, ''मैं और मेरा परिवार इस फर्क को अच्छी तरह समझता है। जब हम असल जिंदगी में लोगों के बीच जाते हैं तो हमें ज्यादातर प्यार ही मिलता है। इसलिए सोशल मीडिया पर चलने वाली नकारात्मक चर्चाएं हमें उतनी वास्तविक नहीं लगतीं। मेरे लिए असल मायने उस व्यवहार के हैं, जो लोगों से आमने-सामने मिलने पर मिलता है।'' अभिनेत्री ने कहा, ''कुछ लोग सिर्फ ध्यान खींचने के लिए भी ऐसी बातें करते हैं। कुछ लोगों के लिए दूसरों की सफलता और खुशी देखना भी आसान नहीं होता। जब कोई व्यक्ति जिंदगी की परेशानियों में उलझा होता है, तो कई बार वह दूसरे की खुशी या सफलता को भी उसी नजर से देखने लगता है। ऐसी बातों में उलझने के बजाय लोगों को अपना ध्यान प्यार और अच्छी चीजों पर रखना चाहिए।'' श्रेया जल्द ही निर्देशक प्रियदर्शन की फिल्म 'हैवान' में नजर आने वाली हैं। फिल्म में अक्षय कुमार और सैफ अली खान मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म में अक्षय कुमार खलनायक की भूमिका में हैं। फिल्म में बोमन ईरानी और सैयामी खेर भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

जिंदगी से जुड़े विवादों की इतनी आदी हो चुकी हूं

भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री आम्रपाली दुबे 'बिग बॉस 20' में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि रियलिटी शो उनके स्टारडम को बढ़ाने से ज्यादा उनके द्वारा निभाए गए किरदारों के पीछे छिपे असली इंसान को दिखाने का मौका देगा। दरअसल, अभिनेत्री ने शो के अंदर जाने से पहले आईएएनएस के साथ बातचीत की। इसमें उन्होंने कहा कि उन्होंने जीवन में एक ही बार विवादों का सामना किया है। अगर शो के कंटेस्टेंट इस पर कोई टिप्पणी करते हैं, तो उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि बिग बॉस मुझे अपने दर्शकों को अपना असली रूप दिखाने का मौका देगा, जो उन्होंने पहले कभी नहीं देखा। मैंने हमेशा कुछ ऐसे रोल और किरदार निभाए हैं, जो लिखे हुए होते थे। इस बार सब कुछ असली होगा और यही वजह है कि 'बिग बॉस' है।'

9 साल से लापता बच्चे की तलाश में भटकेगी परिणीति

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा की वेब सीरीज 'शकः ट्रस्ट नो वन' रिलीज के लिए तैयार है। सोमवार को मेकर्स ने सीरीज का पहला लुक और रिलीज डेट की घोषणा की है। मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर सीरीज का पोस्ट शेयर कर लिखा, 'शक की सुई चल पड़ी है, तारीख नजदीक आ रही है। सीरीज 'शकः ट्रस्ट नो वन' 24 सितंबर से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने जा रही है।' रिलीज डेट सामने आने के बाद फैंस और फिल्म से जुड़े कलाकार काफी उत्साहित नजर आए। अभिनेत्री जेनिफर विंगट समेत कई कलाकारों ने कमेंट सेक्शन पर उत्सुकता जाहिर की। परिणीति इसमें एक ऐसी मां के रोल में हैं, जो अपने खोए हुए बच्चे को ढूंढ रही है। इस सीरीज में सोनी राजदान, अनूप सोनी, जेनिफर विंगेट, हरलीन सेठी, ध्रुव चौधरी और सुमीत व्यास भी नजर आएंगे। इस मिस्ट्री थ्रिलर सीरीज को रेंसिल डी 'सिल्वा और सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा ने बनाया है और रेंसिल डी 'सिल्वा ने ही इसे डायरेक्ट किया है। शो में भरोसे और शक, दिल की सुनने और सच्चाई, प्यार और जुनून के बीच की बारीक लकीर को दिखाया गया है। यह प्रोजेक्ट परिणीति चोपड़ा का ओटीटी और वेब सीरीज की दुनिया में डेब्यू है। इसकी कहानी एक ऐसी मां के इर्द-गिर्द घूमती है जो अपने खोए हुए बच्चे की तलाश करती है और धीरे-धीरे अपनों के ही गहरे राजों और धोखों में उलझती चली जाती है।

डायरेक्टर और को-क्रिएटर रेंसिल डी 'सिल्वा ने 'शकः ट्रस्ट नो वन' को एक थ्रिलर है, जो अनिश्चितता पर बनी है। उन्होंने कहा, 'हर खुलासे के साथ एक नया सवाल खड़ा होता है और हर रिश्ते की एक और परत सामने आती है। मुझे सबसे ज्यादा इस बात ने अपनी ओर आकर्षित किया कि हम एक मां की इमोशनल जर्नी के जरिए एक सस्पेंस भरी कहानी को पर्दे पर ला रहे हैं, जो नौ साल से हार मानने को तैयार नहीं है। मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे नेटफ्लिक्स के साथ इस बोल्ड, इमोशनल और कई परतों वाली कहानी पर काम करने का मौका मिला।'

जो हित में था, उसे अपनाया और जो नहीं था, उसे बहा दिया

जानी-मानी अभिनेत्री श्रुति हासन ने साउथ हो या बॉलिवुड दोनों इंडस्ट्री में संतुलन साधना सीखा है। आठ साल की उम्र से बाल कलाकार के रूप में अपने करियर की शुरुआत करने वाली श्रुति का मानना है कि बीते सालों में सिनेमा ने उन्हें काफी मजबूत बनाया है। श्रुति उन अभिनेत्रियों में से हैं जो मुद्दों पर बात करने में पीछे नहीं रहतीं। वे कहती हैं, 'मैं हमेशा से उन बातों पर अपना टेक या विचार रखना पसंद करती हूं, जो मेरा अपना अनुभव हो या जिसे मैंने करीब से देखा हो। मैंने आज तक उन रैंडम टॉपिक, पॉलिटिकल या सोशल विषयों पर बात नहीं की, जिसकी मुझे जानकारी न हो। मैं अपने अनुभवों के आधार पर बात करना पसंद करती हूं।'

पिता कमल हासन की अभिनय की विरासत को आगे बढ़ाने वाली श्रुति साउथ के प्रभास, रजनीकांत, पवन कल्याण, विजय सरीखे सुपर स्टार्स के साथ काम कर चुकी हैं। हमने जब उनसे जानना चाहा कि आज दक्षिण के कलाकारों को पैन इंडिया स्टार कहा जा रहा है, बॉलिवुड और साउथ इंडस्ट्री की दूरी को पाटने की कोशिश लगातार जारी हैं, मगर क्या उन्हें लगता है कि वो अंतर अभी भी है, तो इस पर वे कहती हैं, 'असल में हमारे देश में अनगिनत अलग -अलग कल्चर और भाषाएं हैं।

श्रुति हासन ने कहा, 'हमारे देश के बारे में कहा जाता है कि विविधता में एकता है, मगर वो विविधता कभी घटती नहीं। आप अगर विकास में यकीन करेंगे, तो चाहे आप सिनेमा हों या मेडिसिन अथवा शिक्षा, विविधता को सकारात्मक रूप में लेंगे, मगर यदि आप संकीर्ण विचारधारा रखेंगे, तो यही डायवर्सिटी आपको नकारात्मक लगेगी। यह सोच और व्यक्ति दर व्यक्ति पर निर्भर करता है। मैं इसे पॉजिटिव तरीके से लेती हूं। इससे हमें नयी कहानियां मिलती हैं, नया नजरिया मिलता है। हर प्रदेश में एक विशिष्टता है।'

आज श्रुति का शुमार दक्षिण की सबसे ज्यादा फीस लेने वाली अभिनेत्रियों में शुमार है, मगर अपने करियर में उन्होंने भी मुश्किल वक्त देखा। वे कहती हैं, 'मैंने जब लक से अपने करियर की शुरुआत की, तब मेरे काम को दर्शकों ने नकार दिया था। लोगों ने मेरी काफी आलोचनाएं कीं। वह मेरे लिए सबसे बड़ा रिजेक्शन था, मगर मैंने उस आलोचना को कंस्ट्रक्टिव्ली लिया। मैंने आलोचनाओं को छननी की तरह लिया, जो मेरे हित में था, उसे अपनाया और जो नहीं था, उसे बहा दिया। मैंने लगातार अपनी गलतियों और कमियों से सीखा। मैंने कोशिश की कि किसी खांचे या फॉर्मूला में न अटकूं।'

मानसून में ये भी गाते गुनगुनाते नहाते हैं..

आ गया है मानसून। मतलब खूब सारी बारिश और टर्र-टर्र करते मेंढक, मम्मी के हाथ का बना गर्म सूप और कागज की नाव तैराने का समय। ऊपर से सोने पर सुहागा यह कि स्कूल भी अभी बंद ही हैं, इसलिए तुम्हारे तो वारे-न्यारे हो गए हैं। तुम तो इस मौसम में खूब मस्ती करते हो, ये हमें पता है, पर क्या तुम्हें पता है कि जानवर-पक्षी क्या करते हैं? वो कैसे मजे करते हैं। चलो आज जरा घर से बाहर निकलें और इनकी दुनिया में चलें...

यूं तो बारिश में ज्यादातर जानवर और पक्षी छांव वाली जगह की तलाश में रहते हैं, जहां उन पर पानी न गिरे। इसके लिए वे किसी पेड़ के तने, गुफा, पत्ते के नीचे या जमीन के नीचे चले जाते हैं। लेकिन कई जानवर इस बारिश को खूब पसंद करते हैं। खासकर कुछ खास किस्म की चिड़िया गाना गाती हैं तो कुछ पंख फैलाकर नहाती हैं। बारिश के समय मैना, कोयल खूब गाना गाती हैं। चिड़ियों को बारिश खूब पसंद होती है। वो पेड़ की डाली पर बैठकर बारिश का मजा लेती हैं। पत्तों से टपकता पानी उन्हें खूब पसंद है। लेकिन कई तरह की चिड़िया इस मौसम के आने से पहले दूसरे इलाकों में कूच कर जाती हैं। इनमें व्हाइट रफ्ड मनाकिंस खास है। अमेरिका में रहने वाली ये चिड़िया फल खाती है और दो-तीन घंटे से अधिक समय तक भोजन के बिना नहीं रह सकती। जैसे ही बारिश का मौसम आता है ये दूसरे इलाकों की ओर चली जाती हैं।

ऐसे बचाओ अपने पेट्स को

बारिश के समय तुम यह सुनिश्चित करो कि तुम्हारे पेट्स भीगें नहीं। अगर वो भीग भी गए हैं तो उन्हें तुरंत पोंछ दो। अगर उन्हें ठंड लग रही है तो किसी कंबल से ढंककर रखो। जैसे ही बारिश बंद हो तो उन्हें घुमाने कहीं बाहर ले जाओ। उनके साथ खूब खेलो, जिससे वे सुस्त न पड़ें। उनके फर और पंजों को साफ करते रहो। इस मौसम में सबसे ज्यादा जानवर बीमार होते हैं, इसलिए तुम उन पर नजर रखो। अगर उन्हें जलन-खुजलाहट हो रही है या बाल झड़ने लगे हैं तो यह इन्फेक्शन के पनपने की निशानी है। समय से वेक्सिनेशन करवाना जरूरी है।

मौसम बदलेगा, ये पहले से जान लेते हैं: भारी बारिश या तूफान आने से पहले ब्लैक कोकाटूस पहाड़ों से नीचे आना आरंभ कर देते हैं। ऐसा ये सुबह के समय करते हैं।

बिल्लियां अपने पैरों को चाटती हैं और उससे अपनी आंखों को साफ करती हैं। ऐसा माना जाता है कि बिल्ली के कान काफी तेज होते हैं और उन्हें मौसम बदलने से पहले ही कुछ ध्वनियां सुनाई देने लगती हैं, जिससे उनमें यह बदलाव आ जाता है।

गाय का बछड़ा यदि ज्यादा एक्टिव दिख रहा हो तो इसका मतलब है कि बारिश आने वाली है। बछड़ा ऐसे में अपनी आंखों क ो खुजलाना आरंभ करता है। अगर कुत्ता अपनी पीठ के बल सोने लगे तो समझ लेना चाहिए कि मौसम बदल सकता है। अगर मेंढक चिल्लाने लगें तो मान लें कि 24 से 48 घंटे में बारिश गिरेगी। तोते बारिश होने से पहले खास तरह की आवाजें निकालना आरंभ कर देते हैं। कछुए अगर नदी को छोड़कर मैदानी इलाकों की ओर आएं तो समझ लीजिए कि बारिश या बाढ़ आने वाली है।

तुम्हारे लिए मस्ती का समय है ये...

स्कूल अभी कुछ दिन पहले ही खुले हैं और बारिश शुरू हो चुकी है। मतलब फुल टू मस्ती और धमाल करने का समय है ये। तुम बारिश में खूब नहा सकते हो, खेल सकते हो और चाहो तो घर की खिड़की से इसके नजारे देख सकते हो। पानी में छप-छप करना, दोस्तों को भिगोना, उन्हें छींटे मारना, नाव बनाकर तैराना कितना मजेदार होगा ना। हल्की बारिश में फुटबॉल खेलो, वॉलीबॉल खेलो, क्रिकेट खेलो और मस्ती करो। अगर मां घर से न निकलने दें तो पेंटिंग बनाओ या सूप पियो।

क्या करते हैं जानवर

तोता चुप रहता है और कोई जगह ढूंढकर वहां छिप जाता है। गिलहरी और चुहिया गर्म जगह की तलाश करते हैं और वहां से छिपकर बारिश देखते हैं। मेंढ़क, कछुए और मछली तालाब या झील के नीचे के भाग में स्थित पत्थरों में शरण लेते हैं। रेंगने वाले जीवों जैसे सांप आदि की खासियत होती है उनकी चमड़ी। चमड़ी पर प्रोटीन होता है, जिसे केरेटिन कहा जाता है। ये उनकी त्वचा को वॉटरप्रूफ बना देता है, इसलिए ये खूब नहाते हैं। ओरंगुटान किसी पेड़ के पत्तों से अपने सिर को ढंककर बैठ जाता है। पीले रंग की चिडिया अमेरिकन गोल्डफिंचेस जरा सी देर भी गीला होकर नहीं रह सकती। बारिश शुरू होते ही वह सूखी जगह की तलाश कर वहां छिप जाती है। मोर बारिश शुरू होने से पहले नाचना शुरू कर देता है। मॉरनिंग डव्स को नहाना पसंद होता है। कठफोड़वा भी खूब नहाता है। बारिश के समय मेंढक तेज आवाजें निकालता है। तोता बारिश बंद होने के बाद एक डाली से दूसरी डाली तक आता-जाता है और नाचता है।

मानसून बोलो या काल वर्षा

मानसून शब्द अरबी भाषा के शब्द 'मौसिम' से बना है। केरल में मानसून को 'काल वर्षा' कहा जाता है। 'मानसून' उन मौसमी पवनों को कहते हैं, जो ठंड में महाद्वीपों से महासागरों की ओर और गर्मी में महासागरों से महाद्वीप की ओर चलती हैं।

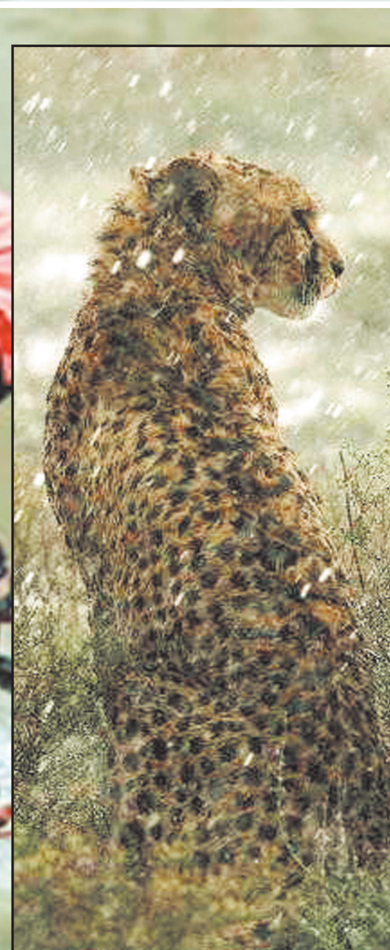

बारिश में भीगो पर...

बारिश में भीगने में सभी को मजा आता है। चुभती-जलती गर्मी से राहत मिलती है, प्रकृति और भी सुंदर हो जाती है। जगह-जगह बहते झरने, नदियां कितने सुंदर लगते हैं। वैसे तो मम्मी-पापा भी बारिश को पसंद करते हैं, पर जब बारी बच्चों की आती है तो मम्मी ज्यादा देर बारिश में नहाने नहीं देतीं। जल्दी से घर में आ जाओ, बारिश में मत भीगो, बस इसी बात की रट लगाये रहती हैं। उनका कहना सही भी है, क्योंकि बारिश बच्चों के लिए बीमारियों का कारण भी बन सकती है। हां, अगर तुम इन बातों को ध्यान में रखो तो तुम बारिश का मजा भी ले सकते हो और बीमार भी नहीं पड़ोगे। इस मौसम में सबसे ज्यादा मच्छर पैदा होते हैं, जो कई बीमारियों को जन्म देते हैं। इसलिए घर में पानी इकट्ठा मत होने दो। इसके लिए तुम घर में नीम की सूखी पत्तियों का धुंआ कर सकते हो। मानसून में पीने के पानी में अक्सर गंदगी आ जाती है, जो टायफाइड, कॉलरा जैसी बीमारियां फैलाती है। इसलिए पानी उबालकर ही पीएं। बाहर का खाना न खाएं। बारिश के पानी में ज्यादा देर तक मत रहो। इससे तुम्हें स्किन की बीमारियां हो सकती हैं। इसलिए तुम रेनकोट, रेनबूट पहनो और छाता लेकर ही निकलो। जब भी भीगो तो जल्दी से कपड़े बदलो। इस समय गटर या मेनहोल्स के पास मत जाओ, क्योंकि ये सभी ओवरफ्लो होते हैं। मानसून में सर्दी-जुकाम और खांसी हो जाती है। इसलिए मम्मी जो दें वो ही खाओ। नाखूनों को काटकर रखो, क्योंकि बहुत सारी बीमारियां इन नाखूनों से ही पेट के अंदर जाती हैं। इस मौसम में तुम्हें बार-बार हाथ धोने चाहिये। अगर बारिश में तुम्हारे मोजे गीले हो जाएं तो उन्हें उतार दो, नहीं तो फंगल इन्फेक्शन हो सकता है। अगर तुम्हारे घर में एसी लगा है तो नहा कर सीधे उस कमरे में मत जाना, बीमार पड़ सकते हो। गीले बिजली के तारों को मत छूना और न ही उन पर फंसी कोई चीज लोहे के डंडे से निकालने की कोशिश करना।

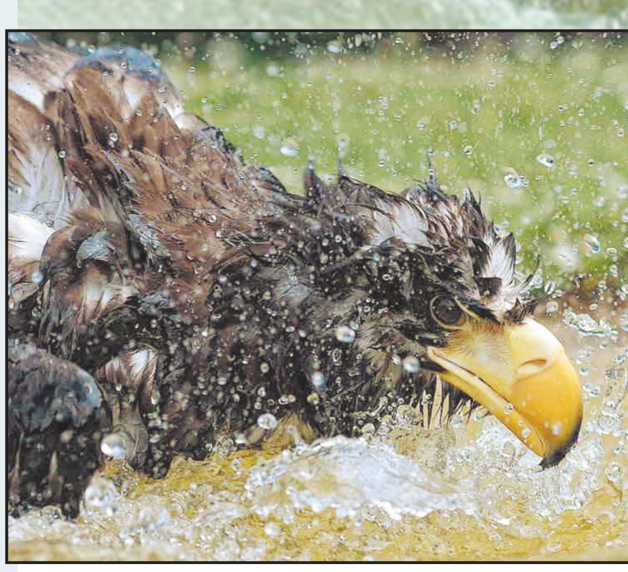

जानो आइसक्रीम की हिस्ट्री

बच्चों! आइसक्रीम हर किसी को ललचाती है। आज बाजार में आइसक्रीम वनीला, चॉकलेट, स्ट्रॉबेरी, मैंगो, पाइनऐपल आदि के स्वाद के साथ कोन, कप, स्टिक आदि के आकर्षक पैकेज में मौजूद है, लेकिन क्या आपको पता है कि आखिर तरह-तरह की वेरायटी वाली आइसक्रीम बनी कैसे, इसकी शुरुआत कब और कैसे हुई? आइए जानें इस बारे में..

वैसे यह निश्चित रूप से मालूम नहीं है कि सबसे पहले आइसक्रीम कैसे बनी और इसकी शुरुआत कैसे हुई, लेकिन एक किंवदंती के अनुसार, लगभग दो हजार साल पहले रोमन सम्राट नीरो ने अपने गुलामों से कहा था कि वे पास के पहाड़ों से बर्फ ले आयें। नीरो ने उस बर्फ में फलों का रस, शहद आदि मिलाया और उसका आनंद लिया. इसे ही आइसक्रीम की शुरुआत माना जा सकता है। समय बीतने के साथ लोग बर्फ में अन्य स्वादिष्ट चीजें मिलाकर खाने लगे और सन् 1600 तक आइसक्रीम काफी लोकप्रिय हो युकी थी। इसके बाद लोग अनेक प्रकार के प्रयोग करके इसे नया-नया रूप, आकार व स्वाद देकर और लोकप्रिय बनाते चले गये। एक बार पार्टियों में वेटर का काम करने वाले रॉबर्ट ग्रीन नामक व्यक्ति ने मजबूरीवश एक प्रयोग कर डाला। उस समय क्रीम और काबरेनेटेड पानी मिला कर एक पेय बनाया जाता था जो कई दशकों तक खासा लोकप्रिय रहा था। एक पार्टी में उस पेय के लिए क्रीम कम पड़ गई। ग्रीन ने उसकी जगह वनीला आइसक्रीम डाल दी। आइसक्रीम एक फोम के रूप में गिलास में ऊपर तक भर गई और वह घोल काफी स्वादिष्ट बन पड़ा था और जल्दी ही वह लोकप्रिय हो गया। इसे आइसक्रीम सोडा के नाम से पुकारा जाने लगा। इसी तरह के मजबूरीवश किये प्रयोगों ने अन्य प्रकार की आइसक्रीम्स को जन्म दिया।

संडे आइसक्रीम

स्मिथसन नामक व्यक्ति के पास एक छोटा-सा रेस्त्रं था, जिसमें लोग आइसक्रीम खाने अक्सर आते थे. 1890 के एक रविवार के दिन उसके रेस्त्रं में आइसक्रीम कम पड़ने लगी और दूसरी चीजें, जैसे फल, विभिन्न प्रकार की चॉकलेटें, क्रीमें आदि काफी थीं। रविवार को आइसक्रीम की आपूर्ति नहीं होती थी इसलिए स्मिथसन ने आइसक्रीम की मात्र कम कर दी तथा उसके ऊपर फल, चॉकलेट सिरप और दूसरी गाढ़ी क्रीम डालना प्रारंभ कर दिया। जब ग्राहकों ने इसकी तारीफ करना प्रारंभ कर दिया तो उसने इस आइसक्रीम का नाम संडे आइसक्रीम रख दिया। अब वह हर रविवार को संडे आइसक्रीम देने लगा। धार्मिक कारणों से कुछ लोगों द्वारा संडे नाम का विरोध करने पर स्मिथसन ने संडे आइसक्रीम में संडे की स्पेलिंग बदल डाली।

कोन वाली आइसक्रीम

कुरकुरे कोन में आइसक्रीम खाने का अलग ही आनंद है। इसकी शुरुआत भी मजबूरी में ही हुई। 1904 में सेंट लुई मेले में दो व्यक्ति खाने की वस्तुओं के काऊंटर पर अगल-बगल खड़े थे। एक पेपर की प्लेटों में आइसक्रीम बेच रहा था और दूसरा वेफर पर (पेस्ट्री जैसा लगने वाला) जिसके ऊपर चीनी के दाने चिपके हुए थे। अगस्त का महीना था और लोग धड़ाधड़ आइसक्रीम ले रहे थे। वेफर बेचने वाला मुंह ताक रहा था। तभी अचानक कागज की प्लेटें कम पड़ गईं और आइसक्रीम वाले को लगा कि अब उसे अपना काऊंटर बंद करना पड़ेगा। तभी वेफर बेचने वाला उसकी मदद के लिए आगे आया। उसने वेफल से कोन बनाया और दोनों उसमें आइसक्रीम भर कर बेचने लगे। लोगों को कुरकुरा वेफ र आइसक्रीम के साथ बहुत भाया तथा अब वह खूब बिकने लगा। 1920 तक एक-तिहाई आइसक्रीम कोन में बिकने लगी।

चॉकलेट आइसक्रीम

एक दिन क्रिश्चियन नेल्सन नामक व्यक्ति अमेरिका के आयोवा में स्थित अपनी दुकान में आइसक्रीम व चॉकलेट बेच रहा था। तभी एक बालक हाथ में सिक्के लिए दुकान में आया और आइसक्रीम की फरमाइश की। फिर उसने इरादा बदल दिया और चॉकलेट की फरमाइश कर डाली। नेल्सन को लगा कि यह बालक तभी संतुष्ट हो पायेगा जब उसे दोनों स्वाद मिलेंगे। उसने आइसक्रीम की एक स्लाइस काटी तथा उसके दोनों ओर चॉकलेट की पतली परत चिपका दी और तभी चॉकलेट आइसक्रीम की खोज हो गयी। अब वह नयी चॉकलेट वाली आइसक्रीम जमाने लगा। उसने इस दिशा में अनेक प्रयोग भी कर डाले ताकि चॉकलेट उसकी आइसक्रीम से भली प्रकार चिपक जाये। उसे सफलता आसानी से नहीं मिल रही थी। तभी उसको एक सेल्समैन ने सलाह दी कि वह कोको बटर का प्रयोग करे। अब नेल्सन ने नये सिरे से प्रयोग प्रारंभ कि ये। 1920 में एक रात उसने आइसक्रीम की एक स्लाइस चॉकलेट के मिश्रण में डाली। कुछ देर बाद चॉकलेट ठंडा होकर आइसक्रीम के चारों ओर जम गया। इसके साथ ही चॉकलेट लगी आइसक्रीम खासी लोकप्रिय हो गई।